शुक्रवार

06 सितंबर 2024

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

आपकी आवाज

शिक्षकों के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे डॉ. राधाकृष्णन

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होते, वह आजीवन शिक्षा का अलख जगाते हैं: संतोष निराला

गुरुवार को डुमरांव के होटल आनंद विहार में आयोजित समारोह का उद्घाटन करते अतिथिगण।

केशव टाइम्स की ओर से सम्मानित किए गए ख्यातिलब्ध शिक्षक

केटी न्यूज/डुमरांव

शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होते, एक कुशल शिक्षक वही है जो शिक्षा का अलख जगाते हैं। यह बात बिहार महादलित आयोग के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला ने कही। वह गुरुवार को डिजिटल अखबार केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से आयोजित भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। डुमरांव के होटल आनंद विहार में आयोजित समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देकर बच्चों का भविष्य गढ़ रहे शिक्षकों और शिक्षण संस्थान के प्रमुखों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डीके कॉलेज के रिटायर्ड प्रो. श्याम नारायण राय ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष निराला, विशिष्ट अतिथि डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी, बिजली विभाग के सहायक अभियंता राकेश कुमार दूबे, शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव तथा केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप के सीईओ अरविंद कुमार चौबे ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। आयोजन की शुरूआत डुमरांव घराने की ऋतम दूबे व रूपम दूबे ने सरस्वती वंदना व शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति से की। इस अवसर पर मुख्य व विशिष्ट अतिथि के हाथों दो दर्जन से अधिक ख्यातिलब्ध शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस आयोजन की लोगों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि केशव टाइम्स खबरों के साथ ही सामाजिक सरोकार में भी बढ़चढ़कर भूमिका निभाता है।

देखें पेज 2, 3 और 4 भी।

सुमित्रा कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शोभा सिंह को सम्मानित करते महादलित आयोग के अध्यक्ष संतोष निराला।

पश्चिम बंगाल के पेडोंग से सिक्किम के पाकयोंग जाने के दौरान हुआ हादसा

सिक्किम में भीषण हादसा... 700 फीट नीचे खाई में गिरी सेना की गाड़ी, 4 जवान शहीद

♦ ड्राइवर समेत सभी मृतक सैन्यकर्मी पश्चिम बंगाल के बिनागुरी की एक यूनिट के थे

एजेंसी/नई दिल्ली

सिक्किम के पाकयोंग में हुए सड़क हादसे में भारतीय सेना के चार जवानों की मौत हो गई। जवान पश्चिम बंगाल के पेडोंग से सिक्किम के जुलुक सिल्क रूट से पाकयोंग की ओर जा रहे थे और इस दौरान ही उनका वाहन खाई में जा गिरा। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक सेना का वाहन सड़क से फिसलकर खाई में 700 से 800 फीट नीचे गिर गया। बताया जा रहा है कि हादसा दलोपचंद दारा के पास वर्टिकल वीर में हुआ है। यह सिल्क रूट के नाम से मशहूर रेनॉक रोंगली हाईवे के पास पड़ता है। वाहन के खाई में गिरने से हादसे में चार जवानों ने अपनी जान गंवा दी। भारतीय सेना द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक मृत जवानों में मध्य प्रदेश के ड्राइवर प्रदीप पटेल, मणिपुर के शिल्पकार डब्ल्यू. पीटर, हरियाणा के नायक गुरसेव सिंह और तमिलनाडु के सूबेदार के. थंगापंडी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार ड्राइवर समेत सभी मृतक सैन्यकर्मी पश्चिम बंगाल के बिनागुरी की एक यूनिट के थे।

हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

जानकारी के मुताबिक सभी जवान पश्चिम बंगाल के बिनागुड़ी से एनरूट मिशन कमांड यूनिट के थे और घटना पर भारतीय सेना की तरफ से बयान भी जारी किया गया है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने कहा है कि वाहन सड़क से फिसल गया था, और रेनॉक रोंगली हाईवे के साथ दलोपचंद दारा के पास वर्टिकल वीर में लगभग 700 से 800 फीट नीचे गिर गया था। बताया जा रहा है कि सेना के जवान एक ट्रक में थे और ट्रक जब खाई में जा गिरा तो चकनाचूर हो गया, जिसके चलते चार जवानों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जानकारी रेस्क्यू ऑपरेशन कंप्लीट होने के बाद दी जाएगी।

सड़क हादसे पर कांग्रेस नेताओं ने जताया दुख

सड़क दुर्घटना में चार सैन्यकर्मियों की मौत पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शोक व्यक्त किया और कहा कि राष्ट्र हमेशा हमारे बहादुर सैनिकों का ऋणी रहेगा। खरगे ने कहा, हमारी सेना के बहादुर जवानों के अनमोल जीवन की हानि से गहरा दुख हुआ, नायक गुरसेव सिंह, सूबेदार के. थंगापंडी, प्रदीप पटेल और डब्ल्यू पीटर ने सिक्किम के पाकयोंग जिले में एक दुखद दुर्घटना में सर्वोच्च बलिदान दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमारे वीर जवानों के परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस भारी क्षति से उबरने की शक्ति दे। राष्ट्र सदैव हमारे वीर सैनिकों का ऋणी रहेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने भी इन सैनिकों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, सिक्किम में हुए सड़क हादसे के दौरान हमारी सेना के चार जवानों की शहादत का समाचार बेहद दुखद है। मैं शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। देश आपकी सेवा और बलिदान के प्रति सदैव ऋणी रहेगा।

आज से यादव और कुशवाहा दोनों भाई-भाई हैं : तेजस्वी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल ने गुरूवार को जगदेव प्रसाद के शहादत दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कुशवाहा समाज को साधने की भरपूर कोशिश की। इस दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोग अब एक-दूसरे से कभी नहीं लड़ेंगे, क्यों कि आज से यादव और कुशवाहा दोनों भाई-भाई हैं। उन्होंने कहा कि जगदेव प्रसाद बिहार के एकमात्र नेता हैं, जिन्हें शहीद कहा जाता है। समाजवादी विचारधारा के बड़े नेताओं में इनकी गिनती होती है। जगदेव प्रसाद का बिहार में इतना प्रभाव था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें दिल्ली बुलाया और साथ आने पर मुख्यमंत्री पद का ऑफर दिया। इसलिए हम मांग करते हैं कि कुशवाहा समाज से आने वाले शहीद नेता जगदेव प्रसाद को भारत रत्न दिया जाय।

तेजस्वी यादव ने कहा कि लालू जी ने कई लोगों को मंत्री बनाया, कई लोगों को विधायक बनाया। लेकिन कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए बदनाम करते रहते हैं। इसलिए मैं अब सबको गोलबंद होने की जरुरत है। हमलोग अब एक-दूसरे से कभी नहीं लड़ेंगे, क्यों कि आज से यादव और कुशवाहा दोनों भाई-भाई हैं।

राजद एक संस्कृति है, जो समाज में उन्माद पैदा करता है: सिन्हा

केटी न्यूज/पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा गुरूवार को राष्ट्रीय जनता दल पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि राजद एक संस्कृति है जो अराजकता, भय और समाज के अंदर उन्माद पैदा करता है। इनके कार्यकताओं के गमछा और मुरेठा को देखते ही इनकी पहचान हो जाती है। उन्होंने कहा कि पहले असुरों को दांत होता था, सींग होता था तो वह पहचान में आता था। अब धीरे-धीरे श्रृष्टि से सींग भी गायब हो गये और दांत भी गायब हो गये, जो असुर प्रवृति के अराजकता उत्पन्न करने वाले दलितों शोषितों को सताने वाले और समाज को लूटकर अकूत संपत्ति जमा करके अपने परिवार की जमींदारी चलाने वाले हैं, वह चेहरा छुपाना चाहते हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि 2025 में विधान सभा चुनाव आ रहा है, इसलिए यह लोगों को बरगलाना चाहते हैं, भरमाने चाहते हैं, लेकिन यह समाज और पूरा बिहारी जान चुका है कि जो बिहारी मान-सम्मान और स्वाभिमान को बढ़ाएगा और जो बिहारी शब्द को गाली नही बनाएगा हम उसी के साथ हैं। उनको रंग-भेद जाति-भेद क्षेत्र-भेद वो करते रहेंगे, लेकिन जनता जान गई कि जो अराजकता उतपन्न करता है वह असुर है और असुर कभी भी मानवता के हित में नही हो सकता है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा दरभंगा के ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में अयोजित शिक्षक दिवस पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम में पहुंचे थे, जहां वह बतौर मुख्य अतिथी पहुंचे थे। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने दर्जनों शिक्षकों को सम्मानित भी किया।

एनआईए की टीम ने नालंदा में की छापेमारी

♦ एनआईए की टीम ने इस्लामपुर प्रखंड के खानकह मोहल्ला स्थित हेमायतुल इस्लाम मदरसा के संस्थापक से की पूछताछ, घंटों छानबीन के बाद वापस लौटी टीम

केटी न्यूज/पटना

एनआईए की टीम गुरुवार को नालंदा पहुंची और देर शाम तक कई जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान मदरसा के व्यवस्थापक से घंटो पूछताछ भी की। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक केंद्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम गुरुवार को इस्लामपुर प्रखंड के खानकह मोहल्ला स्थित हेमायतुल इस्लाम मदरसा में पहुंची। वहां पहुंचते ही मदरसा के व्यवस्थापक डॉक्टर मंजर इकबाल से मिली और उससे घंटो पूछताछ की। इसके अलावा एनआईए और पुलिस की टीमों ने कई संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की। एनआईए की इस कार्रवाई की सूचना से लोगों में खलबली मची रही। हर व्यक्ति मामले को जानने के लिए उत्सुक था। इस्लामपुर में कई घंटों की छानबीन के बाद एनआईए की टीम वापस लौट गई।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने इस्लामपुर थाने की पुलिस को साथ लेकर यह कार्रवाई की थी। मदरसा सहित कुछ अन्य स्थानों पर भी छापेमारी की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। इस दौरान किसी तरह का कोई आपत्तिजनक सामान की भी बरामदगी नहीं हुई। बताया गया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी किसी विशेष मामले की जांच कर रही थी। हालांकि मामला क्या है, यह स्पष्ट नहीं हो सका। छापेमारी के दौरान मौके पर थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार, नगर परिषद इस्लामपुर कार्यपालक पदाधिकारी पूजा वाला सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद थे।

तिहरे हत्याकांड के दो आरोपियों को मिली आजीवन कारावास की सजा

केटी न्यूज/छपरा

बिहार के सारण जिले में नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय अधिनियम (बीएनएस) के तहत रसूलपुर थाना क्षेत्र में हुए तिहरे हत्याकांड के दो आरोपियों को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए अजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले में 45 दिन के अंदर न्यायालय ने फैसला दिया, जिसने देश में एक अलग ही इतिहास रच दिया है। शायद सारण जिला देश का पहला जिला है, जहां नए कानून बीएनएस के तहत हत्या जैसे बड़े मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ मात्र 14 दिन के अंदर चार्जशीट पेश कर दिया गया था। मामले में गुरुवार को छपरा व्यवहार न्यायालय ने दोनों आरोपियों सुधांशू कुमार और अंकित कुमार को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सारण पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने बताया कि बीते 17 जुलाई की रात रसूलपुर थाना क्षेत्र के धानाडीह गांव में प्रेम प्रसंग में दो युवतियों समेत परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी।

इस साल हरतालिका तीज पर रवि योग, शुक्ल योग के साथ हस्त नक्षत्र रहेगा, जो काफी शुभ

हरतालिका तीज आज, महिलाएं रखेंगी निर्जला व्रत

एजेंसी/लखनऊ

आज हरतालिका तीज है। तीज की तैयारियों के तहत बृहस्पतिवार को शहर के प्रमुख बाजार में महिलाओं ने पूजा की सामग्री खरीदी। देर रात तक सुहागिनों ने हाथों पर मेहंदी रचाई। हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए और कुंवारी कन्याएं मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए इस व्रत को रखती हैं। इस दिन मां पार्वती और शिवजी की विधिवत पूजा की जाती है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और पूरे दिन पूजा ध्यान करने के बाद प्रदोष काल में पूजा करती है। ज्योतिषाचार्य एसएस

नागपाल व पंडित धीरेन्द्र पांडेय के मुताबिक भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 5 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 21 मिनट से शुरू हो रही है, जो 6 सितंबर को दोपहर 3 बजकर 1 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर हरतालिका तीज 6 सितंबर 2024, शुक्रवार को मनाई जाएगी। इस साल हरतालिका तीज पर रवि योग, शुक्ल योग के साथ हस्त नक्षत्र सुबह 9:25 तक उपरान्त चित्रा नक्षत्र रहेगा, जो काफी शुभ माना जा रहा है। इस दिन रवि योग सुबह 9 बजकर 25 मिनट से लग रहा है, जो अगले दिन 7 सितंबर को सुबह 6 बजकर 02 मिनट पर समाप्त होगा।

क्या है इस व्रत के पीछे की कथा

ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को पहली बार मां पार्वती ने भगवान शंकर को प्राप्त करने के लिए किया था। मां पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए अन्न, जल सभी त्याग दिया था। कठिन तपस्या के बाद भगवान शिव ने प्रकट होकर मां पार्वती को पत्नी रूप में स्वीकार करने का वचन दिया था। इस व्रत को करने से कन्याओं को मनोनुकूल वर, सौभाग्यवती महिलाओं को अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन गणेश पूजन के बाद शिव और पार्वती की पूजा उपासना की जाती है। व्रत की शुरूवात एक दिन पहले आधी रात से शुरू होती है। व्रती स्त्रियां निर्जला व्रत रखती हैं। शुद्ध वस्त्र पहनकर प्रदोष काल में शिव, पार्वती की पूजा करती हैं। माता पार्वती को सुहाग का जोड़ा और श्रृंगार की वस्तुएं चढ़ाई जाती है और हरितालिका तीज की व्रत कथा सुनती है। हरितालिका पूजा प्रातः काल का मुर्हूत 06 बजकर 02 से सुबह 08 बजकर 33 मिनट तक है। सायंकाल प्रदोषकाल में शिव-पार्वती की पूजा करें।

केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप ने जिले के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित किया समारोह

शिक्षकों के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे डॉ. राधाकृष्णन

- समारोह में सम्मान पा गदगद हुए शिक्षक, जताया आभार
- सम्मान समारोह में शामिल हुए दर्जनों शिक्षाविद्, शिक्षक एवं सामाजिक कार्यकर्ता

समारोह में दो दर्जन से अधिक शिक्षकों को अंग वस्त्र, मोमेंटों तथा प्रतीक चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/डुमरांव

पूर्व राष्ट्रपति तथा देश के सर्वोच्च शिक्षक के रूप में गिने जाने वाले डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के मौके पर जिले के इकलौते डिजिटल न्यूज ग्रुप केशव टाइम्स ने शिक्षकों के सम्मान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह समारोह आनंद विहार होटल में आयोजित हुआ। जिसकी अध्यक्षता डीके कॉलेज डुमरांव के राजनीति विभाग के पूर्व एचओडी प्रो. श्याम नारायण राय ने किया। जबकि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, विशिष्ट अतिथि के तौर पर डुमरांव अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. शैलेश कुमार, बिजली विभाग के एसडीओ राकेश कुमार, जदयू के प्रदेश महासचिव विनोद राय आदि मौजूद थे। अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्जवलित कर तथा मां शारदे व सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। उद्घाटन के मौके पर केशव टाइम्स के सीईओ अरविंद कुमार चौबे मौजूद थे।

कार्यक्रम की शुरूआत डुमरांव घराने की ऋतम दूबे व रूपम दूबे ने स्वागत गान कर किया। इसके बाद दोनों बारी-बारी से शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर आगत अतिथियों तथा उपस्थित लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप द्वारा पहले आगत अतिथियों का स्वागत किया गया तथा इसके बाद अतिथियों के हाथों शिक्षकों को राधाकृष्णन सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंगलिश गुरू के नाम से विख्यात मि. मनोज ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन केशव टाइम्स के एडिटर इन चीफ अविनाश उपाध्याय ने किया। इस मौके पर दो दर्जन से अधिक शिक्षकों को अंग वस्त्र, मोमेंटों तथा प्रतीक चिन्ह दिया गया। सम्मान समारोह में डुमरी मुखिया प्रेम सागर कुंवर, पत्रकार डॉ. शशांक शेखर, बंटी कुमार, चंद्रशेखर सिंह, अनिल कुमार ओझा, अमित कुमार ओझा, आलोक कुमार सिन्हा, अशोक कुमार, अमरनाथ केशरी, संजय कुमार, अमित कुमार, रजनीकांत दूबे, मनीष कुमार, नवीन पाठक, रंजन मिश्र, टुन्ना राम, सुगंध राम समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

शिक्षक कभी सेवा निवृत नहीं होते : अपने संबोधन में सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सह बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला ने कहा कि शिक्षक कभी सेवा निवृत नहीं होते है। उन्होंने कहा कि एक कुशल शिक्षक वही है जो शिक्षा की अलख जगाते है। पूर्व मंत्री ने कहा कि समाज का कोई भी प्रबुद्धजन शिक्षकों की ही देन है। हमे शिक्षकों का आदर करना चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि शिक्षक, शिक्षा और छात्र ही इस देश की धूरी है। देश कितना विकसित और मजबूत है, यह शिक्षकों और छात्रों को दख पता चल जाता है। उन्होंने इस आयोजन के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप को बधाई दी और कहा कि इस आयोजन से शिक्षकों को जो सम्मान मिला है, उसके लिए केशव टाइम्स की पूरी टीम बधाई की पात्र है।

शरीर के लिए जो महत्व प्राण का है, वही जीवन में शिक्षा का है : राधाकृष्णनन सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने इस आयोजन के लिए केशव टाइम्स की टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि जीवन के लिए जो महत्व प्राण का है वही महत्व जीवन के लिए शिक्षा का है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की महता हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक ईमानदारी से काम करते है वे राष्ट्रनिमार्ता होते है। उन्होंने कहा कि बदलते परिवेश में शिक्षा का महत्व बदल गया है। प्राचीन काल में जब गुरूकुल संचालित होते थे तब शिक्षा का मूल उदेश्य था कि जीवन कैसे जिया जाए। लेकिन, अब इसका उदेश्य ज्ञान के साथ ही रोजगार पाना भी हो गया है। डीएसपी ने शिक्षा के तथ्य व मूल्य दोनों को विस्तार से समझाया और कहा कि शिक्षा का तथ्य शिक्षक बताते हैं जबकि उसका मूल्य हमारा परिवार व समाज तय करता है। उन्होंने लोगों से शिक्षकों का हमेशा आदर करने की सीख दी और कहा कि शिक्षक हमेशा सम्मान के पात्र होते हैं।

चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण है शिक्षक की भूमिका

केशव टाइम्स द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि अपने उद्बोधन में डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि जीवन में चरित्र निर्माण के लिए अच्छे शिक्षक जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि भले ही आज शिक्षा का स्वरूप बदल गया है, लेकिन शिक्षक की भूमिका आज भी नहीं बदली है। उन्होंने कहा कि पहले की शिक्षा जहां ज्ञान आधारित थी, वहीं आज के भौतिक युग में शिक्षा रोजगारपरक हो गई है। जिस कारण समाज का शिक्षकों के प्रति नजरिया बदला है। उन्होंने गुरूकुल की शिक्षा परंपरा से आज की आधुनिकी व तकनीकी तथा शिक्षा के बाजारीकरण पर काफी सारगर्भित बातें कहीं। अंत में उन्होंने कहा कि असली शिक्षा का मतलब चरित्र निर्माण ही है, इसके लिए छात्रों तथा समाज को शिक्षकों का आदर करना चाहिए।

संत जॉन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, डुमरांव के निदेशक डॉ. रमेश सिंह को सम्मानित करते डुमरांव एसडीएम।

राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल, डुमरांव के निदेशक ब्रह्मा ठाकुर को सम्मानित करते डुमरांव एसडीएम।

न्यू वुडस्टॉक स्कूल, डुमरांव के निदेशक राजीव कुमार पाठक को सम्मानित करते डुमरांव एसडीएम।

बिरला ओपेन माइंड्स स्कूल, बक्सर के प्राचार्य एमएस पनिया को सम्मानित करते डुमरांव एसडीपीओ।

एसओई, कॉमर्स क्लासेज, डुमरांव के निदेशक डॉ. अभिषेक कुमार को सम्मानित करते डुमरांव एसडीएम।

समारोह में जिले के इन शिक्षकों को किया गया सम्मानित

डुमरांव। केशव टाइम्स द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में दो दर्जन से अधिक शिक्षकों को राधा कृष्णन सम्मान से सम्मानित किया गया तथा उन्हें अंग वस्त्र, मोमेंटो तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का प्रतीक चिन्ह दिया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में संत जॉन सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल के डायरेक्टर डॉ. रमेश सिंह, राइजिंग सन इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक ब्रह्मा ठाकुर, डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य चिंटू पाठक, बिरला ओपेन माइड्स स्कूल बक्सर के प्राचार्य एमएस पुनिया, एसओई कॉमर्स क्लासेज डुमरांव के निदेशक डॉ. अभिषेक कुमार, सुमित्रा महिला कॉलेज डुमरांव की प्राचार्या डॉ. शोभा सिंह, न्यू वुड स्टॉक स्कूल, डुमरांव के निदेशक राजीव कुमार उर्फ बब्लू पाठक, सीपीएसएस उच्च विद्यालय डुमरांव के प्रधानाध्यापक डॉ. अशफाक, महारानी उषारानी बालिक प्लस टू उच्च विद्यालय के शिक्षक रवि कुमार, राज प्लस टू उच्च विद्यालय डुमरांव के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र, प्लस टू उच्च विद्यालय सिमरी के वरीय शिक्षक तथा राजकीय सम्मान प्राप्त मनीष कुमार शशि, महारानी उषारानी बालिका उच्च विद्यालय की शिक्षिका आरती केशरी, दी एसेंट स्कूल, डुमरांव के कल्याण तिवारी, यूआईइसीसी डुमरांव के मिस्टर मनोज, पाथवे वर्ल्ड स्कूल, डुमरांव के निदेशक डॉ. आर राघवन, एमडीजे पब्लिक स्कूल, सोनवर्षा के निदेशक नंद कुमार सिंह, बचपन प्ले स्कूल के निदेशक विनय कुमार, उत्क्रमित उच्च विद्यालय छोटका सिंहनपुरा के प्रधानाध्यापक भवेश कुमार तिवारी, ग्रीन बेल्स पब्लिक स्कूल, बड़का ढकाईच के निदेशक मोहित प्रधान, मध्य विद्यालय नंदन के शिक्षक नवनीत कुमार श्रीवास्तव, शिक्षक अजितेश कुमार उर्फ सोनू आदि को मुख्य तथा विशिष्टि अतिथियों के हाथों सम्मानित कराया गया।

डीएवी पब्लिक स्कूल, डुमरांव के प्रधानाचार्य चिंटू कुमार पाठक को सम्मानित करते डुमरांव एसडीएम।

राज हाई स्कूल, डुमरांव के प्रधानाचार्य अनुराग कुमार मिश्र को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

दी एसेंट स्कूल, डुमरांव के शिक्षक कल्याण तिवारी को सम्मानित करते डुमरांव एसडीपीओ।

यूआईइसीसी, डुमरांव के निदेशक मिस्टर मनोज को सम्मानित करते डुमरांव एसडीपीओ।

पाथ वे वर्ल्ड स्कूल, डुमरांव के निदेशक डॉ. आर राघवन को सम्मानित करते डुमरांव एसडीपीओ।

सीपीएसएस, प्लस टू स्कूल, डुमरांव के प्रधानाचार्य डॉ. अश्फाक को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

प्लस टू उच्च विद्यालय, सिमरी के शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

शिक्षकों के प्रति केशव टाइम्स की नजरिए की शिक्षकों ने की सराहना

आयोजन की हुई भूरि-भूरि प्रशंसा, शिक्षकों ने कहा थैंक्स केशव टाइम्स

केटी न्यूज/डुमरांव

केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप खबरों की पारदर्शिता तथा सटीकता के साथ ही समीचीन विषयों पर समाज को राह दिखाने का काम भी करती है। गुरूवार को शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षकों को सम्मानित कर केशव टाइम्स ने इसे साबित कर दिखाया। इस आयोजन की लोगों ने जमकर सराहना की और कहा कि शिक्षकों को सम्मानित कर केशव टाइम्स ने एक नई राह दिखाई है। वास्तव में शिक्षक समाज के लिए सबसे आदरणीय होते है और उनका सम्मान समाज के हर तबके को करना चाहिए।

केशव टाइम्स के इस आयोजन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के निदेशक तथा चर्चित शिक्षाविद डॉ.

रमेश सिंह ने कहा कि यह आयोजन काफी सराहनीय है। उन्होंने कहा कि किसी मीडिया ग्रुप द्वारा शिक्षकों को सम्मानित करने का यह प्रयास काफी सराहनीय है। जबकि पाथवे वर्ल्ड स्कूल के डायरेक्टर डॉ. आर राघवन ने आयोजन की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। मीडिया के हाथों सम्मानित होने का जो मौका मिला है मेरे लिए अविस्मरणीय है। राज प्लस टू उच्च विद्यालय डुमरांव के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र ने कहा कि केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप के इस प्रयास की जितनी तारीफ की जाए कम होगी। वही, सुमित्रा महिला कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शोभा सिंह, शिक्षिका आरती केशरी ने कहा कि मीडिया ग्रुप द्वारा शिक्षकों के सम्मान की सोंच काफी सराहनीय पहल है। वही, डीएवी स्कूल के प्राचार्य चिंटू पाठक, राजकीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित प्लस टू उच्च विद्यालय सिमरी के शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि, बिरला ओपेन माइंड्स स्कूल बक्सर के डायरेक्टर एमस पुनिया, शिक्षक भवेश तिवारी, बचपन स्कूल के विनय कुमार, ग्रीन बेल्स के मोहित प्रधान आदि ने इस कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप ने शिक्षकों के प्रति जो सम्मान की भावना दिखाई है, वह समाज के लिए भी अनुकरणीय है। वास्तव में केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप के साथ ही समाज को राह दिखाने वाला मीडिया ग्रुप है।

महारानी उषारानी प्लस टू स्कूल डुमरांव के शिक्षक रवि कुमार को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

महारानी उषारानी बालिका मध्य विद्यालय, डुमरांव की शिक्षिका आरती केशरी को सम्मानित करते एसडीएम।

केशव टाइम्स अखबार के प्रमुख संपादक ने आगत अतिथियों का किया धन्यवाद ज्ञापन

किसी की नहीं करनी चाहिए निंदा : अविनाश उपाध्याय

◆ बोले एडिटर इन चीफ- सम्मान समारोह का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि बदलते परिवेश में भी शिक्षकों का सम्मान समाज के द्वारा किया जाए

केटी न्यूज/ डुमरांव

सम्मान समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए केशव टाइम्स के एडिटर इन चीफ अविनाश उपाध्याय ने कहा कि हमें अपने जीवन में किसी की निंदा नहीं करनी चाहिए यह भी सम्मान का एक स्वरूप है। उन्होंने उपस्थित अतिथियों को इस कार्यक्रम में अपना महत्वपूर्ण समय देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि केशव टाइम्स का यह पहला प्रयास नहीं है इसके पहले हमने 24 फरवरी 2024 को पटना के लेमन ट्री होटल में भविष्य का बिहार विषय पर एक कॉन्क्लेव भी आयोजित किया था, जिसमें बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी क्या लगे पक्ष और विपक्ष के टार्जन और राजनेता शिक्षाविद और सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोग शामिल हुए थे।

अविनाश उपाध्याय ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता होते हैं, उनका सम्मान करना हर किसी का दायित्व है। सम्मान समारोह का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि बदलते परिवेश में भी शिक्षकों का सम्मान समाज के द्वारा किया जाए। उन्होंने समारोह में अपना कीमती समय देकर चार चांद लगाने वाले मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री संतोष निराला, विशिष्ट अतिथि सह डुमराव एसडीएम राकेश कुमार, डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी, डॉक्टर शैलेश कुमार श्रीवास्तव, कार्यक्रम की अध्यक्षता करने वाले प्रोफेसर श्याम नारायण राय, विश्वामित्र अस्पताल के निदेशक डॉ राजीव कुमार झा, डुमरी मुखिया प्रेम सागर कुंवर, शास्त्रीय संगीत और नृत्य से समारोह की खूबसूरती बढ़ाने वाली रितम दुबे और रूपम दुबे, प्रदेश महासचिव विनोद राय समेत समस्त अतिथियों शिक्षकों को धन्यवाद दिया।

समाज की धरोहर हैं शिक्षक : शिक्षक समाज की धरोहर हैं। शिक्षकों की बदौलत ही हमारा समाज शिक्षित और सुसंस्कृत बनता है। केशव टाइम्स द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह के मौके पर उक्त बातें कंपनी के सीईओ अरविंद कुमार चौबे ने कहीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक की बदौलत ही ज्ञान का प्रकाश फैलता है तथा ज्ञान विज्ञान में देश मजबूत होता है। प्राचीन काल से ही हमारे देश में गुरुओं का सम्मान होता रहा है। इस देश में गुरु का दर्जा भगवान से भी ऊपर दिया जाता है। इसी सोच के साथ केशव टाइम्स ने शिक्षकों को सम्मानित करने का कदम उठाया। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में इस आयोजन की परिकल्पना की गई तथा टीम साथियों के सहयोग से इसे सफलतापूर्वक पूरा कर दिखाया गया। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में समय और सहयोग देने वाले राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों तथा शिक्षकों के प्रति आभार जताया और कहा कि हर साल शिक्षक दिवस के मौके पर केशव टाइम्स द्वारा शिक्षकों के सम्मान में समारोह आयोजित किया जाएगा।

वरिष्ठ पत्रकार बबलू उपाध्याय को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

पत्रकार विशाल कुमार को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

मुख्य अतिथि सह पूर्व मंत्री संतोष निराला का स्वागत करते केशव टाइम्स के संपादक संजय कुमार।

विशिष्ट अतिथि सह डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार का स्वागत करत वरिष्ठ पत्रकार डॉ. शशांक शेखर

विशिष्ट अतिथि सह डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी का स्वागत करते डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव।

विशिष्ट अतिथि सह जदयू प्रदेश महासचिव विनोद राय का स्वागत करते डॉ. राजीव कुमार झा।

बिजली विभाग के डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार दूबे का स्वागत करते पत्रकार अविनाश उपाध्याय।

विश्वामित्र अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. आरके झा को सम्मानित करते जदयू के प्रदेश महासचिव विनोद राय।

समाज सेवी मोहन गुप्ता को सम्मानित करते जदयू के प्रदेश महासचिव विनोद राय।

डुमरी पंचायत के मुखिया प्रेम सागर कुंवर को सम्मानित करते जदयू के प्रदेश महासचिव विनोद राय।

शिक्षक अजितेश कुमार को सम्मानित करते जदयू के प्रदेश महासचिव विनोद राय।

वरिष्ठ पत्रकार शशांक शेखर को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल ओझा को सम्मानित करते डुमरांव एसडीपीओ।

छायाकार सुजीत कुमार केशरी को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

छायाकार मुशताख अहमद उर्फ बंटी को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

केशव टाइम्स के नावानगर रिपोर्टर वरूण सिंह को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

वरिष्ठ पत्रकार अमर नाथ केशरी को सम्मनित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुमार को सम्मानित करते डुमरांव एसडीएम।

वरिष्ठ पत्रकार नवीन पाठक को सम्मानित करते डुमरांव एसडीएम।

केशव टाइम्स के संपादक संजय कुमार को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

केशव टाइम्स के ब्यूरो चीफ रजनीकांत दूबे को सम्मानित करते डुमरांव एसडीएम व डीएसपी।

केशव टाइम्स के सीईओ अरविंद कुमार चौबे उर्फ चुन्नू चौके को सम्मानित करते पूर्व मंत्री और एसडीएम।

कार्यक्रम : शिक्षक सम्मान समारोह में शास्त्रीय संगीत और नृत्य ने मोहा सभी का मन

♦ डुमरांव घराना की ऋतम व रूपम ने बांधा समां

केटी न्यूज/डुमरांव

केशव टाइम्स द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह के मौके पर धनगाई (डुमरांव) घराने के अंतिम वारिश विमलेश दूबे की बेटियां ऋतम दूबे व रूपम दूबे ने अपनी कलाकारी से समां बांध दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से करने के बाद दोनों बहनों ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। दोनों बहने शास्त्रीय संगीत व नृत्य की विधा में काफी परांगत है तथा उनकी प्रस्तुति इस बात की गवाही भी दे रही थी। यही कारण है कि उनकी प्रस्तुति के दौरान कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा।

लोगों ने दोनों की कलाकारी की जमकर सराहना की तथा कहा कि आज इनकी बदौलत ही डुमरांव में शास्त्रीय संगीत व नृत्य जिंदा है। बता दें कि डुमरांव घराने का काफी प्राचीन इतिहास रहा है तथा इस घराने की शास्त्रीय संगीत में जो ख्याति है, उसकी एक झलक शिक्षक दिवस के मौके पर आयोजित सम्मान समारोह में देखने को मिली। अतिथियों ने दोनों की प्रस्तुति की जमकर सराहना की और इस विधा को डुमरांव में जिंदा रखने के लिए धन्यवाद दिया। वही, केशव टाइम्स की टीम ने भी अपना कीमती समय देने के लिए ऋतम व रूपम को धन्यवाद दिया।

समारोह में संगीत प्रस्तुत देती डुमरांव घराने की ऋतम दूबे व रूपम दूबे।

बचपन प्ले स्कूल, डुमरांव के निदेशक विनय कुमार को सम्मनित करते डुमरांव एसडीपीओ।

एमडीजे पब्लिक स्कूल, सोनवर्षा के निदेशक नंद कुमार सिंह को सम्मनित करते डुमरांव एसडीएम।

प्रोफेसर श्याम नारायण राय को सम्मानित करते पूर्व मंत्री संतोष निराला।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय छोटका सिंघनपुरा के प्रधानाध्यापक भवेश कुमार तिवारी को सम्मानित करते एसडीपीओ।

ग्रीन बेल्स पब्लिक स्कूल, ढकाइच के निदेशक मोहित प्रधान को सम्मनित करते डुमरांव एसडीपीओ।

डुमरांव के नृत्य शिक्षक आयुष केशरी को सम्मनित करते डुमरांव एसडीपीओ।

खबरें फटाफट

पुण्य तिथि पर याद किये गये शहीद जगदेव प्रसाद

बक्सर। जनता दल यूनाइटेड कार्यालय बक्सर में जदयू के जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में भारत लेनिन अमर शहीद जगदेव प्रसाद की पुण्य तिथि मनाई गई जिसमें पार्टी के प्रति समर्पित नेतागण ने पुष्प अर्पित करते हुये हुए श्रद्धा सुमन नमन किए। अशोक कुमार सिंह जी ने बताया कि जगदेव प्रसाद जी गरीब शोषित वंचित दलित सभी पीड़ितों के जुबान थे कार्यक्रम में उपस्थित हुए जदयू के मोहन चौधरी, राघवेंद्र उज्जैन, रविराज बिमलेंद्र पांडे, आजाद सिंह राठौर, विजय कुशवाहा, संजय चौधरी, राजेश कुशवाहा, सत्यनारायण सिंह, जग नारायण चौहान, बृजेश यादव, सत्येन्द्र शर्मा सहित अन्य मौजुद थे।

ई-शिक्षा कोष में अपलोड करें प्रोफाईल : डीपीओ

बक्सर। जिले के 39 पुस्तकालयाध्यक्षों का ई. शिक्षा कोष पोर्टल पर प्रोफाइल अपडेट करने को लेकर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना ने सभी प्रधानाध्यापकों, प्रभारी प्रधानाध्यापकों को पत्र जारी किया है। लंबित प्रोफाइल अद्यतन करने के लिए डीपीओ स्थापना विष्णुकांत राय ने 24 घंटा के अंदर करने को लेकर निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि जिले के सभी शिक्षकों को ई-शिक्षा पोर्टल पर अपना प्रोफाइल अपलोड करना है। इस क्रम में 39 पुस्तकालयाध्यक्षों की प्रोफाइल अपलोड नहीं किया गया है। जिनकी सूचि के साथ डीपीओ स्थापना ने पत्र जारी किया है। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण करने हेतु 24 घंटे का समय दिया गया है। सूची में अंकित पुस्तकालयध्यक्षों का ई. शिक्षा कोष प्रपत्र को भरकर उपलब्ध कराने को लेकर निर्देशित दिया।

बक्सर नगर परिषद के पार्षद हुए एकजुट, ईईएसएल एजेंसी के विरोध में खोला मोर्चा

बक्सर में वार्ड पार्षदों ने लाइट लगाने वाली एजेंसी के खिलाफ फूंका पुतला

♦ बोले पार्षद... 2017 में पूरे राज्य में ईईएसएल कंपनी को दिया गया था काम करने का मौका

केटी न्यूज/बक्सर

नगर परिषद कार्यालय के समक्ष बक्सर नगर के सभी वार्ड पार्षदों ने सम्मिलित रूप से लाइट लगाने वाली एजेंसी के विरूद्ध मोर्चा खोल दिया है। वहीं मुख्य पार्षद के साथ ही पार्षदों ने बक्सर नगर में 2017 से लगे एलईडी लाइट को समय से मरम्मत नहीं होने के विरुद्ध में एजेंसी की कार्यशैली ईईएसएल के खिलाफ प्रतीकात्मक पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया गया। वर्ष 2017 में पूरे बिहार में नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत में ईईएसएल नामक कंपनी को पुरे बिहार के नगर को रौशन करने का ठेका दिया गया। तत्कालीन चेयरमैन और कार्यपालक पदाधिकारी को पटना बुलाकर इसका एग्रीमेंट कराया गया। उसी समय यह समझ में आ गया था आने वाले दिन में क्या होगा। सरकार के द्वारा यह प्रावधान किया गया कि लाइट मेंटेनेंस एजेंसी के द्वारा 7 वर्ष तक किया जाएगा, लेकिन लाइट लगने के कुछ ही महीना बाद स्थिति यह हो गई कि पूरे बक्सर नगर की लाइट बनाने के लिए एक मिस्त्री का व्यवस्था एजेंसी के द्वारा किया गया। वहीं एक मिस्त्री वार्डों में घूम-घूम कर लाइट बनाता है। जिसके कारण नगर परिषद की लाईट व्यवस्था उक्त एजेंसी के मनमानी का शिकार हो गया है। एजेंसी के इच्छानुसार महिनों बाद पार्षदों के शिकायतों पर ध्यान दिया जाता है।

पार्षदों ने बताया कि इस विषय को लेकर कार्यपालक पदाधिकारी से बार-बार शिकायत के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आलम यह है कि उक्त समस्या पर चर्चा के लिए कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा पत्राचार कर बोर्ड की बैठक में चर्चा करने के लिए कई बार बुलाया गया, लेकिन एजेंसी का कोई भी प्रतिनिधि बैठक में शामिल भी नहीं हुआ। एग्रीमेंट में यह प्रावधान है कि एजेंसी आवश्यकता अनुसार लाइट मरम्मत टीम रखेगी। जबकि सच्चाई यह है कि एक मिस्त्री लाइट बनाता है जिसके कारण नगर के 42 वार्डों में लाइट को ठीक करने में काफी समय लग जाता है। वर्तमान में नगर की ज्यादातर लाइटें खराब है। जिसके कारण नगर में रात को अंधेरा पसरा रहता है। ऐसे में सभी वार्ड पार्षदों ने बिहार सरकार के मंत्री नगर विकास से मांग किया की ईईएसएल कंपनी के कार्य हीनता को देखते हुए उनके भुगतान पर रोक लगाये एवं स्थानीय स्तर पर लाइट मेंटेनेंस करने का निर्देश दें। इसके साथ ही जिन क्षेत्रों में लाइट नहीं लगा है उसे क्षेत्र में लाइट लगाने की अनुमति नगर परिषद को दे। वर्ष 2021 में नगर परिषद क्षेत्र में पंचायत के क्षेत्र को जोड़ कर चुनाव कराया गया, लेकिन सरकार से नगर परिषद के उन क्षेत्रों में लाइट नहीं लगने के कारण नए क्षेत्र के वार्ड पार्षदों को जनता का कोप भाजन होना पड़ रहा है। ऐसे में उन्होंने सरकार से मांग किया कि आने वाले पर्व दशहरा, दीपावली और छठ को देखते हुए सभी क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार लाइट लगवाया जाए। वहीं पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान पार्षदों ने सरकार एवं एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उक्त कार्यक्रम में चेयरमैन प्रतिनिधि नेयमतुल्ला फरिदी, वार्ड पार्षद इंद्र प्रताप सिंह, दीपक सिंह, राहुल यादव, अजय कुमार, हिटलर कुशवाहा, झबु राय, चंदन पाठक, गुड्डू कुमार, दिनेश पासवान, दिलीप कुमार, मनोज कुमार, संतोष उपाध्याय, रमेश गुप्ता, शाहबाज अख्तर, सिड्डु मियां, कमलेश पाल, राहुल सिंह, राजू ठाकुर, मधु यादव, टप्पू राय, राजन ठाकुर, गणेश यादव, विनोद प्रसाद, श्याम प्रकाश सिंह, जय तिवारी, हैदर अली समेत अन्य सभी पार्षद व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक नजर

सड़क दुघर्टना में बाइक सवार एक किशोर की मौत

नावानगर। एनएच-319 पर सोनवर्षा थाना के पीपराढ गांव के पास छेरा नदी पुल पर सड़क दुघर्टना होने का मामला प्रकाश में आया है। जिससे एक बाइक सवार किशोर की मौत हो गई है। वही दूसरा किशोर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसका इलाज आरा के निजी अस्पताल में चल रही है। इधर मृतक की पहचान मौडिहां गांव निवासी नसीम अंसारी के 17 वर्षीय पुत्र शोएब अंसारी के रूप में की गई है। वही जख्मी युवक सलसला गांव का निवासी सोनू कुमार बताया जाता है। घटना बुधवार की है। बताया जाता है कि मृतक अपने दोस्त सोनू के साथ बाइक पर सवार होकर निजी कार्य के लिए सासाराम जा रहा था। तभी छेरा नदी पुल के पास अचानक एक कुत्ता बाइक के सामने आ धमका। जिससे मृतक बाइक चालक अपना संतुलन खो दिया और सड़क पर पलट गया। दुर्घटना के बाद दोनों बाइक सवार गंभीर रुप से जख्मी हो गए। दोनों जख्मी को स्थानीय लोगों ने प्राथमिक उपचार कराया। साथ ही इसकी सूचना परिजनों को दिया। बाद में परिजनों ने इलाज के लिए आरा ले गए। जहां रास्ते में जख्मी नसीम अंसारी की मौत हो गई। इस संबंध में सोनवर्षा थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि बाइक के आगे कुत्ता आ जाने से बाइक सवार का संतुलन बिगड़ गया। संतुलन बिगड़ते ही बाइक सवार सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इलाज के लिए आरा जाने के क्रम में एक बाइक सवार की मौत हो गई। दूसरे का अभी इलाजरत है। मृतक के परिजनों द्वारा शव को दफना दिया गया है। वहीं दूसरी ओर इसकी जानकारी मिलने पर डुमरांव विधायक डॉ अजीत कुमार कुशवाहा मौके पर पहुंचे। परिजनों को संत्वाना दी। उन्होंने कहा कि तत्काल पीड़ित परिजनों को सरकार की ओर मिलने वाली मुआवजा की राशि दिलायी जाएगी। इसके लिए उन्होंने अंचलाकिरी से बात भी किया।

आरपीएल से युवा सीखेंगे कृषि की नई तकनीक : डीएओ

केटी न्यूज/बक्सर

सदर प्रखंड स्थित ई किसान भवन में कृषि प्रोद्यौगिकी प्रबंध अभिकरण बक्सर के देख-रेख में आरपीएल प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन आत्मा की उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी, सहायक निदेशक, उद्यान किरण भारती व बीएओ राजेश कुमार ने किया। वही संचालन आत्मा के प्रखंड तकनिकी प्रबंधक विकास कुमार राय एवं त्रिपुरारी शरण सिन्हा ने की। जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर ने बताया कि जिले के किसान अथवा ग्रामीण युवक एवं युवतियों जो कृषि एवं कृषि से संबंध क्षेत्रों में आवश्यक कौशल ज्ञान रखते हैं फिर भी मूल्यांकन एवं प्रमाणन के अभाव में उन्हें अकुशल क्षमता जाता है। वैसे युवक व युवतियों हेतु आत्मा, बक्सर द्वारा सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। युवक व युवतियों एवं कृषक हेतु आरपीएल का प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशलता का प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा, ताकि संबंधित व्यक्ति अपने क्षेत्र में कुशलतापूर्वक कार्य कर सके। कार्यक्रम का समन्वय रघुकुल तिलक एवं चन्दन कुमार सिंह ने किया। आत्मा की उप परियोजना निदेशक सह नोडल पदाधिकारी, बी एसडीएम बेबी कुमारी ने बताया कि आरपीएल का पूरा नाम रिकोगनेशन ऑफ प्रियर लर्निंग है, जिसको हिन्दी में पहले की सीख की मान्यता कहा जाता है। इस प्रशिक्षण की अवधि 60 घंटे निर्धारित की गई है। इस अवधि में एक सप्ताह का प्रशिक्षण आयोजित कर कृषक एवं बेरोजगार युवक व युवतियों को कुशलता का प्रमाण-पत्र दिया जाता है। आत्मा द्वारा कौशल विकास योजना अंतर्गत आरपीएल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें एक बैच में अधिकतम 30 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देने की योजना है। इस प्रशिक्षण के लिए आवेदक की उम्र न्यूनतम 18 वर्ष होना चाहिए। आवेदक की शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम इंटर पास हो तथा उसके पास आधार कार्ड व पैन कार्ड हो। आत्मा के उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी ने बताया कि उक्त बैच की प्रशिक्षण अवधी साठ घंटे की है। इस प्रशिक्षण के समाप्त होने के बाद पुनः इस प्रशिक्षण का आयोजन किया जायेगा। इच्छुक आवेदक आत्मा कार्यालय, बक्सर अथवा संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

बक्सर जिले के 2.65 लाख बच्चों को दी जाएगी पोलियो की खुराक, प्रतिदिन अभियान की होगी समीक्षा

22 से जिले में शुरू होगा पांच दिवसीय पल्स पोलियो अभियान

♦ एक से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए 748 टीम का गठन

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से बचाने के लिए रविवार यानी 22 सितंबर से पांच दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। जिसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस क्रम में प्रखंडवार लक्ष्य का वितरण किया जा चुका है। साथ ही, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत फ्रंटलाइन वर्कर्स को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। ताकि, अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। इसके लिए जिला स्वास्थ्य समिति के वरीय पदाधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए जिलेवासियों से भी अपील की। इस क्रम में गुरुवार को सदर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आशा कार्यकताओं का उन्मुखीकरण किया गया। जिसमें जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह ने कहा कि पोलियो भारत से खत्म हुआ है, दुनिया से नहीं। इसलिए जरूरी है कि जब तक दुनिया से पोलियो खत्म नहीं हो जाता अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंद समय-समय पर सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश के आलोक में पिलायी जाती रहे। उन्होंने बताया पोलियो विषाणु से फैलने वाला एक संक्रामक रोग है। जो आम तौर पर एक से दूसरे को संक्रमित विष्ठा या खाने के माध्यम से फैलता है। इस रोग में बच्चों के पैर काफी कमजोर पड़ जाते हैं जिससे बच्चा चलने-फिरने से लाचार हो जाता है। इस बीमारी से बचाने के लिए शून्य ये पांच साल तक के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलानी जरूरी है।

बचाव ही एक मात्र उपाय

डॉ. विनोद प्रताप सिंह ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान के तहत शून्य से पांच वर्ष तक के लगभग 2.65 लाख बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए कुल 748 टीम गठित की गई है। जिसमें हाउस टू हाउस अभियान के लिए 623 टीम, 112 ट्रांजिट टीम व 13 मोबाइल टीम हैं। वहीं, अभियान की निगरानी के लिए 227 सुपरवाइजर प्रतिनियुक्त किए गए हैं। पांच दिवसीय अभियान की प्रतिदिन की रिपोर्ट शाम पांच बजे तक सौंपनी है। ताकि, प्रतिदिन अभियान की समीक्षा की जा सके। उन्होंने बताया कि बुखार से पीड़ित बच्चों के माता-पिता उसके ठीक होने के बाद पोलियो की खुराक दिला सकते हैं। उसके अलावा सर्दी खांसी या दस्त है तो भी उसे अवश्य यह दवाई पिलाएं।

सहजानंद महाविद्यालय में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह व संगोष्ठी संपन्न

केटी न्यूज/ गाजीपुर

- शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता : प्रो. श्रीकांत पांडेय
- अच्छे शिक्षक को अच्छा विद्यार्थी भी होना चाहिए : प्रो. अमरनाथ राय

नगर स्थित स्वामी सहजानन्द महाविद्यालय में गुरुवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारी के सम्मान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में महाविद्यालय के पूर्व-प्राचार्य मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. रामनगीना यादव, अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अजय राय एवं कर्मचारी बाँके राम को महाविद्यालय के प्राचार्य व प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रमाकांत राय शर्मा ने अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

प्रो. विलोक सिंह सहित महाविद्यालय परिवार ने सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारी की सेवानिष्ठा व समर्पण को याद किया तथा उनके सुखद भविष्य की कामना की। इस अवसर पर 'डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का व्यक्तित्व और कृतित्व' विषयक एक संगोष्ठी भी सम्पन्न हुई, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों से आये कई विद्वान वक्ताओं ने भारत के द्वितीय राष्ट्रपति, दार्शनिक एवं शिक्षाविद डॉ. राधाकृष्णन के जीवन-दर्शन और व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। पीजी कालेज के हिंदी

विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार दुबे ने कहा कि हम राधाकृष्णन तो नहीं बन सकते किन्तु उनके दिखाए मार्ग पर चलकर राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी सार्थक भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं। प्रो. अमरनाथ तिवारी ने कहा कि शिक्षक वह नहीं है जो स्वयं को शिक्षक समझे। अपने को शिष्य समझकर निरन्तर सीखते रहने वाला ही अच्छा शिक्षक कहे जाने योग्य है। पीजी कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. अशोक सिंह ने कहा कि शिक्षक का मूल्यांकन समाज करता है। वह समाज में अपनी गरिमा को तभी बरकरार रख सकेगा जब वह शिक्षक-धर्म का पालन पूरी निष्ठा से करे।

प्रो. युधिष्ठिर तिवारी ने बताया कि मूल्याधारित शिक्षा द्वारा ही समाज को राधाकृष्णन जैसा असाधारण व्यक्तित्व मिल सकता है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पूर्व महामंत्री प्रो. बद्रीनाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को स्वयं ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना चाहिए जो छात्रों के लिए अनुकरणीय हो।

संगोष्ठी में महाविद्यालय के डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. निवेदिता सिंह, डॉ. राजेश गुप्ता ने राधाकृष्णन जी के विराट व्यक्तित्त्व, शिक्षकत्व, मननशीलता, वैदुष्य और प्रासंगिकता पर अपने उद्गार व्यक्त किये। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री रमाकांत राय शर्मा ने कहा कि राधाकृष्णन जी हमारे आदर्श हैं। उन्होंने शिक्षक के गौरव को बहुत उच्च सोपान तक पहुँचाया था। विभिन्न उच्च पदों पर रहते हुए भी उन्होंने स्वयं को शिक्षक कहने में गौरव की अनुभूति की। इससे पूर्व सम्मान समारोह के सहभागियों का स्वागत प्राचार्य प्रो. वीके राय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी संयोजक पूविवि कला संकाय डीन प्रो. ए एन राय ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी, रामधारी राम, संजय राय, वीके ओझा, श्याम नारायण राय, अवधेश पांडेय, सतीश पांडेय, सतीश राय, नितिन राय, सन्ने सिंह, अजय सिंह, कुशल पाल नित्यानंद राय कंचन सिंह, विभा राय, अभय नारायण, महेंद्र, मोहन पाल आदि शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. प्रमोद कुमार अनंग ने किया।

एक नजर

गिट्टी लदा ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में पलटा, चालक गंभीर रूप से घायल

बलिया। बांसडीह-बलिया मार्ग पर शिवरामपुर गांव के पास गुरूवार की भोर में गिट्टी लदी ट्रक सड़क किनारे पलट गई। ग्रामीणों व पुलिस की तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गंभीर रूप से घायल ड्राइवर को ट्रक से निकाला गया। इसके बाद जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत नाजुक देख चिकित्सक ने उसे वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार सोनभद्र जनपद के रावर्टसगंज निवासी 40 वर्षीय इंद्रेश पाल सोनभद्र से गिट्टी लेकर बांसडीह कस्बे में जा रहा था। बांसडीह चौराहे से दो किलोमीटर पहले ही ट्रक अचानक गड्ढे में पलट गया। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दिया, पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से ट्रक के केबिन में फंसे ड्राइवर को गैस कटर से काटकर बाहर निकाला और जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर अवस्था में वाराणसी रेफर कर दिया गया। कोतवाल संजय सिंह ने बताया कि ड्राइवर को सिर व पैर में गंभीर चोट लगा है। घटना की जांच किया जा रहा है।

रोटरी क्लब प्राइड ने मनाया शिक्षक दिवस

मऊ। महान शिक्षाविद, आदर्श शिक्षक, पूर्व राष्ट्रपति, ह्यभारत रत्नह्ण डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर रोटरैक्ट क्लब प्राइड मऊ ने शिक्षक दिवस बहुत ही हर्षोल्लास के साथ पी० एम० श्री कम्पोजिट विद्यालय सुल्तानीपुर मऊ में बच्चों और शिक्षकों के साथ मनाया। शिक्षकों को सम्मान स्वरूप डायरी और पेन की छोटी सी भेट दी गई और बच्चों को उनके जीवन में शिक्षक और शिक्षा के महत्वपूर्ण योगदान से अवगत कराया गया।अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय पल थे। अध्यक्ष आकाश जायसवाल, सचिव सूर्यांशु सर्राफ रोटरेक्टर रचित अग्रवाल रोटरेक्टर अभय गुप्ता इत्यादि उपस्थित रहे।

सड़क पर गिट्टी डालकर छोड़ने से ग्रामीण परेशान

रेवतीपुर/गाजीपुर। विरनो ब्लाक क्षेत्र के ग्रामसभा भड़सर के लीलापुर - जयरामपुर मार्ग फोरलेन सड़क में मिलती है। अधूरे सड़क पर ग्राम प्रधान की अगुआई में खड़ा होकर आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन को आइना दिखाया। करीब छह वर्ष पूर्व पीडब्ल्यूडी का ठेकेदार सड़क पर गिट्टी डालकर फरार हो गया। इससे लगभग एक किमी लिंक रोड पर गिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है। इससे प्रतिदिन आने जाने वाले सैकड़ों ग्रामीणों व स्कूली छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन छात्र व ग्रामीण घायल होते रहते हैं। बताते चलें कि पूर्व में जिलाधिकारी महोदय व पी डब्लू डी के अधिशासी अभियंता प्रांतीय खण्ड प्रथम लोक निर्माण विभाग गाजीपुर को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया था। लेकिन आज तक सड़क पर गिट्टी ज्यों की त्यों पड़ी हुई है. जिसकी सुधि आज तक किसी ने नहीं ली। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि अगर सड़क का अधूरा कार्य एक सप्ताह के अंदर पूरा नहीं कराया गया तो आक्रोशित ग्रामीण बाध्य होकर सरयू पांडेय पार्क गाजीपुर में अनिश्चित काल अनशन पर बैठने को बाध्य होगी। जिसकी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। इस मौके पर सीता प्रसाद. नंदलाल. राजेंद्र कुमार. प्रकाश राम. सतेन्द्र कुमार. जीता राम. बबलू. मिथिलेश. सूरज. रामबचन. बशिष्ठ राजभर. अमित कुमार. बाबू लाल. बिहारी राम. चंद्रदेव राम सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

निलंबन वापस नहीं हुआ तो करेंगे कार्य बहिष्कार

गाजीपुर। मनिहारी विकास खंड के ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम पंचायत अधिकारी समन्वय समिति की बैठक बृहस्पतिवार को विकास खंड के सभागार में हुई। इसमें डीएम आर्यका अखौरी द्वारा निलंबित किए गए ग्राम पंचायत सोनियापार के सचिव धर्मेंद्र कुमार को लेकर चर्चा हुई। साथ ही जिलाधिकारी को संबोधित पत्रक बीडीओ अरविंद कुमार यादव की अनुपस्थिति में एडीओ एजी मिथिलेश कुमार को सौंपा गया। चेतावनी दी गई की सचिव का निलंबन वापस नहीं हुआ तो जनपद स्तर पर एवं विकास खंडो में तालाबंदी करके बहिष्कार किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। वर्ष 2016-17 में सैदपुर विकास खंड क्षेत्र के सोनियापार गांव में एक लाभार्थी का प्रधानमंत्री आवास का निर्माण हुआ था। पंचायत सचिवों का आरोप है कि जिस समय वहां पर प्रधानमंत्री आवास का निर्माण हुआ था, उस दौरान सचिव कोई और था वर्ष 2021 में सचिव के रूप में धर्मेंद्र कुमार ने ग्राम पंचायत का कार्यभार संभाला। उक्त आवास में शराब की दुकान चलने के मामले में जिलाधिकारी की ओर से बीते दिनों सचिव धर्मेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया गया। इससे जनपद के सभी पंचायत सचिवों में रोष व्याप्त है। आवास का लाभार्थी, आबकारी विभाग सहित अन्य दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए तथा धर्मेंद्र कुमार का निलंबन तत्काल वापस किया जाए। अन्यथा की स्थिति में इस कृत्य से आहत समस्त सचिव संवर्ग कार्य करने में अक्षम रहेंगे। इस मौके पर मुकेश कुमार प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश ग्राम विकास अधिकारी संघ, मुकेश सिंह, सुनील सिंह, श्रवण कुमार, प्रमोद कुमार, रवि प्रकाश उपाध्याय, कृपेश कुमार, मनीष कुमार भारद्वाज, शैलेंद्र कुमार यादव, योगेश कुमार यादव, सिकंदर राजभर, प्रमोद कुमार ग्राम विकास अधिकारी, संतोष कुमार, जितेंद्र कुमार सिंह, रामसागर यादव ग्राम विकास अधिकारी आदि लोग उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

प्रशिक्षण संस्थानों में अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रारंभ

गाजीपुर। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के राज कुमार ने बताया है कि राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश पर जनपद के राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में तृतीय चरण सूची में चयनित अभ्यर्थियों का प्रवेश गुरुवार से प्रारंभ हो चुका है। इसकी अन्तिम तिथि 09 सितंबर 2024 अवकाश सहित प्रवेश की तिथि निर्धारित कर दी गई है। तृतीय चरण के अंतर्गत चयनित अभ्यार्थी परिषद की वेबसाइट पर www.scvtup.in पर बने लिंक पर प्रवेश 2024 का आवंटन परिणाम पर क्लिक करके अभ्यर्थी का पंजीकरण एवं जन्मतिथि अंकित कर प्राप्त कर सकते है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना प्रवेश 09 सितंबर तक ले सकते हैं।

मझवारा बाजार में मिलावट के संदेह पर छापेमारी

मऊ। मिलावट की लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उपजिलाधिकारी घोसी आनन्द कनौजिया एवं सहायक आयुक्त सुरेश कुमार मिश्र के निर्देशन मे खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम तहसील क्षेत्र घोसी के मझवारा बाजार में मिलावट के संदेह पर औचक छापेमारी करते हुये विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 06 नमूनें संग्रहित करते हुये खाद्य विश्लेषक की प्रयोगशाला से जांच कराने हेतु संग्रहित किये गये। मझवारा स्थित प्रतिष्ठान आर्यन जनरल स्टोर से साबूत हल्दी एवं बेसन का नमूना संग्रहित किये गये उक्त नमूनों को वास्ते जांच राजकीय जन विश्लेषक प्रयोगशाला को प्रेषित कर दिया गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त मिलावट पाये जाने पर सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरूद्ध, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत सुसंगत धाराओं में विधिक कार्यवाही की जायेगी। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार राना व श्रीमती रीता,

अधिकारियों को कराया गया निर्वाचन आयोग के निर्देशों से अवगत, बोले अपर जिलाधिकारी

1500 मतदाताओं के आधार पर कराया जाएगा मतदेय स्थलों का संभाजन

- मतदेय स्थलों के संभाजन एवं विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर कलेक्ट्रेट में बैठक आयोजित

केटी न्यूज/गाजीपुर

अपर जिलाधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदेय स्थलों के संभाजन एवं विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिसमें कहा कि पूर्व में स्थापित मतदान स्थलों का भवन जर्जर व ध्वस्त होने के कारण संभाजन कार्य होना है। यदि किसी भी जनप्रतिनिधि, राजनैतिक दल के पदाधिकारियों को कोई आपत्ति, सुझाव हो तो दे दें। आपत्ति, सुझाव पर भौतिक सत्यापन कराकर अंतिम

निर्णय लिया जाएगा।

बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि एक जनवरी 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण आयोग द्वारा मतदेय स्थलों का संभाजन अधिकतम 1500 मतदाताओं के आधार पर कराया जाना है।

बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि भौतिक सत्यापन 20 से 27 अगस्त 2024 के पश्चात 07 ऐसे भवन हैं, जो उपयुक्त नहीं पाया गया है। जिसे समस्त राजनैतिक दलों को अवगत कराया गया। मतदेय स्थलों का सम्भाजन, मतदेय स्थल भवन व उससे संबद्ध किए जाने वाले निर्वाचक नामावली के सुसंगत भाग के शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन के बाद किया जाएगा।

नए आवासीय कॉलोनियों में भी बनाए जाएं मतदेय स्थल

अपर जिलाधिकारी ने कहा मतदेय स्थलों को रनिंग नंबर दिए जाएंगे, कोई भी सहायक मतदेय स्थल नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि सम्भाजन की कार्रवाई के दौरान राजनैतिक दलों से प्राप्त सभी प्रत्यावेदनों की सूची तैयार की जाए तथा यह भी उल्लेख किया जाए कि प्रस्ताव स्वीकृत किया गया या नहीं। दोनों दशा में स्वमुखरित आदेश के द्वारा प्राप्त प्रत्यावेदनों का निस्तारण सुनिश्चित कराए जाने की अपेक्षा की गई है तथा ऐसे निर्णय की प्रति राजनैतिक दलों को भी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में जहां नई आवासीय कॉलोनियां गत कुछ वर्षों में बनी है और उसमें नागरिक निवास करने लगे हैं तो वहां पर यथा आवश्यकता नया पोलिंग स्टेशन बनाया जाए।

राजनैतिक दलों के ऑफिस के 200 मीटर की परिधि में नहीं बनेंगे बूथ

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि पोलिंग स्टेशन की दूरी दो किलोमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ऐसे मतदेय स्थल जो उपयुक्त भवन न उपलब्ध होने के कारण मतदान क्षेत्र से बाहर स्थित है और अब मतदान क्षेत्र के अंतर्गत उपयुक्त भवन उपलब्ध हो गया है तो ऐसे मतदेय स्थलों को मतदान क्षेत्र के अंतर्गत स्थित भवन में शिफ्ट कर दिया जाए। सभी मतदेय स्थल यथासंभव भूतल पर होना चाहिए। दिव्यांगजनों एवं अशक्त मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक मतदेय स्थल पर रैंप की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने की अपेक्षा की गई है। किसी भी राजनैतिक दल या लेबर यूनियन कार्यालय से 200 मीटर के अंदर कोई भी मतदेय स्थल न बनाया जाए।

बलिया के सलेमपुर में लाखों की चोरी, दो के खिलाफ तहरीर

केटी न्यूज/ बलिया

- पुलिस व फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का किया निरीक्षण

नरही थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में बुधवार की रात चोरों ने लाखों की चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को दो चोरों के विरुद्ध नामजद तहरीर दिया, लेकिन पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। उधर, मौके पर फारेंसिक टीम पहुंच जांच किया। पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

नरही थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी स्व. कृष्णानंद सिंह के घर रात में चोर घुसे, तभी घर के अंदर सो रही महिलाओं की नींद हलचल की आवाज सुनकर खुल गई। देखा तो घर के अंदर कई लोग मौजूद थे। आनन फानन में महिलाओं ने शोर मचाना शुरू किया और एक चोर को पकड़ लिया। जिसे खड़ा एक दूसरा चोर छुड़ा कर वहां से भाग निकला। घर की महिलाओं ने बताया कि हम लोगों ने उन दो चोरों को पहचान भी लिया है जो हम लोगों के ही गाँव के है। इतना ही नहीं महिलाओं ने यह भी बताया कि उन चोरों के साथ में और भी कई लोग थे। जब हम लोगों ने शोर मचाना शुरू किया तो यह सभी लोग वहां से घर से भाग गए। घर वालों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

सादगीपूर्वक मनाया गया बिहार लेनिन बाबू का शहादत दिवस

- एक दूसरे की टांग खींचने के बजाय सहयोग करने में ध्यान दें: मंजू कुशवाहा
- 85 प्रतिशत नहीं, हम 85 जगह बंटे हुए हैं, एक होने की जरूरत: प्रेम वर्मा

केटी न्यूज/बलिया

बिहार लेनिन बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा की 50वीं शहादत दिवस गुरुवार को परिखरा स्थित कुशवाहा भवन में सादगीपूर्वक मनाई गई। इस दौरान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि दीनानाथ वर्मा, विशिष्ट अतिथि बलजीत कुशवाहा व बड़ेलाल मौर्य रहे। इस दौरान मुख्य अतिथि दीनानाथ वर्मा ने बताया कि बिहार लेनिन बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा के दिखाए गए मार्गों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वहीं आरटीआई कार्यकर्ता व समाजसेवी प्रेम वर्मा ने बताया कि हम सिर्फ नाम के 85 प्रतिशत है, असल में हम लोग 85 जगह बंटे हुए हैं। वरना उन 15 प्रतिशत वालों की हैसियत कहां जो हम पर राज करें।

इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी मंजू कुशवाहा ने बताया कि जिस समय संचार व्यवस्था न के बराबर थी, पेपर नहीं था, टेलीफोन नहीं था, फेसबुक नहीं था, यूट्युब नहीं था, उस समय बिहार लेनिन बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक को जगाने का काम किया था। आज हर सुविधा होने के बावजूद हम एक नहीं है। बल्कि एक दूसरे की टांग खींचने में लगे हुए हैं। लेकिन अब वक्त आ गया है कि हम एक मंच पर आए और अपना वाजिब हक लेकर दम लें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बड़ेलाल मौर्य ने बताया कि अब सिर्फ रोना रोने से नहीं होगा, हमको आपको सबको एक होना पड़ेगा, एक मंच पर आना पड़ेगा। तभी लक्ष्य की प्राप्ति होगी। इस मौके पर परमित, राजकुमार, राजेंद्र वर्मा, गुलाबचंद्र एडवोकेट, परशुराम मौर्य, अखिलेश वर्मा, बालजीत मौजूद रहे।

अनशनकारी की हालत बिगड़ने पर एसडीएम, सीओ के साथ पहुंचे चिकित्सक

रेलवे प्रशासन तक पहुंची आमरण अनशन की गूंज

- एडीआरएम से हुई वार्ता की जानकारी के लिए देर रात तक जमे रहे हजारों लोग

केटी न्यूज/बलिया

क्षेत्रीय संघर्ष समिति के बैनर तले जिले के फेफना जं. रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहे रेलवे आंदोलन को क्षेत्रवासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इसे क्षेत्र की जनता ने बुधवार को हजारों की संख्या में पहुंचकर साबित भी कर दिया। यही नहीं, फेफना एवं बलेजी के व्यापारियों ने रेलवे आंदोलन के समर्थन में पूर्ण रूप से अपनी दुकानें बंद करके यह दिखा दिया कि

उपरोक्त मांगों को लेकर हम डिगने वाले नहीं है।

विगत एक अगस्त से चल रहे धरना प्रदर्शन, क्रमिक अनशन के बाद अब आमरण अनशन की गूंज रेलवे प्रशासन तक पहुंच गई है। समिति के संयोजक जनार्दन सिंह का आमरण अनशन गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। अनशनकारी की हालत बिगड़ने पर एसडीएम सदर आत्रेय मिश्र, सीओ श्यामकांत, थानाध्यक्ष बृजमोहन सरोज के साथ डा. बाबूलाल मंडल एवं विपिन कुमार पहुंचे। चिकित्सक ने उनको अनशन स्थल पर पानी की बोतल चढ़ाया। वहीं, कुछ देर बाद एडीएम एवं एएसपी भी अनशन स्थल पर पहुंच गये।

जानकारी लेने को उत्सुक रहे लोग

बुधवार की देर रात तक एडीआरएम रोशन लाल यादव, सीनियर कामर्शियल मैनेजर रमेश कुमार पांडेय ने समिति के पदाधिकारियों से वार्ता किया, लेकिन परिणाम शुन्य निकला। हजारों की संख्या में जुटे क्षेत्रवासियों को उम्मीद थी कि एडीआरएम वार्ता के क्रम में खुशखबरी देंगे। इसके लिए हजारों लोग रात लगभग 8.30 बजे तक रेलवे स्टेशन प्रांगण में जमे रहे।

जनहित के मुद्दों पर जारी रहेगी लड़ाई: जनार्दन

क्षेत्रीय संघर्ष समिति के संयोजक जनार्दन सिंह ने कहा कि हम जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलनरत है। यह जनता की लड़ाई है। रेलवे आंदोलन को न सिर्फ क्षेत्र के 80-85 गांवों के लोगों, व्यापारियों, किसानों, मजदूरों, छात्र-नौजवानों का भरपूर समर्थन मिल रहा है, बल्कि विभिन्न राजनीतिक दलों एवं संगठनों का भी सहयोग मिल रहा है। हम बिना किसी ठोस परिणाम के हटने वाले नहीं है।

समाजवादी पार्टी कभी जाति-पाति की राजनीति नहीं करती: रमाशंकर

- पार्टी को मजबूत बनाने पर किया गया विचार विमर्श

केटी न्यूज/ बलिया

समाजवादी पार्टी बांसडीह विधानसभा की बैठक गुरूवार को कैम्प कार्यालय पर आयोजित की गई। जिसमें पार्टी को मजबूत बनाने पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सलेमपुर सांसद रमाशंकर राजभर ने कहा कि सपा कभी जाति-पाति की राजनीति नहीं करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार में तहसील, थाने खुलेआम बिक रहे हैं। आमलोगों की समस्या कोई समाधान नहीं हो रहा

है। बाढ़ से भोजपुरवा व टिकुलिया गांव का अस्तित्व समाप्त हो गया हैं। कटान पीड़ितों को कोई मुआवजा सरकार ने नहीं दिया।

पूर्व मंत्री रामगोविन्द चौधरी ने कहा कि हम लोग संघर्षों के साथी हैं। राजनीति में मयार्दा रहनी चाहिए। कहाकि हमारे लोगों को झूठे मुकदमे में फंसाया जा रहा है। वही सपा जिलाध्यक्ष व विधायक संग्राम सिंह यादव ने कहा कि हम लोग मदद करने वाले लोग हैं। चाहे फेफना में पत्रकार की हत्या हुई हो या शंकरपुर में रागिनी की हम लोग सबको मदद किया हैं।

कहा हम लोग जाति की राजनीति नहीं करते। इस मौके पर श्याम बहादुर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह,डा हरिमोहन सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि नीरज सिंह गुड्डू, उदय बहादुर सिंह,आशीष सिंह,लव कुमार सिंह,बिहारी पाण्डेय,उमेश मिश्र, बबन गिरी, उपेंद्र सिंह, अशोक यादव,सुजीत सिंह परिहार,सुनील मौर्य,बेद प्रकाश, श्यामबिहारी राजभर,बेदप्रकाश सिंह,शिवनारायण राय आदि थे।

नैमिषारण्य में गोमती नदी किनारे नए घाट का निर्माण कराने जा रही सरकार

केटी न्यूज/लखनऊ

♦ सीतापुर के अंतर्गत आने वाले नैमिष तीर्थ क्षेत्र में पर्यटकों की सुविधा के लिए एक नए घाट का जल्द ही होने जा रहा है निर्माण

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए संकल्पित योगी सरकार सीतापुर जिसे स्थित नैमिषारण्य धाम में पर्यटन विकास और गोमती नदी किनारे स्थित घाटों के सौंदर्यीकरण पर विशेष रूप से फोकस कर रही है। 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि में विख्यात नैमिष तीर्थ क्षेत्र वही पुण्य क्षेत्र है जहां महर्षि वेदव्यास द्वारा 4 वेद, 6 शास्त्र, 18 पुराण, श्रीमद्भगवद्गीता, महाभारत महाकाव्य और श्री सत्यनारायण व्रत कथा की रचना इसी की गई थी। नैमिषारण्य का धार्मिक महत्व कितना ज्यादा है इसका पता इसी बात से चलता है कि चार धाम की यात्रा भी नैमिषारण्य के दर्शन किए बिना अधूरी मानी जाती है। यही कारण है कि काशी, अयोध्या, मथुरा, वृन्दावन, ब्रज क्षेत्र तथा विंध्य तीर्थ क्षेत्र के विकास के साथ ही योगी सरकार अब नैमिषारण्य में भी कई परियोजनाओं को पूर्ण करने पर फोकस कर रही है। इसी क्रम में, नैमिषारण्य के विभिन्न घाटों के सौंदर्यीकरण व पर्यटन विकास की गतिविधियों को बढ़ाने के साथ ही अब गोमती नदी किनारे एक नए घाट का निर्माण भी कराने जा रही है। यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को इस कार्य का जिम्मा सौंपा गया है और माना जा रहा है कि वर्षा अवधि के अतिरिक्त 12 महीनों में इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

नए घाट का होगा निर्माण

सीएम योगी के विजन अनुसार प्रदेश के सभी तीर्थ क्षेत्रों के विकास को लेकर एक बड़ी कार्ययोजना का निर्माण किया गया था। इसी कार्ययोजना के अंतर्गत नैमिष तीर्थ क्षेत्र में नए घाट के निर्माण, पुराने घाटों के जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण व पर्यटन विकास के कार्यों को गति दी जाएगी। ऐसे में, परियोजना के अंतर्गत जिस नए घाट का निर्माण नैमिष तीर्थ क्षेत्र में होना निश्चित हुआ है वह राजघाट से दशाश्वमेध घाट के बीच स्थित होगा।

पक्के घाट का होगा निर्माण

परियोजना के अंतर्गत, राजघाट से दशाश्वमेध घाट के बीच निर्धारित क्षेत्र में गोमती नदी किनारे पक्के घाट का निर्माण कराया जाएगा और पर्यटन विकास की सुविधाओं से भी इसे युक्त किया जाएगा। इस कार्य को 4.27 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को इस कार्य को पूरा करने के लिए कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी के निर्धारण व कायार्वंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है और माना जा रहा है कि सितंबर माह में ही निर्माण कार्य शुरू हो सकता है।

एक नजर

कार्यकर्ता लोगों को भाजपा की नीतियों से अवगत करायें : पूर्व मंत्री

चंदौली। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान का जनपद व मंडल स्तर पर गुरुवार को शुभारंभ किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय जिला कार्यालय कार्यालय पहुँचे कार्यकताओं को एक साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराकर इसका औपचारिक शुभारम्भ किया। कहा कि सभी कार्यकर्ता मोबाइल फोन से सदस्यता के लिए दिए गए नंबर पर मिस्ड कॉल कराकर लोगों को पार्टी से जोड़कर सदस्यता दिलाएं। सदस्यता अभियान चलाकर सर्वसमाज के लोगों को पार्टी से जोड़े और नीतियों से अवगत कराएं । इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि प्रत्येक बूथ पर 200 लोगों को सदस्यता दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इस प्रकार जिले के 15 सौ बूथों के माध्यम से तीन लाख लोगों को पार्टी सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित है, इसी प्रकार प्रदेश में तीन करोड़ लोगों को भाजपा सदस्य बनाना है। उन्होंने कहा कि इस सदस्यता अभियान का आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में भी मजबूती प्रदान करेगा। सभी बूथों पर कार्यकताओं के माध्यम से हर बूथ पर सर्वसमाज के 200 लोगों को जोड़ने का काम किया जाएगा।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, कोहराम

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के छित्तों गांव के समीप बुधवार की रात किसी ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम को भेज आगे जुट गई। इसकी जानकारी के बाद परिजनों मैं कोहराम मच गया और रोते बिलखते बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। बताते हैं कि बिहार के वैशाली जिले के जहांगीरपुर निवासी विजय पासवान 35 वर्ष किसी ट्रेन से घर जा रहा था। किसी प्रकार ट्रेन से गिर गया और उसकी मौत हो गई। जानकारी के बाद जीआरपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम को भेज आगे की कार्रवाई में जुट गई। जीआरपी कांस्टेबल देवचंद ने बताया कि शव को परिजनों को सौंप दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिसको पुलिस ढूंढ रही थी गंगा में, वह मिला जिन्दा

चंदौली। बलुआ पुल से जान देने की नीयत से कूदा बुजुर्ग 65 वर्षीय उमाशंकर सिंह दो किलोमीटर दूर महुअर घाट पर रात करीब 12 बजे जिंदा मिला । जो तैरकर महुअर घाट पर पहुंच गया था। पुलिस द्वारा पूछने पर अनाप शनाप बकने पर पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। नाथुपुर के रहने वाले उमाशंकर सिंह पुत्र स्व0 उमराव सिंह वाराणसी में रहकर अपने पुत्र के साथ मसाला का धंधा करते हैं । क्षेत्र में माल सप्लाई कर बुधवार की शाम को अपने बाइक से वाराणसी जा रहे थे । बलुआ पुल पर बाइक खड़ी कर अपना चप्पल वही बाइक के पास छोड़ गंगा में छलांग लगा ली । ग्रामीणों ने बलुआ पुलिस को सूचना दिया । घटना की सूचना पर पहुँची पुलिस ने वहां से बाइक ,चप्पल,झोले में दो हजार रुपये बरामद किया । वही पास दारू का ढक्कन पाया गया। पुलिस द्वारा उमाशंकर को नाव से खोजने का प्रयास रात में किया गया। ये गंगा में कूदने के बाद तैरकर दो किलोमीटर दूर महुअर गांव में गंगा किनारे पहुच गये।

खबरें फटाफट

शॉर्ट सर्किट से विद्यालय में आग

चंदौली। शॉर्ट सर्किट हो जाने से आज चंदौली जनपद के नियमताबाद विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय परोरवां में अचानक शार्ट सर्किट से धुआं धुआं हो गया। जिससे विद्यालय के कार्यालय में आग लगी और कार्यालय में जरूरी सामग्री और अभिलेख जल गए' वहीं विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक राम इच्छा सिंह ने बताया कि अच्छा रहा कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ' बताते चलें सुबह विद्यालय में बच्चे पढ़ रहे थे और पास में ही कंप्यूटर पाल लैब है ।शॉर्ट सर्किट के बाद कार्यालय में तुरंत धुआं होने लगा और आग बढ़ने लगी जैसे ही प्रधानाध्यापक ने धुआं धुआं और आग की बढ़ती लपट पर तुरंत अपने सहयोगियों के साथ आग पर काबू पाया और बचे हुए कुछ सामानों को विद्यालय के कार्यालय से बाहर निकाला।

हमीद सेतु के स्पैन पर दरकने लगी कांक्रीट की ढलाई

रेवतीपुर/गाजीपुर। गंगा नदी पर स्थित हमीद सेतु के स्पैन पर वाहनों के दबाव के चलते गटर बाक्स के टाप फ्लोर पर किए गए कांक्रीट की ढलाई दरकने लगी है। इस कारण सेतु के उपरी सतह में जगह-जगह दर्जनों गड्ढा हो गया है,जो आए दिन हादसे का कारण बनता जा रहा है। यह राहगीरों?, वाहन चालकों के लिए दिन हो या रात मुसीबत का सबब बनता जा रहा है,अगर एनएचएआई के द्वारा इसी तरह उदासीनता बरती गई ,और इसकी अविलंब मरम्मत नहीं हुई तो भविष्य में इसके कारण कभी भी बडा हादसा होने से इन्कार नहीं किया जा सकता है। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि बावजूद सम्बन्धित महकमा उदासीन बना हुआ है। लोगों ने बताया कि यही नहीं अगर स्पैन की क्षतिग्रस्त उपरी सतह की मरम्मत नहीं हुई तो भविष्य में कब सेतु क्षतिग्रस्त होने पर जिला मुख्यालय से गंगापार के सैकड़ों गावों का सम्पर्क कभी भी टूट सकता है। लोगों ने बताया कि रात हो या दिन छोटे ,बडे वाहनों से आवागमन करते समय सेतु पर बने गड्ढे से होकर गुजरते समय वाहन अनियंय होकर पलटने से राहगीर आए दिन चोटहिल हो रहे हैं।

ऐसे गुरुजनों को सम्मान करने का दिन है जो सभी को समाज में ऊपर उठाने का कार्य करते हैं : डीएम

केटी न्यूज/जौनपुर

देश के पूर्व राष्ट्रपति व शिक्षाविद स्व. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस ले रूप में मनाया जाता।शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा लगातार अच्छे कार्य करने वाले कार्यरत शिक्षिकाओं और शिक्षकों को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित प्रेक्षागृह सभागार में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला अधिकारी रविंद्र कुमार मांदण्ड,मुख्य विकास अधिकारी साँईं तेजा सीलम, विधान परिषद सदस्य बृजेश कुमार सिंह प्रिंशू व महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह ने सभी को अंगवस्त्र व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि आज ऐसे गुरुजनों को सम्मान करने का दिन है, जो सभी को समाज में ऊपर उठाने का काम करते हैं।जो प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह है, जो हमारे जीवन में एक बड़ा लक्ष्य मार्ग हासिल करने का रास्ता बताते हैं। शुरू से गुरुजानो का सम्मान करने की परंपरा रही है। ऐसे ही गुरुजनों को आज उनके उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए सम्मानित किया जा रहा है।

इस मौके पर छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रसूत किया गया।इस अवसर पर प्रेक्षागृह में जिले के तमाम विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकायें मौजूद रहे।

चंदौली में शिक्षक सम्मान एवं उन्नयन संगोष्ठी में सम्मानित किये गये शिक्षक

केटी न्यूज/चंदौली

शिक्षक दिवस के अवसर पर बीआरसी सदर सभागार में बृहस्पतिवार को शिक्षक सम्मान एवं उन्नयन संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री प्रकाश सिंह, उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ जिला संयोजक आनंद सिंह व खंड शिक्षा अधिकारी गोपाल तिवारी ने किया। इस दौरान सदर ब्लॉक के सेवानिवृत्त शिक्षक राम अवतार यादव , संविलयन विद्यालय जसुरी एवं उमाशंकर पाल. पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुदाव में कार्यरत थे।

जिन्होंने अपने शैक्षणिक कर्तव्य और उत्तरदायित्व का निर्वहन बहुत ईमानदारी से निभाया और अपने विद्यालय के मान सम्मान को बढ़ाया है। इस शिक्षक उन्नयन संगोष्ठी कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले विद्यालय एवं उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त शिक्षकों को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया।भौतिक परिवेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले विद्यालय में प्राथमिक विद्यालय गौरी , कन्या वि.पड़या एवं प्रा.वि. दिघवट है। ब्लॉक में उच्चतम नामांकन के लिए पुरस्कृत विद्यालय पू.मा.वि. चंदौली एवं प्रा.वि. कोनिया है।क. वि.हथियानी को विद्याज्ञान में चयनित विद्यार्थी के लिए सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों से होती है शिक्षक की पहचान : कुलपति

केटी न्यूज/जौनपुर

♦ विश्वविद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षक अतिथि गृह में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की मूर्ति पर शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरुवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन चरित्र हम सबके लिए अनुकरणीय है। शिक्षक की पहचान उसके विद्यार्थियों से होती है, निरंतर विद्यार्थियों को दृष्टिगत रखते हुए कार्य करते रहे। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय राय समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर प्रोफेसर रवि प्रकाश एवं प्रोफेसर मनोज मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इसी क्रम में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में अध्यक्ष प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थियों का संबंध आजीवन होता है. शिक्षक सदैव विद्यार्थियों का हित चाहता है. जनसंचार विभाग में आयोजित समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र एवं डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मानस पांडेय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के प्रोफेसर अशोक कुमार मिश्र, दून विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एचसी पुरोहित, डॉ आशुतोष सिंह, डॉ अमित वत्स ने विचार व्यक्त किये।

133 संदिग्ध मामलों में से 13 मामलों में कुष्ठ रोग की हुई पुष्टि

मऊ। जनपद में 2 से 15 सितंबर 2024 तक संचालित सुन्न बहरी रोगी खोजी अभियान के तहत 4 सितंबर 2024 तक अर्थात तीन दिनों में ही सर्च टीमों द्वारा 78712 घरों के सदस्यों की जांच की जा चुकी है,जिसमे 66582 घर ऐसे हैं जिनमें सभी सदस्यों की जांच हुई है तथा 12130 घर ऐसे हैं जिसमें विभिन्न कारणों से कुछ सदस्यों की जांच नहीं हो पाई। कुल परीक्षित व्यक्तियों की संख्या 402758 है। जबकि ऐसे घर जिनमें सभी सदस्यों की जांच नहीं हो पाई है उनमें कुल परीक्षित व्यक्तियों की संख्या 38295 है। अभियान के तहत 4 सितम्बर तक 441087 लोगों की जांच की गई, जिनमें 133 मामले संदिग्ध पाए गए। संदिग्ध मामलों में से अब तक 13 मामलो में सुन्न बहरी रोग की पुष्टि हुई है।

जनपद में सुन्न बहरी को जड़ से समाप्त करने हेतु जिलाधिकारी ने समस्त जनपद वासियों से इस अभियान में सहयोग करने की भी अपील की थी तथा जनपद में सुन्न बहरी रोगी अभियान को सफल बनाने हेतु लगाई गई 2513 टीमों को भी जिलाधिकारी द्वारा सख्त निर्देश दिए गए थे कि इस अभियान के दौरान सभी लोगों की जांच की जाए।

निर्वाचन आयोग के निदेशों का कड़ाई से अनुपालन करने का डीएम का निर्देश

♦ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदेय स्थलों के संभाजन एवं विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में बैठक संपन्न

केटी न्यूज /मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदेय स्थलों के संभाजन एवं विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदेय स्थल बनाने हेतु भवनों का चयन पुनर्निर्धारण तथा भवनों का भौतिक सत्यापन अधिकतम 400 मतदाताओं के आधार पर कराए जाने हैं। भौतिक सत्यापन के दौरान इस बिंदु पर विशेष ध्यान दिया जाना है कि जिन मतदेय स्थलों पर 300 से कम मतदाता है उनका भौतिक सत्यापन एवं तार्किक विश्लेषण करते हुए इस बात की संभावना का परीक्षण भी कर लिया जाए कि क्या ऐसे मतदेय स्थलों को किसी अन्य मतदेय स्थलों के साथ समायोजित किया जा सकता है एवं तदनुसार आवश्यक कार्यवाही संपादित की जा सकती है। संभाजन की कार्यवाही के दौरान एक मतदान केंद्र पर दो से अधिक मतदेय स्थल स्थापित हो तो उनको यथासंभव 1400 मतदाता प्रति मतदेय स्थल के आधार पर समायोजित करने का प्रयास किया जायेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि ऐसे मतदेय स्थल जिस पर मतदाताओं की संख्या 300 से कम है उनका भौतिक सत्यापन एवं तार्किक विश्लेषण करते हुए मतदेय स्थल को किसी अन्य मतदेय स्थलों के साथ समायोजित किया जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में ही 300 से कम मतदाता वाले मतदेय स्थलों को बनाया जायेगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन मतदेय स्थलों के भवन पुराने व जर्जर है तथा जहां मतदाताओं को 2 किलोमीटर से अधिक दूरी चलने की आवश्यकता है ऐसे मतदेय स्थलों में परिवर्तन किया जाए। उन्होंने दिव्यांगजनों और आसक्त मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक मतदेय स्थल पर रैम्प की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने किसी भी राजनीतिक दल या मजदूर यूनियन के कार्यालय से 200 मीटर के अंदर कोई भी मतदेय स्थल न बनाने के निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने यदि कोई मतदेय स्थल निजी भवन में स्थापित है और वहां यदि शासकीय भवन उपलब्ध हो गए हैं तो उक्त मतदेय स्थलों को शासकीय भवनों में स्थानांतरित करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01.01.2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की फोटो युक्त निर्वाचन नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम घोषित किया गया है।

मत्स्य उत्पादकता में वृद्धि के लिए अनुदान दिया जाएगा

गाजीपुर। जनपद में पूर्ण रुप से महिला मत्स्य पालकों के लिए समर्पित राज्य सरकार की नवीन योजना सघन मत्स्य पालन के लिए एयरेशन सिस्टम की स्थापना प्रारंभ की गई है। उक्त योजनान्तर्गत तालाबों में सघन मत्स्य पालन करते हुए अधिकाधिक मत्स्य उत्पादन प्राप्त करने के लिए जल की गुणवत्ता, रोग और रोगजनकों, जलीय, वनस्पतियों तालाब में घुलित ऑक्सिजन के स्तर का प्रबन्ध करने, जल कृषि में सभी एरोबिक जलीय जीवों को जीवित रहने एवं तालाबों में निर्धारित मानक की स्थापना योजना प्रारम्भ की गई है। योजनान्तर्गत मत्स्य बीज हैचरी संचालित करने वाले हैचरी स्वामी, निजी क्षेत्र एव पट्टे पर आवंटित तालाब की महिला मत्स्य पालक जिनके तालाब की वर्तमान उत्पादकता कम से कम चार से पांच टन प्रति हेक्टेयर है। उसकी उत्पादकता में वृद्धि के लिए अनुदान दिया जाएगा। यह योजना पूर्णतः महिला मत्स्य पालकों के लिए संचालित की गई है। एयरेशन सिस्टम की स्थापना के लिए इच्छुक महिला आवेदकों द्वारा विभागीय पोर्टलें http://fisheries.up.gov.in पर 19 अगस्त 2024 तक खोला गया था।

स्व. बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा की 50 वीं पुण्यतिथि पर गोष्ठी आयोजित

बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए: मौर्य

केटी न्यूज/जौनपुर

ज़िला समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में ज़िला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में भारत लेनिन महान क्रांतिकारी नेता स्व. बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा की 50 वीं पुण्यतिथि पर गोष्ठी आयोजित कर उनके जीवन और विचारों पर चर्चा की गई। सर्वप्रथम उपस्थित सपाजनों ने बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

तत्पश्चात गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा जैसी शख़्शियतें विरले ही पैदा होती है जो अपने संघर्षों से इतिहास लिखने का काम करते हैं। जिलाध्यक्ष ने कहाकि बाबू जगदेव प्रसाद ने शोषितों वंचितों पीड़ितों पीडीए समाज के हक अधिकार की लड़ाई मजबूती से लड़ते हुए शहीद हो गए।

उन्होंने मैला ढोने की कुप्रथा सहित कई अन्य सामंती कुप्रथा को अपने संघर्ष से समाप्त कराया। आज उन्ही विचारधारा को पीडीए विचारधारा के तहत समाजवादी पार्टी और हमसबके नेता अखिलेश यादव जी आगे बढ़ा रहे है। बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा की विचारों पर ही चलकर हम 2027 की लड़ाई जितने में सफल होंगे। ऐसे महामानव को मैं अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। गोष्ठी को पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व ज़िला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, पूर्व मंत्री संगीता यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि आज हमे क्रांतिकारी नेता बाबू जगदेव सिंह प्रसाद कुशवाहा के आदर्शों पर चलकर आज की भाजपा की सामंती सरकार उनके विध्वंसक विचारों से लड़ना चाहिए।

गोष्ठी को वरिष्ठ नेता रुखसार अहमद, सयुस के प्रदेश महासचिव शैलेश यादव, जयहिंद यादव, राजन यादव, डा. जितेंद्र यादव, राजदेव पाल, श्यामबहादुर पाल, हीरालाल विश्वकर्मा, रमापति यादव, दीनानाथ सिंह, मालती निषाद, सुरेश यादव, राहुल त्रिपाठी, अशोक निषाद, वीरेंद्र यादव, सोचनराम विश्वकर्मा, नंदलाल यादव, रामू मौर्य एडवोकेट, बरसातू राम एडवोकेट, श्याम नारायण बिंद, हरिश्चंद्र प्रभाकर, मनोज कुमार मौर्य, अशोक यादव सहित अन्य सपाजनों ने संबोधित किया।

गोष्ठी में वरिष्ठ नेता लालचंद यादव लाले, डा.शबनम नाज, ज़िला सचिव गुलाब यादव रीठी, दिलीप प्रजापति, अशोक नायक, गुड्डू सोनकर, आनंद गुप्ता, देवा यादव, सुक्खू राम, अजय त्रिपाठी, अजय मौर्य, सैयद अबूजर, अरविंद यादव, शुभम यादव, धर्मेंद्र यादव, अमजद अंसारी सहित सैकड़ों नेता कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का 31वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

केटी न्यूज/मऊ

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का 31वां स्थापना दिवस धूम धाम से नगर के वैश्य अतिथि भवन में देर रात मनाया गया। इस अवसर पर समारोह में जनपद के विभिन्न अंचलों से आए हुए व्यापारियों का अभिनंदन वंदन तथा स्वागत करते हुए जिलाध्यक्ष डा. रामगोपाल गुप्त ने कहा कि व्यापारी के राजस्व से ही प्रदेश और देश में समृद्धि आती है व्यापारी ही राजस्व की रीढ़ होता है। डा. गुप्त ने कहा कि व्यापारी यदि सुरक्षित है तो पूरा देश सुरक्षित है।आज उत्तर प्रदेश की योगी सरकार देश के भाग्य विधाता व्यापारियों की सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर संगठन के जिला महामंत्री कन्हैया जायसवाल तथा उत्तरप्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल जनपद मऊ के जिलाध्यक्ष अजहर कमाल फैजी ने सभी व्यापारियों को स्थापना दिवस की बधाई तथा शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसान अन्नदाता है तो व्यापारी देश का भाग्य विधाता है। उन्होंने कहा कि आज व्यापारी गुंडा मवाली रंगदारी आदि के भय से मुक्त होकर स्वच्छंदता से व्यापार कर रहा है।समारोह के व्यापारियों का स्वागत माला पहना कर संगठन मंत्री सुभाष कन्नौजिया तथा मीडिया प्रभारी आनंद गुप्ता ने किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अशोक सिंह जिला महामंत्री महातम यादव ने नगर उपाध्यक्ष नीरज अग्निवेश गामा तथा हरिशंकर गुप्ता व हाजी अनवर अली को अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह देकर उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया।

सुभाषितम्

जो काम पड़ने पर सहायक होता है, वही मित्र है

- दीर्घनिकाय

भारत में कॉरपोरेट युद्ध चरम पर नहीं चलेगी दादागिरी

भारत के वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में कॉर्पोरेट घरानों के बीच संघर्ष तेज हो गया है। भारत में कुछ विशिष्ट उद्योगपतियों को सरकार और सेबी द्वारा पिछले कई वर्षों से विशेष लाभ दिया जा रहा था। यह स्थिति क्रोनी पूंजीवाद (राजनीतिक संबंधों और प्रभाव का उपयोग कर एकाधिकार बनाने) का बड़ा उदाहरण है। सरकार कुछ चुनिंदा व्यवसायिक घरानों को बढ़ावा देने के लिए विशेष नियम और कानून बनाकर समर्थन दे रही थी। भारत में नियामक संस्था सेबी द्वारा भी क्रोनी पूंजीवाद को बढ़ावा देने के लिए, अधिकारों का दुरुपयोग किए जाने का मामला सामने आया है। ताजा उदाहरण अडानी समूह के साथ जुड़े कई विवादित मामलों में देखा जा सकता है। इस व्यवस्था के कारण देश के अन्य बड़े कारोबारी घरानों के बीच मे पिछले कई वर्षों से असंतोष बना हुआ था। भारत के कुछ विशिष्ट उद्योगपतियों को छोड़कर अन्य उद्योगपतियों को समान अवसर नहीं मिल रहे थे। सरकार और सेबी की सरपरस्ती के कारण अन्य उद्योगपतियों में डर का वातावरण बनाया गया था। वहीं अडानी-अंबानी जैसे कुछ घरानों को आर्थिक रूप से सतत लाभान्वित किया जा रहा था। इससे भारत के व्यापार जगत में भारी असंतुलन पैदा हो गया है। सरकारी नीतियों और निर्णयों में पारदर्शिता का अभाव और पक्षपात के कारण अन्य उद्योगपति और कारोबारी समूह अंदर ही अंदर घुटन महसूस कर रहे हैं। कुछ उद्योगपतियों को ही सरकार और सेबी के नियमों के माध्यम से विशेष लाभ मिलने के कारण भारत के आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ा है। सेबी और अन्य सरकारी संस्थानों के खिलाफ पक्षपात को लेकर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। सत्ता के समीकरणों से जो आर्थिक असंतुलन पैदा हो रहा था, उसके खिलाफ अब सभी कारोबारी एकजुट होना शुरू हो गए हैं। जी टीवी के संस्थापक सुभाष चंद्र ने जिस तरह के आरोप सेबी प्रमुख पर लगाए हैं, उसके बाद तो कॉरपोरेट जगत का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। भारत का व्यापारिक वातावरण निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धात्मक बने। इसके लिए अब खुलकर भारतीय उद्योगपति सामने आ रहे हैं। इसके साथ ही सेबी के 500 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर गड़बड़ियाँ उजागर करने में लग गए हैं। कई माह पहले हिंडनवर्ग की जो रिपोर्ट आई थी। भारत सरकार और सेबी ने उसे शार्टसेलर बताकर आरोपों को झुठला दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने जो जांच करने के आदेश दिए थे। वह जाँच भी सेबी के द्वारा कराई जा रही थी। जिसका आज तक कोई निष्कर्ष नहीं निकला। इसके बाद अब जो तथ्य निकलकर सामने आ रहे हैं। उसके बाद भारतीय कॉरपोरेट जगत ने अपनी प्रतिक्रिया खुलकर देना शुरू कर दी है। सेबी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी वित्त मंत्रालय को जो पत्र लिखा है। उस पत्र के सार्वजनिक होने तथा माधवी बुच के खिलाफ जो दस्तावेजी सबूत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रवक्ता द्वारा सार्वजनिक किए गए हैं, उसके बाद इस तरह के घोटाले को दबाना संभव सरकार के लिए भी नहीं रहा। यह माना जा रहा है, कि सेबी प्रमुख माधवी बुच के पास इस्तीफा देने के अलावा अब अन्य कोई विकल्प नहीं है। यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो इसका असर वर्तमान केंद्र सरकार पर पड़ना तय है। सुप्रीम कोर्ट में भी यह मामला अभी लंबित है जिस तरह की परिस्थितियाँ बनने लगी हैं। उसके बाद अब यह मामला निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। जल्द ही इसके सार्थक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यो से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

अमेरिकी स्वपन का अंत निकट तो नहीं

- प्रहलाद सबनानी

अमेरिका विश्व के लगभग समस्त देशों पर अपनी चौधराहट सफलतापूर्वक लागू करता रहा है। पूरे विश्व में, एक तरह से लगभग समस्त क्षेत्रों में, विभिन्न प्रकार की नीतियों को प्रभावित करने में अमेरिका सफल रहा है एवं इस प्रकार अपनी प्रसारवादी नीतियों को भी लागू करता रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में अमेरिका की आंतरिक स्थिति, लगभग समस्त क्षेत्रों यथा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आदि, में लगातार बिगड़ती जा रही है। अमेरिका सहित विकसित देशों की, आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में, आंतरिक स्थिति को देखते हुए अब तो पश्चिमी सभ्यता पर ही प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में आर्थिक विपन्नता एवं परिवार तथा समाज के खंड खंड होने के बाद पश्चिमी सभ्यता को पतित सभ्यता कहा जाने लगा है और इसे अब अमेरिकी स्वपन के अंत की शुरूआत भी माना जाने लगा है। अमेरिका में तो राष्ट्रीय ऋण 35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था का आकार, सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर, लगभग 25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। इसका आश्य यह है कि आय की तुलना में ऋण अधिक ले लिया गया है। अमेरिकी वित्त व्यवस्था पर दबाव इतना अधिक बढ़ गया है कि अमेरिकी सरकार को अपने सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी बाजार से और अधिक ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है और इस उद्देश्य से प्रति वर्ष अमेरिकी संसद में स्वीकृति प्राप्त करने हेतु पहुंचना होता है। यह स्थिति है विश्व के सबसे अधिक शक्तिशाली देश अमेरिका की। वर्ष 1776 में जब पूंजीवाद के जनक कहे जाने वाले एडम स्मिथ ने अपनी कृति ह्द वेल्थ आफ नेशनसह्व नामक किताब जारी की थी उस समय पूंजीवाद अपने शैशावस्था में ही था। उनका महत्वपूर्ण मुख्य सिद्धांत था कि व्यवसायी, जो अपनी लाभप्रदता को अधिकतम करना चाहते हैं, वे अपने व्यवसाय को बहुत ही कुशलता के साथ चलाना चाहते हैं। इस तरह ये व्यवसायी न केवल अपने आप को धनाडय बनाएंगे बल्कि वह देश इन धनाडयों के संसाधनों को जोड़कर स्वयं भी एक धनी देश बन जाएगा। पूरी 19वीं शताब्दी एवं 20वीं शताब्दी में अमेरिका इसी सिद्धांत पर कार्य करता रहा है एवं अपने देश में धनाडयों की संख्या में अपार वृद्धि करता रहा है। इससे अमेरिकी नागरिकों में व्यक्तिवाद पनपा एवं वे परिवार एवं समाज के भले को भूलकर केवल अपने बारे में ही सोचने लगे एवं अपने व्यापार को पूरे विश्व में फैलाने लगे। इससे अमेरिका में गरीबों की संख्या में लगातार वृद्धि होती रही। अमेरिका की 1940 के दशक में पूरे विश्व के विनिर्माण क्षेत्र में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी हो गई थी, परंतु अब यह घटकर 17 प्रतिशत से भी कम हो गई है। कई उद्योगों के मामले में उत्पादन का जो एकाधिकार अमेरिका के पास होता था वह एकाधिकार अब अन्य देशों के पास चला गया है। अमेरिकी कम्पनियों ने कुशल कर्मचारियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से कर्मचारियों के स्वास्थ्य खर्चे की पूरी लागत स्वयं वहन करना प्रारम्भ किया था। अमेरिका में श्रम लागत भी बहुत अधिक बढ़ चुकी थी, अन्य देशों में श्रमिक, अमेरिकी श्रम लागत की तुलना में, आधी से भी कम राशि में ही काम करने को तैयार हो रहे थे। इस बीच अमेरिकी सरकार ने आय कर की दरें भी बढ़ाकर 35 प्रतिशत से अधिक कर दी थीं। जबकि अन्य देशों में आय कर की दरें 20/25 प्रतिशत थीं। इससे अमेरिका में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ने लगी। अतः धीरे धीरे अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होने लगीं। वर्ष 1979 में अमेरिका में 20 प्रतिशत श्रमिक विनिर्माण इकाईयों में कार्यरत थे अब यह संख्या घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। अमेरिका में 2 करोड़ कर्मचारी विनिर्माण इकाईयों में कार्य कर रहे थे जो घटकर 1 करोड़ 20 लाख हो गए हैं। अमेरिका में जब प्रथम राष्ट्रपति ने शपथ ली थी उस समय 10 श्रमिकों में से 9 श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत थे (छोटे कृषक) जबकि आज केवल 2 प्रतिशत श्रमिक ही कृषि क्षेत्र में कार्य करते हैं। इस प्रकार अमेरिका में रोजगार की दृष्टि से कृषि एवं उद्योग क्षेत्र में बहुत अधिक संकुचन हुआ है। 1950 के दशक से लेकर अमेरिका में स्टील उद्योग, कपड़ा उद्योग (वस्त्र, परिधान एवं टेक्सटाइल), उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग लगभग समाप्त से हो गए हैं। वाहन उद्योग के क्षेत्र की बड़ी बड़ी कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां चीन आदि देशों में स्थापित की हैं। साथ ही, जापान की कई कम्पनियों ने वाहन के क्षेत्र में अमेरिका में आकर अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना की है। इस प्रकार, कुल मिलाकर उक्त उद्योगों में अमेरिकी मूल के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर बहुत कम हो गए हैं अथवा बिलकुल ही समाप्त हो गए हैं। अमेरिका में उपयोग हो रहे स्मार्ट सेल फोन के 50 प्रतिशत से अधिक उपकरण आयात किए जा रहे हैं एवं इनका उत्पादन अमेरिका में नहीं हो रहा है। ब्यूरो आफ लेबर स्टेटिस्टिक्स - मासिक लेबर रिव्यू दिसम्बर 2016 के अनुसार, अमेरिका में प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर - वर्ष 1947 में 5.35 अमेरिकी डॉलर थी जो वर्ष 1973 में बढ़कर 9.26 अमेरिकी डॉलर हो गई। परंतु, उसके बाद से लगभग उसी स्तर पर बनी हुई है जो वर्ष 2015 में 9.07 अमेरिकी डॉलर थी। वर्ष 1947 से 1973 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 73 प्रतिशत से बढ़ी थी जबकि इसी दौरान उत्पादकता में 95 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वहीं वर्ष 1973 से 2015 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 3 प्रतिशत कम हुई है और उत्पादकता 109 प्रतिशत बढ़ी है। इस बीच रोजगार के नए अधिकतम अवसर उच्च मजदूरी वाले क्षेत्रों से घटकर कम मजदूरी वाले क्षेत्रों में बढ़े हैं। जैसे विनिर्माण इकाईयों के बंद होने से भारी संख्या में श्रमिक वर्ग को सेवा क्षेत्र में कम मजदूरी के रोजगार स्वीकार करने पड़े है। वर्ष 1979 के बाद से 40 प्रतिशत से अधिक रोजगार के अवसर विनिर्माण क्षेत्र में कम हुए हैं। साथ ही, तकनीकी विकास ने भी उत्पादकता तो बढ़ाई है परंतु मजदूरी की दरें नहीं बढ़ पाई हैं। अमेरिका में समय के साथ साथ विनिर्माण इकाईयां बंद होती गईं एवं उच्च तकनीकी, सूचना आधारित सेवा क्षेत्र में, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में, रोजगार के अधिक अवसर उभरते गए। अब तो बहिःस्त्रोतन (आउट्सॉर्सिंग) के चलते सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। अतः अमेरिका में आने वाले समय में विनिर्माण इकाईयों के साथ साथ सेवा क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है। उक्त कारणों के चलते अमेरिका में गरीबी की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गरीबी के चलते इस वर्ग के बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पाती है, यह वर्ग बहुत ही तंग हालत में रहता है एवं अंततः सामाजिक अपराधी गतिविधियों में संलग्न हो जाता है। इनके मकानों में बहुत कम सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। अमेरिका में गरीबी रेखा का निर्धारण अमेरिका के कृषि विभाग द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है। वर्ष 2015 में गरीबी आंकलन के लिए प्रत्येक चार व्यक्तियों के परिवार के लिए प्रतिवर्ष 24,300 अमेरिकी डॉलर की आय तय की गई थी। इससे कम आय वाले परिवार गरीबी रेखा के नीचे माने जाते हैं। आय की उक्त गणना के आधार पर अमेरिका में 13.5 प्रतिशत परिवार (4.31 करोड़ अमेरिकी नागरिक) गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे थे। गरीब वर्ग के नागरिकों के आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने के चलते अमेरिका में 22 लाख अमेरिकी गरीब नागरिक जेलों में बंद थे एवं 50 लाख गरीब नागरिक पैरोल अथवा परीक्षण पर थे एवं अन्य 10 लाख नागरिक जो जेलों से छूट गए थे, वे न तो पेरोल पर थे और न ही परीक्षण पर थे, परंतु वे कभी भी पुनः जेलों में भेजे जा सकते हैं।

भारतीय वैज्ञानिक मेघनाद साहा का संघर्ष

- डॉ अंकिता मिश्रा

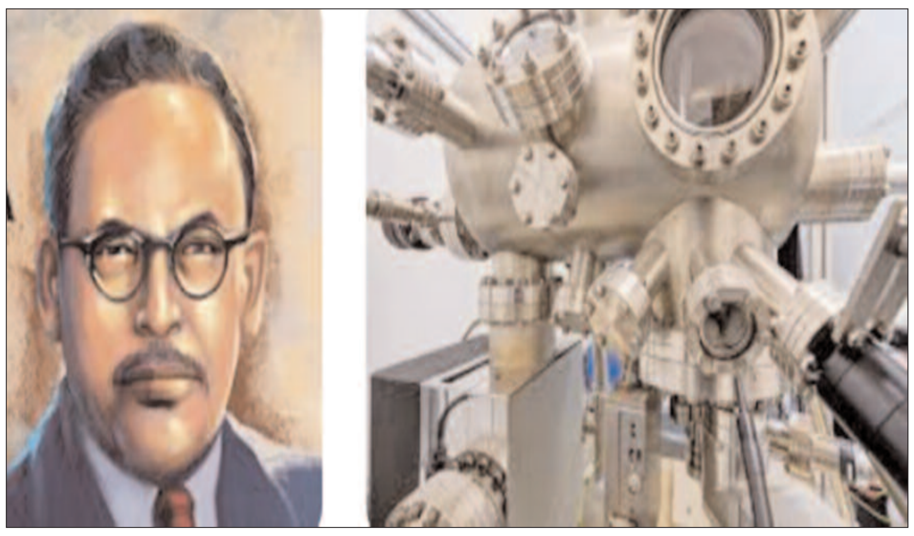

मेघनाद साहा ऐसे वैज्ञानिक थे जिनका बचपन बहुत ही गरीबी के कारण संघर्षपूर्ण रहा और वे अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर खगोल विज्ञान के एक महान वैज्ञानिक बने. उनका नाम के साहा समीकरण वैज्ञानिकों को तारों के वर्गीकरण में मददगार होती है. इसके अलावा उन्होंने भारत में बहुत से वैज्ञानिक संस्थानों के स्थापना करवाई और वे भारत के नदी परियोजनाओं के नियोजन में भी योगदान दिया था. मेघनाद साहा बचपन से पढ़ाई में बहुत होशियार थे और उन्होंने गरीबी के बावजूद पढ़ाई नहीं छोड़ी. उन्होंने देश में कई वैज्ञानिक संस्थानों की स्थापना में योगदान दिया था. उन्होंने देश में शिक्षा औद्योगिकरण, स्वास्थ्य सेवा आदि के नियोजन में योगदान दिया था. आधुनिक भारत के इतिहास में कई महान वैज्ञानिक हुए हैं जिन्होंने साधारण परिस्थितियों में ही बड़ी उपलब्धियां साहिल की हैं. उन्हें बचपन से ही परिवार की गरीबी के कारण पढ़ने में संघर्ष करना पड़ा था, लेकिन पढ़ाई में रुचि और मेहनत के दम पर वे आगे बढ़ते रहे और विज्ञान की दुनिया में अपना नाम कमाया. उन्होंने खुद को विज्ञान के अध्ययन तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि देश में विभिन्न विज्ञान संबंधी संस्थानों और सोसाइटी आदि की स्थापना की और देश में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, औद्योगिकरण और नदी घाटी परियोजनाओं के नियोजन कार्य में भी योगदान दिया. उनका जीवन देश के बच्चों और युवाओं के लिए एक प्रेरणा, एक मिसाल है. गरीब परिवार में जन्ममेघनाद साहा का जन्म 6 अक्टूबर 1893 को ब्रिटिश इंडिया की बंगाल प्रेसिंडेंसी के ढाका जिले के शिओरतोली गांव में हुआ था जो आज के बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के कालियाकैर उपजिला में पड़ता है. उनके पिता जगन्नाथ साहा पंसारी की दुकान चलाते थे. उनकी माता का नाम भुवनेश्वरी देवी था. वे आठ भाई बहनों में पांचवी संतान थे. शिक्षा के लिए संघर्ष घर का परिवार बड़ा होने के कारण साहा को गरीबी के कारण बचपन में बहुत ही संघर्ष करना पड़ा था. इस कारण उनके भाई बहनों को स्कूल की पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी. उन्हें या तो पिता की दुकान चलाने में मदद करनी होती थी या पिर फैक्ट्री में मजदूरी करनी पड़ी थी. लेकिन इन हालात के बावजूद साहा की किस्मत में कुछ और लिखा था। उन्होंने देश की आजादी में भी योगदान दिया था। अंग्रेज सरकार ने वर्ष १९०५ में बंगाल के आंदोलन को तोड़ने के लिए जब इस राज्य का विभाजन कर दिया तो समूचे मेघनाद भी इससे अछूते नहीं रहे। उस समय पूर्वी बंगाल के गर्वनर सर बामफिल्डे फुल्लर थे। अशांति के इस दौर में जब फुल्लर मेघनाद के ढाका कालिजियट स्कूल में मुआयने के लिए आए तो मेघनाद ने अपने साथियों के साथ फुल्लर का बहिष्कार किया। नतीजतन मेघनाद को स्कूल से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। प्रेसीडेंसी कालेज में पढ़ते हुए ही मेघनाद क्रांतिकारियों के संपर्क में आए। उस समय आजादी के दीवाने नौजवानों के लिए अनुशीलन समिति से जुड़ना देश सेवा का पहला पाठ माना जाता था। मेघनाद भी इस समिति से जुड़ गए। बाद में मेघनाद का संपर्क नेताजी सुभाष चंद्र बोस और देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद से भी रहा। आविष्कार कर रहे थे, तब उन्होंने थर्मो रिलेटिविटी, डायनेमिक्स और ऑटोमेटिक थ्योरी जैसे विषयों का गहन अध्ययन किया, साथ ही खगोल भौतिकी में समस्याओं के समाधान के लिए कई खोज कीं। बाद में वे अपनी खोजों के लिए दुनिया भर में मशहूर हो गए। खगोलविदों ने तारों में आंतरिक रासायनिक और भौतिक स्थितियों को निर्धारित करने के लिए साहा आयनीकरण समीकरण का उपयोग किया है। मेघनाद साहा का योगदान भौतिकी और खगोल विज्ञान तक ही सीमित नहीं था, उन्होंने बहोत स्वतंत्रता अभियान में भी भाग लिया। वे भारत को दुनिया की नजरों में एक बेहद सम्मानित पहचान दिलाना चाहते थे। उनके उल्लेखनीय योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। वैज्ञानिक होने के साथ-साथ डॉ.साहा आम जनता में भी लोकप्रिय थे। वह 1952 में भारत के पहले लोकसभा के चुनाव में कलकत्ता से भारी बहुमत से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीतकर आए। उन्होंने पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ राष्ट्रीय योजना समिति में काम किया। 16 फरवरी 1956 को यह महान वैज्ञानिक योजना आयोग की एक बैठक में भाग लेने राष्ट्रपति भवन की ओर जा रहे थे कि अचानक गिर पड़े और हृदय गति रुक जाने से संसार से विदा हो गए।

बुलडोजर नीति विरुद्ध न्यायिक पहल

- राकेश कुमार वर्मा

बुलडोजर नीति से सुराज मंडित सरकारों के भ्रम पर आखिरकार शीर्ष न्यायालय का अंकुश लग गया । जस्टिसद्वय वी आर गवई व के वी विश्वनाथन की बेंच ने स्पष्ट किया कि दोषियों को उनके निकेत से वंचित नहीं किया जा सकता। इस प्रकार एक स्वस्थ लोकतंत्र में अपराध के मर्म और प्रकृति को जाने बिना मनमाने ढंग से किसी व्यक्ति के संपूर्ण परिवार को उसकी छाया से बेदखल कर असुरक्षित जीवन जीने के लिए विवश नहीं किया जा सकता। दरअसल अपराध का मार्ग सत्ता के आचरण से उत्पन्न होता है। जब आम आदमी को भरण पोषण के सतही विकल्पों से वंचित कर वीआईपी संस्कृति वाली अपराध की दुनिया में लिप्त लोगों को आदर्श बताते हुए सुनहरे सपने दिखाए जाते हैं तो अपराध कैसे रुकेंगे। ऐसा करने के पीछे अडानी अंबानी जैसे लोगों को उपकृत करना है जो सत्ता प्राप्त की वित्तपोषक है। अवांछित विज्ञापन चलचित्र धर्म प्रदर्शन, भीड़ तंत्र और मीडिया इसकी हवि है जो अपराध तंत्र की पनाहगार है ,जो लोगों के धैर्य और विवेक का क्षरण करते हुए निरपराध और अपराध के अंतर को पाटते है जिसे हम भागलपुर कांड में पुलिस और बिलकिस बानो के दोषियों के महिमा मंडन में देख सकते हैं ।देश में पुलिस प्रशासन और अपराधियों की मिलीभगत चहुंओर बयान हो रही है । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के बुलडोजर न्याय की कथित लोकप्रियता का प्रभाव राजस्थान,असम, महाराष्ट्र , दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश की सरकारों पर पड़ा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चुनाव के मद्देनजर खरगोन मेंअप्रैल 2022 में हुए सांप्रदायिक झड़पों के बाद बुलडोजर नीति का दुरूपयोग किया। उनकी सरकार ने 16 घर और 29 ढाँचे ध्वस्त कर दिए। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि जब उद्देश्य शुभ न हो तो ज्ञान पाप हो जाता है। इसकी बानगी हम देख ही रहे हैं। लेकिन मध्यप्रदेश के इतिहास में एक दौर ऐसा भी रहा है जब बुलडोजर नीति का सदुपयोग सार्वजनिक विकास के लिए किया गया। इन सबसे पहले मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के कार्यकाल वर्ष 1990-92 में नगरीय प्रशासन मंत्री बाबूलाल गौर को समर्पित है। नए भोपाल के बुनियादी ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में उन्हें बुलडोजर मैन के रूप में याद किया जाता है। उस दौरान गौर ने राज्य में सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते भोपाल, इंदौर और मध्य प्रदेश के अन्य शहरी इलाकों में अभियान शुरू किए गए। सुलभ यातायात के लिए उन्होंने भोपाल की प्रसिद्ध वीआईपी रोड सहित भारत टॉकीज के आसपास के क्षेत्र में बांधा बनी इमारतों को ध्वस्त किया और स्थानीय निवासियों और राजनीतिक नेताओं के कड़े विरोध के बावजूद रेलवे स्टेशन पर यातायात व्यवस्था बहाल की। आपराधिक मामलों पर नकेल कसने के उद्देश्य से दंड प्रक्रिया शिनाख्त सदन में पारित हो चुका है जिसमें अपराधियों के जैविक और शारीरिक नमूने लिए जा सकेंगे। देखना है कि हांगकांग की तरह सरकार अपने दोष छुपाने के लिए कानून का दुरुपयोग करती है या सुशासन लाने की दिशा में अपराध प्रवृत्ति के निर्मूलन में इसका उपयोग।

आज का राशिफल

मेष आज आपको ऑफिस और परिवार के लोगों से हर प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला काम का माहौल बहुत शानदार रहेगा। आपके परिवार के सदस्यों में आपसी प्रेम बढ़ेगा।

वृषभ आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपको सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होने की संभावना है।

वृश्चिक आज आपको सेहत के मामले में किसी प्रकार की लापरवाही करना भारी पड़ सकता है।

मिथुन आज करियर में सफलता के योग हैं। आपको कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलने से मन प्रसन्न होगा।

धनु विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता और गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा।

कर्क आपके लिए उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बने हैं। आपको आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

मकर आज आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में प्रयास सफलत रहेंगे।

सिंह आज भाग्य साथ देगा। आपके सुख और आनंद में वृद्धि होगी। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे।

कुंभ हर प्रकार के विवाद से दूर रहें और आपको अपने परिवार के साथ आनंद की प्राप्ति होगी।

कन्या आपको व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी।

मीन कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से लेन-देन न करें।

विशेष

सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई करते हुए तल्ख टिप्पणी की और कहा कि जेल में रखा जाना अपवाद है। इसका सीधा अर्थ जो लगाया गया वह यह था कि सीएम केजरीवाल को अब और जेल में बंद कर के नहीं रखा जा सकता है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस सीटी रविकुमार और जस्टिस उज्जल भुइयां की स्पेशल बेंच ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। इस तरह कानून से जुड़े विशेषज्ञ जो कहते आ रहे हैं कि अदालते टिप्पणी तो बहुत अच्छी और मायनेखेज कर रही हैं, लेकिन उनका असर फैसलों पर क्यों दिखाई नहीं दे रहा है, यह चिंता का विषय है। काश इस पर खुद अदालतें संज्ञान लें तो शायद कुछ बेहतर संदेश समाज व देश में जा सकता है।

माफी मांगने का अर्थ

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष ने नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाराष्ट्र दौरे के दौरान सांगली में जनसभा को संबोधित करते हुए ऐसा कुछ कहा कि अब उस पर बहस छिड़ गई है। वैसे तो राहुल ओर खड़गे के निशाने पर केंद्र की सत्ताधारी गठबंधन महायुति रही, लेकिन छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने से जुड़ी घटना को लेकर जिस तरह से महाराष्ट्र के सीएम से लेकर डिप्टी सीएम और पीएम मोदी तक ने माफी मांगी उस पर भी बहुत कुछ कहा गया है। ऐसे में राहुल गांधी ने कहा कि जो गलती करता है, वही माफी मांगता है। इसे सीधे पीएम मोदी की माफी से जोड़ कर देखा जा रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1657: शाहजहां बीमार पड़ा. 1565: स्पेनी फौजों के सिसली पहुंचने पर तुर्की को मल्टा की नाकेबंदी समाप्त करनी पड़ी. 1672: आरेंज के विलियम ने नार्डेन हालैंड पर कब्जा किया. 1688: रोम ने तुर्की के सैनिकों से बेलग्राद छीन लिया. 1751: ब्रेमर स्काटरलैंड में विद्रोह भड़का . 1873: मार्शल नेय के नेतृत्व में फ्रांसीसी फौजों को डेनेविज जर्मनी में प्रसियाई सैनिकों से हार माननी पड़ी. 1955: इस्ताम्बूल और इजामिर में यूनान विरोधी दंग भड़के. 1966: दक्षिण अफ्रीका के प्रधानमंत्री हेंड्रिक वरबुर्ड की छुरा मारकर हत्या कर दी गई. 1975: पूर्वी तुर्की में भूकंप से ढाई हजार से अधिक लोग मारे गए. 1989: क्यूबा का विमान हवाना से उड़ान भरते ही दुर्घटना का शिकार हो गया जिसमें सभी 170 यात्री मारे गए. 1991: सोवियत संघ ने लिथुआनिया लाटविया और एस्टोनिया की स्वतंत्रता को मान्यता दी.

दैनिक पंचांग

6 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

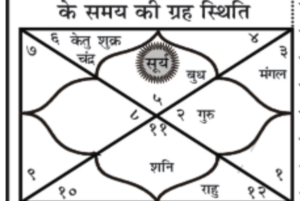

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.32 बजे से
चंद्र	कन्या में	तुला	08.43 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.58 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.14 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	15.19 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	17.05 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	18.38 बजे से
राहु	मीन में	मेष	20.09 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	21.49 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.47 बजे से
10.30 से		कर्क	02.00 बजे से
12.00 बजे तक		सिंह	04.16 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 250 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ला **तिथि** तृतीया 15.02 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 09.25 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 22.15 बजे को समाप्त। **करण** गर 15.02 बजे तदनन्तर वणिज 04.21 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 02.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 20' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872094 **जूलियन दिन** 2460559.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 02 **विशेष** हरितालिका तीज व्रत, गौरी हब्बा, वराह जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शरीर में विटामिन सी की मात्रा बढ़ने से क्या होगा?

विटामिन सी शरीर के लिए बेहद जरूरी है, कई बार लोग इसके लिए सप्लीमेंट्स लेने लगते हैं,जिससे शरीर में इसकी मात्रा बढ़ जाती है और शरीर को नुकसान होने लगता है।

विटामिन सी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को सशक्त बनाता है। इसके अलावा भी इसके कोई फायदे हैं। जैसे यह त्वचा के लिए फायदेमंद है। बालों को भी फायदा पहुंचता है लेकिन क्या होगा जब इसे अत्यधिक मात्रा में सेवन किया जाए? क्या विटामिन सी की मात्रा शरीर में बढ़ने से कोई परेशानी होती है?

शरीर में विटामिन सी की मात्रा बढ़ने से क्या होगा?

- एक्सपर्ट के मुताबिक विटामिन सी के अत्यधिक सेवन से पाचन संबंधित समस्याएं हो सकती हैं, जैसे दस्त, मतली, उल्टी, पेट में दर्द, ऐंठन। यह लक्षण आमतौर पर सप्लीमेंट्स के सेवन से जुड़े होते हैं ना कि विटामिन सी वाले खाद्य पदार्थ से।
- विटामिन सी का अधिक सेवन शरीर में अन्य जरूरी खनिजों जैसे तांबा और विटामिन बी12 के अवशोषण को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा विटामिन सी गैर हेम आयरन के अवशोषण को बढ़ाता है,यह उन लोगों में आयरन की अधिकता का कारण बनता है जो इसे संवेदनशील हैं।
- बहुत लंबे वक्त तक उच्च विटामिन सी का सेवन कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का भी खतरा बढ़ा सकता है जैसे किडनी स्टोन विटामिन सी के उच्च स्तर से ऑक्सलेट और यूरिक एसिड में उत्सर्जन होते हैं, जिससे किडनी स्टोन बनने की संभावना बढ़ जाती है। जिन लोगों को किडनी स्टोन की हिस्ट्री रही है वह खास करके इस समस्या के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।
- इसके अलावा विटामिन सी कुछ दवाओं के साथ रिएक्ट कर सकता है। रक्त पतला करने वाली दवा की क्रिया को प्रभावित कर सकता है।
- इसके अलावा कुछ एंटीवायरस दावों की प्रभावशीलता को कम कर सकता है। ऐसे में अगर आप कुछ खास दवाएं ले रहे हैं तो विटामिन सी सप्लीमेंट्स लेने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

खाना खाते वक्त ना करें ये गलतियां

सेहत को होते हैं नुकसान

तीन वक्त का खाना बेहद जरूरी है और हम इसे बखूबी खाते भी हैं,लेकिन कुछ ऐसे भी लोग हैं जो सही खान-पान के बावजूद सेहतमंद महसूस नहीं करते हैं। दरअसल इसके पीछे हमारी कुछ खराब खाने पीने की आदतें जिम्मेदार होती हैं। खाने के दौरान हम कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जिसके कारण हमारी सेहत पर असर पड़ता है आज हम आपको एक्सपर्ट लवलीन कौर के जानते हैं। खाना खाते वक्त ना करें ये गलतियां, सेहत को होते हैं नुकसान

हेल्थ एक्सपर्ट बताती है कि हम में से कई लोग ऐसे होते हैं जो बेवजह बिना भूख के भी खाना खाते हैं। ऐसे खाना खाने से वजन भी बढ़ता है और पाचन की समस्या हो सकती है। जरूरी है कि आप अपने शरीर के भूख के संकेतों को समझें और तभी खाएं, जब आपको वास्तव में भूख लगे। ऐसा करने से आपका पाचन तंत्र भोजन को अधिक प्रभावी ढंग से प्रोसेस करने में मदद करता है। सच्ची भूख लगने पर ही आप पोषक तत्वों को बेहतर अवशोषण करते हैं इससे ओवरऑल हेल्थ को फायदा पहुंचता है। एक्सपर्ट बताती है कि हम लोग खाना अचानक से जल्दबाजी खाने लगते हैं,जो की बिल्कुल भी सही नहीं है। खाना शुरू करने से पहले 5 से 6 बार गहरी सांस लेना जरूरी होता है, ताकि आप शांत अवस्था में आ सकें। इस तकनीक से आप पैरासिंपैथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करते हैं जो आराम और पाचन क्रिया के लिए जरूरी होता है। इससे ऑक्सीजन आपके सेल्स तक पहुंचती है,इस तरह आप अपने मन और शरीर को शांत करके आप अपने शरीर की पोषक तत्व को अवशोषित करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे पाचन क्रिया को भी सुधारने में मदद मिलती है। और सबसे बड़ी गलती यह है कि अक्सर हम भोजन को लेकर शिकायत करते हैं। जैसे खाना खराब बना है, यह तो मैं खाता ही नहीं हूं, यह तो कल ही खाया था। भोजन के बारे में शिकायत करने की बजाय आभार व्यक्त करें। अपने भोजन को सराहें, इससे पाचन और मानसिक कल्याण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आप खाना खाने के बाद अच्छा फील करते हैं और खुश रहने से शरीर में खाना लगता है। एक्सपर्ट कहती हैं कि इन छोटे-छोटे बदलाव को अपने रूटीन में शामिल करके आपके पाचन और ओवर ऑल हेल्थ में सुधार हो सकता है।

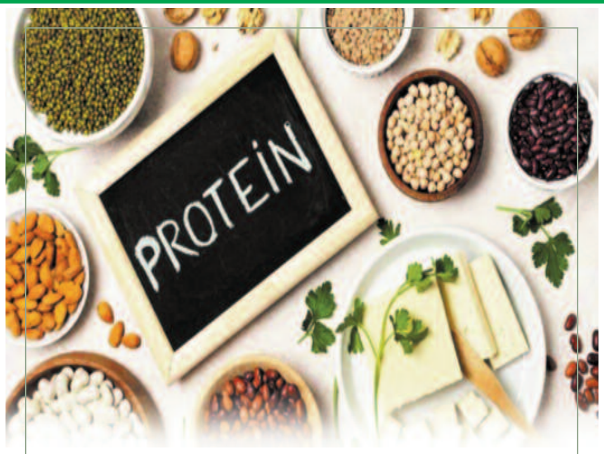

शाकाहारी लोग प्रोटीन की कमी दूर करने के लिए खाएं ये 6 चीजें

प्रोटीन हमारे शरीर के लिए कई तरह से जरूरी है। यह हमारे शरीर के लिए केमिकल बिल्डिंग ब्लॉक की तरह काम करता है। इसे अमीनो एसिड कहते हैं। शरीर इसका इस्तेमाल हड्डियों और मांसपेशियों के निर्माण और रखरखाव के लिए करता है। यह सेल्स को रिपेयर करने के साथ ही कोशिकाओं के निर्माण में भी मदद करता है।

मांस मछली प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत माना जाता है, लेकिन जो लोग शाकाहारी होते हैं उनके लिए बड़ी समस्या हो जाती है कि आखिर प्रोटीन के लिए क्या खाएं। ऐसे में आज हम आपको दाल के कुछ प्रकार बता रहे हैं जो प्रोटीन से भरपूर हैं। इन्हें प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत माना जाता है।

- प्रोटीन की कमी पूरी करने के लिए आप चावला बीन्स खा सकते हैं। इसमें प्रोटीन और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन में भी सहायता करती है और तृप्ति को बढ़ावा देती है।
- काबुली चना जिसे हम चिकपीस के नाम से भी जानते हैं। यह एक वर्सेटाइल दाल है जो मांसपेशियों की वृद्धि और हृदय स्वास्थ्य को समर्थन देती है। प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होने के कारण यह मांसपेशियों की मरम्मत में योगदान देती है।
- ब्लैक बीन्स एंटीऑक्सीडेंट और प्रोटीन से भरपूर होते हैं, यह स्वस्थ रक्त शर्करा स्तर को बनाए रखने के लिए आदर्श माने जाते हैं।
- लाल मसूर दाल भी प्रोटीन और आयरन में उच्च होती है। यह ऊर्जा स्तर को बढ़ाने और एनीमिया से लड़ने के लिए भी बेहतरीन है।
- हरी मटर प्रोटीन से भरपूर है जो प्रतिरक्षा प्रणाली और त्वचा के स्वास्थ्य को भी समर्थन देती है। इसमें जरूरी विटामिन और मिनरल्स जैसे विटामिन सी, विटामिन के होते हैं जो इम्यूनिटी को बूस्ट करते हैं।
- राजमा भी प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है। इसके अलावा भी यह जरूरी खनिजों से भरपूर है। यह मांसपेशियों की मरम्मत और ओवर ऑल हेल्थ के लिए आदर्श होते हैं। राजमा में फाइबर की भी अच्छी मात्रा होती है यह पाचन तंत्र को भी सही बनाए रखने में मदद करते हैं।

थायराइड लेवल को मैनेज करने के लिए खाएं यह रोटी

आजकल थायराइड की समस्या बढ़ती जा रही है। खासकर, महिलाओं में यह दिक्कत काफी देखने को मिल रही है। थायराइड ग्लैंड तितली की शेप की होती है। यह हमारे शरीर की जरूरी ग्रंथियों में से एक है। इससे थायराइड हार्मोन का उत्पादन होता है। जब यह सामान्य से कम या ज्यादा हो जाता है, तो हाइपोथायराइड या हाइपरथायराइड की समस्या होती है। शरीर में थायराइड हार्मोनल इंबैलेंस होने पर, इसका असर शरीर के कई फंक्शन्स पर होता है। आजकल अनियमित जीवनशैली और गलत खान-पान की वजह थायराइड इंबैलेंस की दिक्कत काफी आम हो गई है। इसे मैनेज करने के लिए, सही डाइट पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

थायराइड पेशेंट्स को डाइट में शामिल करनी चाहिए यह रोटी

- यह रोटी, विटामिन-ए, सेलेनियम, जिंक, आयरन और डाइटरी फाइबर से भरपूर है।
- ज्वार का आटा, इंसुलिन सेंसिटिविटी को सुधारता है।
- कच्चा पपीता, विटामिन-ए से भरपूर होता है। यह थायराइड फंक्शन को सुधारता है।
- धनिये की पत्तियों में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। ये थायराइड लेवल को मैनेज करने में मदद करते हैं।
- सूरजमुखी के बीज सेलेनियम से भरपूर होते हैं। ये इनएक्टिव थायराइड टी4 को एक्टिव थायराइड टी3 में बदलने का काम करते हैं।
- कद्दू के बीज, जिंक से भरपूर होते हैं। ये थायराइड मेटाबॉलिज्म को सुधारते हैं।
- जीरा, आयरन से भरपूर होता है और शरीर में आयरन की कमी को पूरा करता है।
- थायराइड लेवल को मैनेज करने के लिए, डाइट में इस रोटी को जरूर शामिल करें।
- थायराइड लेवल को मैनेज करने में मदद करेगी यह रोटी

सामग्री

ज्वार का आटा- 30 ग्राम, धनिये की पत्तियां- मुट्ठी भर, कच्चा पपीता- 2 टेबलस्पून, कद्दू के बीज- 1 टीस्पून (पिसे हुए), सूरजमुखी के बीज- 1 टीस्पून (पिसे हुए), जीरा पाउडर- आधा टीस्पून, धनिये के बीजों का पाउडर- 1 टीस्पून, पानी- 200 मि.ली.

विधि

- एक पैन में पानी डालें।
- अब इसमें सारी चीजें डालकर इसे मिक्स कर लें।
- इसे 5-7 मिनट के लिए अलग रख दें।
- अब इसे अच्छे से गूंथ लें।
- इससे छोटी छोटी गोलियां बनाएं।
- इसे बेलकर रोटी बना लें।
- इसे दोनों तरफ से सेंके।
- आपकी रोटी तैयार है।

आंखों की रोशनी बढ़ाने से लेकर डायबिटीज तक कंट्रोल करता है ये जंगली पौधा

किनगोड़ एक जंगली पौधा है जो विशेष रूप से उत्तराखंड में पाया जाता है। यह औषधीय गुणों से भरपूर होता है और खाने में भी काफी स्वादिष्ट होता है। आंखों की रोशनी बढ़ाने के साथ यह डायबिटीज को भी कंट्रोल करता है।

हमारे चारों ओर कई सारे पेड़ पौधे हैं जो ना सिर्फ हमें ऑक्सीजन देते हैं बल्कि इनके फूल, पत्तों, जड़ों और लड़कियों से कई तरह की बीमारियों का इलाज भी किया जाता है। ऐसा ही एक जंगली पौधा है किनगोड़ जो पहाड़ों में पाया जाता है। आमतौर पर इसका उपयोग खेतों की बाढ़ के लिए किया जाता है, लेकिन यह औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसके बीज से लेकर जड़ तक के अलग अलग फायदे होते हैं। कंटीली झाड़ी वाला पौधा किनगोड़ समुद्रतल से 1200 से 1800 मीटर की ऊंचाई पर उगता है। इसका वानस्पतिक नाम बर्बेरिस एरिस्टाटा है। किनगोड़ में बर्बेरिन नाम का केमिकल मौजूद होता है जिसके कारण इसका रंग पीला होता है। आयुर्वेद के अलावा किनगोड़ का उपयोग एलोपैथी में भी किया जाता है। यही वजह है कि कई फार्मा कंपनियां भी बर्बेरिन का इस्तेमाल करती हैं। आइए आपको इसके फायदों के बारे में विस्तार से बताते हैं।

गुणों का खजाना किनगोड़

किनगोड़ में कई पोषक तत्व और मिनरल्स पाए जाते हैं। एनसीबीआई के अनुसार इसमें प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन सी, मैग्नीशियम आदि पाया जाता है। आयुर्वेद में इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण औषधि के रूप में जाना जाता है। इस एक पेड़ से जाने कितने तत्व निकाले जाते हैं। स्वाद के मामले में भी यह लाजवाब है।

कंजंक्टिवाइटिस को ठीक करता है किनगोड़

आंखों से जुड़ी कई समस्याओं को ठीक करने के लिए किनगोड़ का इस्तेमाल किया जाता है। कंजंक्टिवाइटिस जिससे आम भाषा में आंख आना कहते हैं किनगोड़ की मदद से बहुत ही कम समय में ठीक हो सकता है। इसके लिए आप किनगोड़ की जड़ को पानी में उबाल लें। जब एक चौथाई पानी बच जाए तो उससे अपनी आंखों को अच्छी तरह साफ करें। कंजंक्टिवाइटिस की समस्या दूर होगी और अन्य नेत्र रोगों से भी छुटकारा मिलेगा।

यूरिन इन्फेक्शन से बचाव के लिए किनगोड़

किनगोड़ के फलों में पोषक तत्व होते हैं इसके सेवन से यूरिन संबंधी बीमारियों से आराम मिलता है। मानसून में किनगोड़ के पौधे पर लाल काले दाने लगते हैं। यह दाने औषधिय गुणों से भरपूर होते हैं।

स्किन के भी फायदेमंद किनगोड़

किनगोड़ के फल में विटामिन सी पाया जाता है जो स्किन के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इससे कील, मुंहासे दाग, धब्बे आदि दूर हो जाते हैं। किनगोड़ का फल खाने से स्किन ग्लो करती है और रंगत में भी निखार आता है।

डायबिटीज और पीलिया को ठीक करने में सहायक

शुगर के मरीजों के लिए यह बहुत ही असरदार दवा हो सकती है। किनगोड़ की जड़ को पानी में भिगोकर रोजाना सुबह इसका पीने से डायबिटीज कंट्रोल रहता है। आप चाहें तो इसके फल का जूस निकालकर भी पी सकते हैं। इससे ना सिर्फ आपका ब्लड शुगर नियंत्रित रहेगा बल्कि डायबिटीज से जुड़ी अन्य जटिलताएं भी कम होंगी। वहीं किनगोड़ की जड़ का पानी पीने से पीलिया भी ठीक होता है।

हर सीट पर औसतन 30 से ज्यादा दावेदार
झारखंड विधानसभा चुनाव में क्या करेगी कांग्रेस

रांची, एजेंसी। झारखंड में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे तैयारियां मूर्तरूप ले रही हैं। फिलहाल पार्टी कार्यालयों में दावेदारों की भीड़ लगी हुई है।

कांग्रेस में भी भीड़ बढ़ रही है। लोग जिला मुख्यालय से लेकर राज्य मुख्यालय तक में आवेदन दे रहे हैं। अभी तक की सूचना के अनुसार हर सीट के लिए औसतन 30 से अधिक दावेदार सामने आ गए हैं।

मीडिया विभाग के प्रमुख सतीश पाल मुंजनी ने बताया कि राज्य में चुनाव लड़ने का दावा करनेवाले नेताओं की संख्या अब तक ढाई हजार के करीब पहुंच गई है।

जिलों में सर्वाधिक दावेदारी देखने को मिल रही है। उन जगहों से भी दावेदारी सामने आई है जहां गठबंधन के तहत सीट छोड़े जाने की संभावना प्रबल है।

पैरवी पुत्रों, नेताओं की पत्नी, पुत्रियों आदि को टिकट देने में कांग्रेस हमेशा से आगे रही है। अभी-अभी समाप्त लोकसभा चुनाव में भी रिश्तेदारों को टिकट मिल चुका है।

सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र में कोड़ा दंपत्ति के छिटक जाने के बाद कांग्रेस ने तो इस सीट से दावेदारी ही छोड़ दी और चुनाव में झामुमो के उम्मीदवार के प्रचार में कांग्रेस के कार्यकर्ता जुट गए।

इस चुनाव में झामुमो के उम्मीदवार की जीत हुई। बदली हुई परिस्थितियों में अब विधानसभा चुनाव में नेताओं के रिश्तेदारों के लिए टिकट की राह आसान नहीं है।

टिकट के दावेदारों को कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। विभिन्न स्तरों पर इन्हें साक्षात्कार प्रक्रिया का सामना करना होगा। बताना होगा कि क्षेत्र में कौन-कौन से कार्यक्रम किए।

झारखंड में सबसे रोचक मुकाबला लोहरदगा सीट को लेकर है। यहां से अभी-अभी संसदीय चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे सुखदेव भगत विधानसभा चुनाव में अपने रिश्तेदार को उतारना चाहते हैं जबकि वित्त मंत्री डा. रामेश्वर उरांव के बारे में कहा जा रहा है कि वह भी कुछ ऐसी ही मंशा पाले हुए हैं।उन्हें भी अपने पुत्र के लिए बेहतर विकल्पों की तलाश है। ऐसे में माना जा रहा है कि लोहरदगा में टिकट के लिए रोचक मुकाबला हो सकता है।

झारखंड के विधानसभा चुनाव में महिला कांग्रेस की ओर से मजबूत दावेदारी की जा रही है। वर्तमान में तीन-तीन महिला विधायकों के होने से साथ ही कांग्रेस में महिला नेताओं का बोलबाला बढ़ा है।

चतरा, पलामू आदि जिलों से महिला दावेदारों की संख्या बढ़ रही है। अगर ऐसा ही रहा तो इस बार चुनाव में कुछ और महिलाओं को टिकट मिल सकता है।

चार दिनों से जलापूर्ति ठप, लोगों ने किया नप कार्यालय में हंगामा

धनबाद, एजेंसी। चिरकुंडा नगर परिषद वार्ड संख्या 18 में चार दिनों से जलापूर्ति ठप रहने के विरोध में इलाके के दर्जनों महिला-पुरुषों ने नप कार्यालय पहुंचकर हंगामा किया. लगभग 11 बजे पूर्वाह्न तक कार्यालय में कोई अधिकारी के नहीं पहुंचने पर लोगों का गुस्सा और भड़क गया. दफ्तर का मुख्य द्वार बंद करने का प्रयास किया गया. लेकिन नप कर्मी ने बीच-बचाव कर ऐसा नहीं होने दिया. लोगों का कहना था कि अधिकारी के कार्यालय आने का कोई समय निर्धारित है या नहीं विरोध कर रहीं महिलाओं का कहना था कि चार दिन से पानी बंद होने का कोई ठोस कारण कोई नहीं बतलाता है.

प्रत्येक महीने में चार-पांच दिन पानी बंद रहता है, लेकिन बिल लेने के लिए सिर पर सवार हो जाते हैं. बताया जाता है कि नप परिसर में लगा वाल्व खराब होने के कारण चार दिनों से वार्ड संख्या 17, 18, 19, 20 व 21में जलापूर्ति ठप है. इससे हजारों की आबादी प्रभावित है. विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि वाल्व खराब है तो उसकी मरम्मत होनी चाहिए. लेकिन अधिकारी और कर्मी चार दिनों से हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं. उनका कहना था कि नप का कोई भी अधिकारी नप क्षेत्र में नहीं रहता है. इसलिए यहां की समस्या से अधिकारियों को जूझना नहीं पड़ता है.

नप के एई अंकित परासर जब नप कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने आक्रोशित महिला-पुरुष को समझाया और शांत किया. आश्वस्त किया कि जल्द से जल्द वाल्व की मरम्मत कराकर जलापूर्ति की जायेगी. एई के समझाने के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए और अपने घर गये. एई अंकित परासर ने कहा कि वाल्व खराब होने के कारण पांच वार्ड में जलापूर्ति पूरी तरह से बाधित है. जलमीनार से पानी खाली किया जा रहा है. पानी खाली होते ही वाल्व की मरम्मत कराकर जलापूर्ति प्रारंभ कर दी जायेगी

संक्षिप्त समाचार

दो अपराधियों ने खस्सी चोरी करने का किया प्रयास

रांची, एजेंसी। ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के पतरातू निवासी पनेलाल महतो के घर में स्कूटी से आये दो अपराधियों ने खस्सी चोरी करने का प्रयास किया. बताया जाता है कि अपराधियों ने खस्सी चोरी करने से पहले पनेलाल के दरवाजे को रात करीब एक बजे बाहर से बंद करने का प्रयास किया. आहट मिलते ही पनेलाल ने मोबाइल से आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी. सूचना मिलते ही ग्रामीण एकजुट होने लगे. इधर, लोगों को अपनी ओर आते देख दोनों अपराधी वहां से स्कूटी को छोड़ फरार हो गये. बाद में ग्रामीणों ने स्कूटी को अपने कब्जे में ले लिया और पुलिस को सूचना दी. बाद में ग्रामीणों ने चोरों का पीछा भी किया, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाते हुए दोनों फरार होने में सफल रहे. ग्रामीणों ने स्कूटी को पुलिस को सौंप दिया. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

घर में साथ बैठकर पी शराब फिर बेटे ने की पिता की हत्या

रांची, एजेंसी। ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के मुड़लाटोली गांव में नशे में धुत पुत्र ने चाकू से गोदकर अपने 50 वर्षीय पिता साधु उरांव की हत्या कर दी। घटना मंगलवार देर शाम लगभग सात बजे की है। ग्रामीणों ने बताया कि शाम पांच बजे पिता–पुत्र ने एक साथ घर में बैठकर शराब का सेवन किया था। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी अमित उरांव को हिरासत में ले लिया। वहीं हत्या में प्रयुक्त खून से सना चाकू घटनास्थल से बरामद कर लिया और हत्या के कारणों का पता लगा रही है। इधर, मृतक साधु के दामाद ने पुलिस को फोन पर ससुर की हत्या उसके बेटे अमित द्वारा करने की सूचना दी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बेटा अमित उरांव लगातार पिता की हत्या से इनकार कर रहा था। थाना प्रभारी विनीत कुमार ने मामले का जल्द खुलासा करने की बात कही है। बताया जाता है कि दोनों गांव में स्थित एक ईंट भट्ठा के पास होटल चलाते थे।

मृतक विकास लिंडा के परिवार को बीजेपी नेता आदित्य साहू ने सौंपी एक लाख रुपये की सहायता राशि

रांची, एजेंसी। बीजेपी प्रदेश महामंत्री एवम् सांसद आदित्य साहू आज नामकुम प्रखंड के रामपुर गांव स्थित स्व विकास लिंडा के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर शोक जताया। बता दें कि उत्पाद सिपाही की दौड़ में घायल स्व विकास लिंडा की मौत इलाज के दौरान हुई थी। साहू परिवार को एक लाख रुपये की सहायता राशि दी। साहू के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर, राकेश भास्कर, रामकुमार पाहन, अशोक मुंडा, मानकी और राजेंद्र शाही आदि थे।मौके पर साहू ने पार्टी की ओर से एक लाख रुपए की सहायता राशि भी परिवार को प्रदान की। उन्होंने कहा कि पूरा बीजेपी परिवार दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है। कहा कि राज्य के युवाओं की मौत की ये घटना हृदय विदारक है। इसके पूर्व ऐसी घटनाएं नहीं सुनी गईं। यह सब हेमंत सरकार की गलत नीतियों के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि विकास दौड़ के दौरान घायल हुए थे। उन्हें उचित इलाज से बचाया जा सकता था। लेकिन स्थिति यह है कि हेमंत सरकार एक नौजवान को ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं करा सकी।

फ्लैट का ताला तोड़कर 12 लाख के जेवरात की चोरी

रांची, एजेंसी। लोअर वर्धमान कंपाउंड में कोयल इंक्लेव अपार्टमेंट के तीसरे तल्ले पर स्थित फ्लैट का ताला तोड़कर चोरी कर ली गयी. चोरों ने करीब 12 लाख रुपये मूल्य के जेवरात की चोरी कर ली. घटना को लेकर फ्लैट में रहने वाले डॉ सौरभ कुमार बेसरा ने बुधवार को लालपुर थाना में केस दर्ज कराया है. पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. मिली जानकारी के अनुसार डॉ सौरभ कुमार बेसरा ने पुलिस को बताया है कि वह एक सितंबर को परिवार के साथ मुंबई जाने के लिए निकल गये थे. इसके बाद वह बुधवार की सुबह 9.20 बजे जब अपने फ्लैट पहुंचे, तो उन्हें ताला गायब मिला. इसके अलावा इंटरलॉक लगा हुआ था. जिसे तोड़कर अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि फ्लैट के दो कमरों में रखा पूरा सामान बिखरा पड़ा है.जांच के दौरान उन्हें पता चला कि सोने के दो कंगन, सोने की एक हार, सोने की अंगूठी, चेन, बालियां, अंगूठी और चांद के जेवरात गायब हैं.

साहिबगंज के तीनपहाड़ में पैर फिसला और नदी में डूब गई 6 साल की बच्ची

तीनपहाड़, एजेंसी। साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बसियाचक दरला गांव की 6 वर्षीय बच्ची की बुधवार सुबह नदी में डूबने से मौत हो गयी. बसियाचक दरला गांव निवासी उज्ज्वल कुमार महतो की बेटी आयुषी कुमारी (6) का सुबह डहरू कुवार पुल के पास पैर फिसल गया. वह नदी में गिरी और डूब गई.

ग्रामीणों ने बताया कि सुबह मृतक की बहन कपड़ा धोने के लिए डहरू कुवार पुल के पास गयी थी. कुछ देर बाद ही गांव के छोटे-छोटे बच्चों के के साथ आयुषी कुमारी भी वहां पहुंच गई. सब बच्चे पुल के ऊपर थे, लेकिन आयुषी नदी में उतर गई. वहां उसका पैर फिसला और वह गहरे पानी में समा गई.

हो-हल्ला होने पर आसपास के लोग जुटे. उसे पानी से निकाला. उसे तत्काल इलाज के लिए तीनपहाड़ लाया गया. यहां से उसे राजमहल अस्पताल रेफर कर दिया गया. परिजन उसे लेकर अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल पहुंचे. यहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया.

परिजन आयुषी का शव लेकर घर लौटे. इसकी सूचना तीनपहाड़ थाना को जैसे ही मिली, एसआई संजय दुबे पुलिस बल के साथ बच्ची के घर पहुंचे. पंचायत के मुखिया माइकल, हल्का कर्मचारी मो इम्तियाज भी मृतक के घर पहुंचे. सभी ने मिलकर जांच की. इस दौरान परिजनों ने कहा कि बच्ची का पोस्टमार्टम नहीं कराएंगे. कर्मचारी मो इम्तियाज ने इस मामले को लेकर राजमहल सीओ अशोक कुमार सिन्हा से बात की. बच्ची की मां कुसुम देवी और उसके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मृतका आयुषी तीन बहनों में दूसरे नंबर पर थी.

झारखंड के 5 जिलों में वर्षा-वज्रपात का अलर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड के 5 जिलों में अगले कुछ घंटों में वर्षा और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि संताल परगना के 4 जिलों के साथ-साथ गिरिडीह में भी अगले कुछ घंटों में गरज के साथ बारिश होगी. कुछ जगहों पर वज्रपात भी होने की प्रबल संभावना है.

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र ने तात्कालिक चेतावनी में कहा है कि पाकुड़, साहिबगंज, दुमका और गोड्डा के साथ-साथ गिरिडीह जिले के कुछ भागों में अगले कुछ घंटों में गरज के साथ बारिश होगी. वज्रपात भी होने की संभावना है. इसलिए सावधान और सतर्क रहें.

उधर, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू रांची) के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केंद्र ने कहा है कि 3 सितंबर को झारखंड में लगभग 6 मिलीमीटर वर्षा हो सकती है. आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे. अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहने का अनुमान है.

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 4 सितंबर को बादल छाए रहेंगे. 8 मिलीमीटर वर्षा होने की उम्मीद है. सापेक्षिक आर्द्रता 59 से 91 प्रतिशत के बीच रहेगा. अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेंटीग्रेड रहेगा. हवा की दक्षिणी-पश्चिमी हवा की रफ्तार 6 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी.

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में आसमान में बादल छाए रहेंगे. 7 सितंबर तक हल्की वर्षा होने की संभावना है. तापमान में हल्की वृद्धि हो सकती है. हवा की गति सामान्य से अधिक रहने की संभावना है. कृषि विश्वविद्यालय की ओर से किसानों को कुछ खास सलाह दी गई है.

धनबाद के इनकम टैक्स अधिकारी ने कर दिया कमाल, माउंट एवरेस्ट पर लहराया तिरंगा

धनबाद, एजेंसी। वह घने जंगलों और पर्वतों में पैदल घूमने के शौकीन थे। पढ़ाई से वक्त मिलता तो कालेज के दोस्तों के साथ निकल पड़ते। इसी शौक ने पर्वतारोही बनाया, दुनिया की 42 चोटियों को जीत लिया। 1997 में पहली बार गढ़वाल के माउंट कामेट की ऊंचाई नाप दी। उनका सपना विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर फतह का था। बस साथियों को लेकर निकले और 57 दिनों में माउंट एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगा फहरा दिया।

जी हां, बात हो रही है आयकर विभाग धनबाद के संयुक्त सचिव देबाशीष विश्वास की। दुर्गम मानी जाने वाली पर्वत चोटी कंचनजंगा पर भी विजय पताका फहरा दी। देश के इस पहले सिविलियन देबाशीष ने इस माह सेंट्रल एशिया की 5000 मीटर ऊंची काकेशस पर्वत की चोटी को भी मात दे दी।

यह पर्वतीय चोटी सेंट्रल एशिया के जार्जिया और अजरबैजान में है। उनके साथ अन्य चार भारतीय पर्वतारोही थे। 20 जुलाई को यात्रा शुरू की, 19 अगस्त को टीम लौटी। वे कहते हैं, पर्वतों पर फतह का सफर बदस्तूर आगे भी चलेगा। देबाशीष कहते हैं कि एवरेस्ट व कंचनजंगा के साथ अन्नपूर्णा, मकालु, मानसलु, ल्होत्से, धौलागिरि, कामेट, शिव, शिवलिंग, पनवालीदार, इंद्रासन, आमा देबलाम, पामीर जैसे दुरूह शिखरों समेत विश्व के 42 सबसे ऊंची पर्वत चोटियों तक पहुंचे हैं। हौसला नहीं खोया तो कदम दर कदम पर्वतों पर जीत का सिलसिला चलता रहा।

इनके एवरेस्ट पहुंचने का वाकया दिलचस्प है। एक अप्रैल 2010 को सफर पर निकले थे। तिब्बत के रास्ते पहुंचना बजट फ्रेंडली है, बावजूद अनुमति नहीं मिली तो नेपाल के रास्ते कदम बढ़ाया। काठमांडू से लुकला प्लेन से पहुंचे। वहां से ट्रैकिंग शुरू हुई। बर्फ और चट्टानों से जंग लड़ते हुए 14 अप्रैल को 5400 मीटर ऊंचे बेस कैंप पहुंचे।

फिर 6100 मीटर पर कैंप-एक, 6400 मीटर पर कैंप-2, 7300 मीटर पर कैंप-3 और 7955 मीटर ऊंचाई पर कैंप-4 पहुंच गए। कैंप-4 के बाद माउंट एवरेस्ट पर विजय पताका लहराने का अवसर मिला। अभियान पूरा कर 27 मई को लौट आए। सौरभ गांगुली के शो के रहे विजेता, कई मेडल पड़े हैं झोली में देबाशीष भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली के बहुचर्चित टेलीविजन शो दादागीरी के विजेता रहे हैं।

साथ ही तेंजिंग नार्गे नेशनल एडवेंचर अवार्ड, सेंट्रल रेवेन्यू स्पोर्ट्स एंड कल्चरल बोर्ड विशिष्ट अवार्ड, इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन गोल्ड मेडल, रदोनाथ सिकदार तेंजिंग नार्गे अवार्ड, बंगाल कोलकाता कारपोरेशन की ओर से कोलकाता श्री, मदर टेरेसा इंटरनेशनल अवार्ड समेत अन्य सम्मान से नवाजे जा चुके हैं।

पर्वतारोहण पर लिखीं 11 पुस्तकें, कोलकाता फिल्म फेस्टिवल में मचाई धूम देबाशीष ने पर्वतारोहण से जुड़ी 11 पुस्तकों की रचना की। हिंदी में भी इनकी पुस्तक जल्द आएगी, उस पर काम कर रहे। पर्वतारोहण पर 11 फिल्में शूट कर चुके हैं। उनकी फिल्मों ने कोलकाता फिल्म फेस्टिवल और एडवेंचर फिल्म फेस्टिवल में खूब धूम भी मचाई।

ब्लाइंड पर्सन एसोसिएशन, कोलकाता ट्रम जैसे संगठनों से जुड़े हैं। एडवेंचर लवर्स और एडवेंचर से जुड़ी गतिविधियों के लिए ओपन ग्रुप आरोहण वंडरलस्ट तैयार किया है।

धनबाद में देबाशीष वर्ष 2015-16 में आयकर विभाग में सहायक आयुक्त थे। कुछ माह पहले संयुक्त आयुक्त बनकर पहुंचे। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड साहसिक समिति के अखिल भारतीय सहायक समन्वयक व बंगाल पर्वतारोहण और साहसिक खेल फाउंडेशन के शासी निकाय के सदस्य और पर्वत बचाव के समन्वयक भी हैं।

एटीएस ने रांची के जंगल में चलाया सर्च अभियान, अलकायदा से जुड़े चार युवकों ने छिपा रखे थे हथियार

रांची, एजेंसी। दिल्ली से एटीएस की टीम पूर्व में गिरफ्तार कुडू के कौवाखाप निवासी व अलकायदा से जुड़े अल्ताफ व चार अन्य युवकों को लेकर मंगलवार को चान्हो थाना क्षेत्र स्थित नकटा पहाड़ के जंगल में गयी. इसी जंगल में उनके द्वारा हथियार छिपा कर रखने की जानकारी दिल्ली एटीएस को मिली है. इसके बाद एटीएस की टीम अल्ताफ व अन्य चार को दिल्ली से लेकर वहां पहुंची. एटीएस की टीम ने सुबह से शाम तक जंगल के विभिन्न इलाकों में सर्च अभियान चलाया और छापेमारी की.

इस अभियान के दौरान दिल्ली एटीएस के साथ झारखंड एटीएस की टीम भी साथ थी. हालांकि जंगल से क्या मिला इसकी जानकारी नहीं मिल पायी है. गौरतलब है कि 22 अगस्त को दिल्ली एटीएस की टीम ने झारखंड के 16 स्थानों पर छापेमारी की थी. उसी दौरान रांची से अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट मॉड्यूल के लीडर डॉ इश्तेयाक को गिरफ्तार किया था. डॉ इश्तेयाक अहमद के साथ हजारीबाग के लोहसिंहना से फैजान उर्फ मुन्ना, रांची के चान्हो से मो रिजवान व मुफ्ती रहमतुल्ला तथा लोहरदगा के कुडू से अल्ताफ को गिरफ्तार किया गया था.

चान्हो स्थित अल्ट्रासाउंड संस्थान मेडिकाना नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है. संस्थान का संचालक डॉ इश्तियाक अहमद है. उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने संस्थान का निबंधन तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए संस्थान में अल्ट्रासाउंड कार्य बंद रखने का आदेश दिया है. साथ ही यूएसजी मशीन से किसी प्रकार की छेड़छाड़ एवं उसे स्थानांतरित नहीं करने का आदेश दिया है, वर्ना पीसी एवं पीएनडीटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जायेगी. भारत सरकार के सुरक्षा तंत्रों द्वारा डॉ इश्तियाक को आतंकी गतिविधियों में शामिल बताया गया है.

चंपई सोरेन के घर के बाहर से हटे सुरक्षा कर्मी, बेटे-सलाहकार को मिले अंगरक्षक भी वापस

सरायकेला, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता चंपई सोरेन के जिलिंगगोड़ा स्थित घर के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों को राज्य सरकार के आदेश से हटा लिया गया है। इसके साथ ही चंपई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन, प्रेस सलाहकार धर्मेंद्र गोस्वामी उर्फ चंचल को राज्य सरकार की ओर से जो अंगरक्षक दिए गए थे उसे हटा लिया गया है।

वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को जो अंगरक्षक दिए गए थे वे उसी तरह से तैनात है। पूर्व की भांति की उनके प्रत्येक दौरे के क्रम में अंगरक्षक उनके साथ रहेंगे। सूत्रों की माने तो घर की सुरक्षा में तैनात तीन से चार जवानों को हटा दिया गया था लेकिन जल्द ही पुन॰ उन अंगरक्षकों को बहाल कर दिया जाएगा।

राज्य सरकार के इस निर्देश के बाद ग्रामीणों में हेमंत सरकार के इस आदेश के प्रति आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि चंपई सोरेन जमीन से जुड़े नेता है। अगर उन्हें राज्य सरकार ने सुरक्षा दी थी तो उसे हटाना नहीं चाहिए था। जिस नेता ने झारखंड अलग राज्य के लिए आन्दोलन किए। जंगलों की खाक छानी। ऐसे नेता को प्रति झारखंड सरकार का व्यवहार अशोभनीय है।

बता दें कि 30 अगस्त को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने बीजेपी ज्वॉइन कर ली थी। उन्होंने इस दौरान झामुमो पर कई हमले भी किए। चंपई सोरेन कोल्हान क्षेत्र के दिग्गज नेता माने जाते हैं। माना जा रहा है कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले मास्टर स्ट्रोक खेला है। भाजपा को इसका फायदा आगामी विधानसभा चुनाव में दिख सकता है। कुछ सीटों में इजाफा होने की उम्मीद है।

पूर्वी सिंहभूम में 18-19 वर्ष की आयु के 77172 नये मतदाता बने, पहली बार करेंगे वोट

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम में विधानसभा चुनाव से पहले 18 से 19 वर्ष की आयु के 77172 नए मतदाता जुड़े हैं. ये लोग पहली बार झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में मतदान करेंगे. मतदाता पुनरीक्षण अभियान के बाद यह जानकारी सामने आई है.

इधर, जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने समाहरणालय सभागार में पूर्वी सिंहभूम जिले के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के पश्चात प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 25 जुलाई से 27 अगस्त 2024 तक 1 जुलाई को अर्हता तिथि मानते हुए फोटो मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण गतिविधियां संचालित की गयी थी. इसके तहत 27 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया.मतदाता सूची के फाइनल प्रकाशन में कुल 18,54,767 मतदाता सूचीबद्ध किए गये. इसमें 9,27,747 पुरूष, 9,26,883 महिला एवं 137 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं. 18 से 19 वर्ष की आयु के 77,172 नये मतदाताओं को जोड़ा गया है.डीसी ने बताया कि पूर्वी सिंहभूम जिले में इपी रेसियो 64॰50 तथा लिंगानुपात 999 है. संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 20,748 मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए भी गए हैं.झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग चुनावी जागरूकता के लिए झारखंड चुनाव क्विज का आयोजन कर रहा है.

EM इनवेस्टेबल मार्केट इंडेक्स में भारत की लंबी छलांग

इस इंडेक्स में चीन के पछाड़कर टॉप पर पहुंच गया भारत

एमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में भी ड्रैगन को पीछे छोड़ने के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की इकॉनमी दुनिया में सबसे तेज गति से दौड़ रही है और वह कई मामलों में चीन पर भारी पड़ता जा रही है। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के बीच भारत ने एमएससीआइइएम इनवेस्टेबल मार्केट इंडेक्स में चीन को पीछे छोड़ दिया है। इतना ही नहीं भारत अधिक लोकप्रिय एमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में भी ड्रैगन को मात के करीब पहुंच गया है। मॉर्गन स्टेनली के मुताबिक बुधवार को भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए एमएससीआइ इएम आइएमआइ में सबसे बड़ा वेटिंग बन गया है। साथ ही भारत श्वरू इंडेक्स में चीन को

पछाड़ने के बहुत करीब है। एमएससीआइ इएम आइएमआइ इंडेक्स 24 उभरते बाजारों में बड़े, मध्यम और छोटे शेयरों को कवर करता है। 3,355 कंस्टीट्यूएंट्स के साथ यह इंडेक्स हर देश में फ्री फ्लोट-एडजस्टेड मार्केट कैप का करीब 99 प्रतिशत कवर करता है। पिछले महीने एमएससीआइ सूचकांकों में फेरबदल के बाद एनालिस्ट्स ने अनुमान लगाया था कि भारतीय इक्विटी में लगभग 4 से 4.5 अरब डॉलर का निवेश हो सकता है। नुवामा ऑल्टरनेटिव एंड क्वांटिटेटिव रिसर्च के अनुसार मौजूदा मोमेंटम को देखते हुए भारत साल के अंत तक एमएससीआइइएम इंडेक्स में 22 प्रतिशत वेटेज को को पार कर सकता है। मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि बढ़ते वेटेज से देश में विदेशी प्रवाह बढ़ेगा। लेकिन समस्या यह है कि घरेलू बाजार के प्रतिभागी उनसे अधिक बोली लगा रहे हैं। ब्रोकरेज ने कहा कि इंडेक्स भार में बढ़ोतरी उत्साह का एक स्पष्ट संकेत हो सकता है। भारत को श्वरू संदर्भ में शीर्ष पिक और एशिया-प्रशांत संदर्भ में नंबर 2 पिक कहते हुए ब्रोकरेज ने कहा कि फंडामेंटल फैक्टर्स निश्चित रूप से भारत पर लागू होते हैं और श्वरू में भारत की नई स्थिति चिंताजनक नहीं है। कई अन्य निवेशकों की तरह मॉर्गन स्टेनली का भी मानना है कि शेयरों में गिरावट से साइडलाइन पर पैसा आ सकता है। इससे इस तरह की गिरावट ज्यादा समय तक नहीं रहेगी। मॉर्गन स्टेनली के विश्लेषकों ने एक नोट में लिखा है कि भारत में शेयर मार्केट अभी पीक पर नहीं पहुंचा है और ईएम इंडेक्स में भारत के वेटेज को शिखर तक पहुंचने के लिए अभी कुछ और दूरी तय करनी पड़ सकती है। इस कैलेंडर साल में एमएससीआइइएम इंडेक्स में सात फीसदी तक तेजी आई है जबकि निफ्टी ने 15 प्रतिशत रिटर्न दिया है। दूसरी ओर चाइनीज इक्विटीज में 10 फीसदी तेजी आई है। एमएससीआइ इंडिया में इस साल अब तक 22 प्रतिशत तेजी आई है और दूसरा कोई ग्लोबल इंडेक्स दूर-दूर तक उसके आसपास भी नहीं है।

200 पार जाएगा शेयर, त्योहारी सीजन में बढ़ेगी डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। मोतिसंस ज्वैलर्स के शेयर की कीमत में आज गुरुवार को इंट्रा डे में 3.8 प्रतिशत की तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर 191.70 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे त्योहारी सीजन है। आमतौर पर ऐसे समय में कंपनी की सेल्स बढ़ जाती है। बता दें कि कंपनी के शेयर इस साल अब तक 90 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। मोतीसंस ज्वेलर्स का आईपीओ दिसंबर 2023 में आया था। इसका आईपीओ प्राइस 125 था। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग कीमत 109 रुपये थी।

क्या है ब्रोकरेज की राय

मोतीसंस ज्वैलर्स शेयर की कीमत तकनीकी चार्ट पर सकारात्मक दिख रही है। प्रभुदास लीलाधर में टेक्निकल रिसर्च के सीनियर मैनेजर शिजू वासु कूथुपलक्कल ने कहा कि 140 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद स्टॉक अपट्रेंड पर है। वर्तमान में, ज्वैलरी स्टॉक 180 से 194 रुपये प्रति शेयर रेंज में है और इस प्रतिरोध को तोड़ने पर स्टॉक जल्द ही 205 रुपये को छू सकता है। कूथुपलक्कल का मानना है कि इस तरह वह मोतिसंस ज्वेलर्स के शेयरधारकों को शेयर होल्ड करने की सिफारिश की हैं और 180 रुपये का स्टॉप लॉस बनाए रखा है। सोने की कीमतें जो अस्थिर बनी हुई हैं, स्थिर हो गई हैं। आभूषण कंपनियों के लिए भी यही सकारात्मक है। त्योहारी सीजन से भी मांग बढ़ने की संभावना है। बता दें कि मोतीसंस ज्वैलर्स सोने, हीरे और कुंदन से बने ज्वेलरी बेचती है। इसके अलावा मोती, चांदी, प्लेटिनम और अन्य कीमती मेटल्स के ज्वेलरी प्रोडक्ट्स बेचती है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 246.19 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 87.10 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1,915.76 करोड़ रुपये है।

एक साल में 6300 प्रतिशत चढ़े शेयर, अब कंपनी ने बदला अपना टॉप अफसर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी इराया लाइफस्पेसेज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 6300 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी ने अब एक बड़ा ऐलान किया है। इराया लाइफस्पेसेज ने सीएस मूर्ति को अपना नया सीएफओ (चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर) बनाया है। कंपनी की पिछली सीएफओ पिछले 4-5 हफ्ते से अपनी ड्यूटी से गैरहाजिर पायी गई हैं और इसी वजह से कंपनी ने यह बदलाव किया है। इराया लाइफस्पेसेज ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है, पिछली चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर मीनाक्षी शर्मा पिछले 4-5 हफ्तों से बिना किसी उचित कारण के अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित हैं और फिलहाल वह उपलब्ध नहीं हैं। इराया लाइफस्पेसेज के शेयर गुरुवार 5 सितंबर 2024 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 1151.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। इराया लाइफस्पेसेज के शेयर पिछले एक साल में 6365 पर्सेंट उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 5 सितंबर 2023 को 17.81 रुपये पर थे। इराया लाइफस्पेसेज के शेयर 5 सितंबर 2024 को 1151.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 890 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को कंपनी के शेयर 116.25 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 5 सितंबर 2024 को 1150 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। 6 महीने में कंपनी के शेयरों में 300 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। इराया लाइफस्पेसेज के शेयरों में पिछले 3 साल में जबरदस्त उछाल आया है। कंपनी के शेयर पिछले 3 साल में 15460 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 27 अगस्त 2021 को 7.40 रुपये पर थे। इराया लाइफस्पेसेज के शेयर 5 सितंबर 2024 को 1151.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1151.55 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 18.70 रुपये है।

25,000 कर्मचारियों को करोड़पति बनाने वाली कंपनी पर संकट, एक महीने में गंवा दिए 1 ट्रिलियन

एनवीडिया का मार्केट कैप एक महीने से भी कम समय में करीब एक ट्रिलियन डॉलर गिर चुका है।

नई दिल्ली, एजेंसी। एआई चिप बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एनवीडिया के लिए यह साल कई मायनों में ऐतिहासिक रहा है। इस दौरान कंपनी ने एक दिन में सबसे ज्यादा मार्केट कैप हासिल करने का रेकॉर्ड बनाया और कुछ समय के लिए यह दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी भी बन गई। इस तेजी से कंपनी के करीब 25,000 कर्मचारी मिलिनेयर बने। पिछले पांच साल में कंपनी के शेयरों में 2,600 फीसदी तेजी आई है। लेकिन इसी साल कंपनी के नाम कुछ अनचाहे रेकॉर्ड भी चस्पा हो गए। यह एक दिन में सबसे ज्यादा मार्केट कैप गंवाने वाली कंपनी भी बन गई। एक महीने से भी कम समय में इसका मार्केट कैप एक ट्रिलियन डॉलर गिर गया है।

मंगलवार को एनवीडिया के शेयरों में नौ फीसदी से ज्यादा गिरावट आई और इसका मार्केट कैप 279 अरब डॉलर गिर गया। यह दुनिया की किसी भी कंपनी के मार्केट कैप में एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले यह रेकॉर्ड फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के नाम था जिसने 3 फरवरी, 2020 को 252 अरब डॉलर गंवाए थे। भारत की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का कुल मार्केट कैप 244 अरब डॉलर है।

क्यों गिरा शेयर

अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने एनवीडिया को एक समन भेजा है। सरकार ने कंपनी के खिलाफ एंटी-ट्रस्ट जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अधिकारियों का कहना है कि कंपनी ऐसे खरीदारों को तंग कर रही है जो उसके चिप का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। इस कारण कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। कंपनी के शेयरों में गिरावट से फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग की नेटवर्थ में भी 10 अरब डॉलर की गिरावट आई। हुआंग 93.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें नंबर पर खिसक गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 49.4 अरब डॉलर की तेजी आई है।

पहले बुजुर्गों के लिए, अब बच्चों पर फोकस कर रियल एस्टेट प्रोजेक्ट आ रहे हैं एनसीआर में

नई दिल्ली, एजेंसी। जब आवश्यक आवश्यकता की बात होती है तो सबसे पहले रोटी, कपड़ा और मकान का जिक्र होता है। पहले लोग सर छुपाने के लिए मकान बनाते या खरीदते थे। अब मकान खरीदते वक्त सबसे पहले बात होती है सुविधाओं की। तभी तो रियल एस्टेट डेवलपर्स भी ग्राहकों की पसंद और सुविधाओं के हिसाब से प्रोजेक्ट को डिजाइन कर रहे हैं। कुछ समय पहले सीनियर सिटीजन्स हाउसिंग का बड़ा जोर था। अब बच्चो के लिए हाउसिंग सोसाइटी में विशेष सुविधाओं की बात हो रही है।

कौन है डेवलपर

यह रियल एस्टेट डेवलपर है आशियाना हाउसिंग लिमिटेड। एनएसई और बीएसई में लिस्टेड इस कंपनी ने गुरुग्राम या गुड़गांव के सेक्टर 93 में बच्चों पर केंद्रित एक प्रोजेक्ट लॉन्च किया है। इस प्रोजेक्ट का नाम आशियाना अमाराह है। इस प्रोजेक्ट को लाग पसंद भी कर रहे हैं। तभी तो इसे खरीदारों ने हाथों-हाथ लिया है। तभी तो लॉन्चिंग के पहले ही दिन 60 फीसदी मकान बिक गए।

कैसा है बाजार में रिस्पांस

आशियाना के अमाराह प्रोजेक्ट में कुल 280 यूनट बनाए जा रहे हैं। कल इसकी लॉन्चिंग हुई और शाम तक इनमें से 168 यूनिट की बिक्री हो गई। मतलब 60 फीसदी

इंवेंट्री सोल्ड। इससे कंपनी को 403.49 करोड़ रुपये की रेवेन्यू मिलने की बात कही गई है। उल्लेखनीय है कि अमाराह के फेज 4 में कुल बिक्री योग्य क्षेत्र 4.95 लाख वर्ग फीट है। इनमें प्रीमियम 3 बीएचके यूनिट शामिल हैं।

क्या है खासियत

आशियाना हाउसिंग के जेएमडी अंकुर गुप्ता बताते हैं कि यह प्रोजेक्ट 22 एकड़ क्षेत्र में फैला है। इसमें बच्चों की ज़रूरतों पर विशेष ध्यान देने के साथ ही परिवारों के लिए एक समृद्ध वातावरण देने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। इस परियोजना को विभिन्न आयु समूहों को ध्यान में रखते हुए अच्छी तरह से सुविधाओं की प्लानिंग की गई है।

सभी उम्र के बच्चों के लिए है व्यवस्था

आमतौर पर किसी प्रोजेक्ट में छोटे बच्चों के लिए कुछ बना दिया जाता है, लेकिन बड़े बच्चों के लिए कोई व्यवस्था नहीं होती। गुप्ता का कहना है कि इस प्रोजेक्ट में छोटे बच्चों के लिए ट्री हाउस, रिबन सिटिंग, हॉपस्कॉच, किड्स प्ले एरिया, मेज, टनल प्ले, साइकिलिंग रैम्प आदि की व्यवस्था है। बड़े बच्चों के लिए बॉस्केटबॉल कोर्ट, एक्टिव स्पोर्ट्स फेसिलिटीज आदि की व्यवस्था है। आशियाना अमाराह प्रोजेक्ट में बच्चों के माता-पिता की सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है। तभी तो इस परियोजना में 30,000 से अधिक वर्ग फुट का क्लब हाउस शामिल किया गया है। इसे बच्चों और वयस्कों दोनों की रुचियों और जरूरतों को पूरा करने वाली कई तरह की गतिविधियों की पेशकश करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

93 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग के बाद लोअर सर्किट, रेमंड लाइफस्टाइल के शेयरों को बेचने की मची होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। रेमंड लाइफस्टाइल के शेयर ने पहले ही दिन निवेशकों की झोली भर दी। यह कंपनी इस साल जून में अपनी मूल कंपनी रेमंड लिमिटेड से अलग हुई थी और आज इसका शेयर स्टॉक एक्सचेंजेज पर लिस्ट हुआ। कंपनी का शेयर एनएसई पर 3,020 रुपये और बीएसई पर 3,000 रुपये पर लिस्ट हुआ। इसका बेस प्राइस 1,562.65 रुपये था और इसकी लिस्टिंग 93 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुई। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप लगभग 18,300 करोड़ रुपये पहुंच गया। लिस्टिंग के बाद कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत के लोअर सर्किट लिमिट पर पहुंच गया। इसकी वजह यह रही कि शुरुआती निवेशकों ने मुनाफावसूली की।

रेमंड ग्रुप ने रिस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस के हिस्से के रूप में अपने लाइफस्टाइल बिजनस को अलग कर दिया था। रेमंड में प्रत्येक पांच शेयरों के लिए रेमंड लाइफस्टाइल के चार शेयर दिए थे। वेंचुरा सिक्योरिटीज ने कंपनी को 30,000 करोड़ रुपये की वैल्यूएशन दी है। इसका मतलब है कि प्रति शेयर 4,927 रुपये का टारगेट प्राइस। वेंचुरा सिक्योरिटीज ने कहा कि डिमर्जर से पहले पिछले चार साल में रेमंड की मैनेजमेंट टीम ने पूरे कारोबार का कायाकल्प किया है। कंपनी न केवल डेडलाइन से पहले कर्जमुक्त हो गई है बल्कि उसके पास 200 करोड़ रुपये की नकदी भी है। कंपनी ने लाइफस्टाइल बिजनस में 12-15 प्रतिशत रेवेन्यू ग्रोथ का अनुमान जताया है। साथ ही वित्त वर्ष 2028 तक दोगुना होकर 2,000 करोड़ रुपये से अधिक करने की उम्मीद है। रेमंड की योजना 350 से अधिक स्टोर खोलने की है। अभी उसके स्टोर्स की संख्या 114 है। वेंचुरा के विश्लेषकों ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-27 में वेडिंग से होने वाला रेवेन्यू सालाना 19.2 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़कर 4,192 करोड़ रुपये पहुंच जाएगा। एबिटा भी 17.7 प्रतिशत की सालाना तेजी के साथ 895 करोड़ रुपये हो जाएगा। पहली तिमाही में रेमंड के मुनाफे में कई गुना उछाल आई है।

केरल में टनल बनाएगी यह कंपनी, 1341 करोड़ का मिला काम

दिलीप बिल्डकॉन के शेयर आज गुरुवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 5 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 581.55 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, दिलीप बिल्डकॉन ने गुरुवार 5 सितंबर को कहा कि वह केरल में 1,341 करोड़ की टनल निर्माण परियोजना के लिए ऑर्डर मिला है।

यह परियोजना इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) के आधार पर केरल के कोझिकोड और वायनाड जिलों में एक ट्विन ट्यूब इनडायरेक्ट टनल के निर्माण के लिए है। इसमें अनाक्कमपोयिल-कल्लाडी-मेप्पडी के बीच सीधी कनेक्टिविटी के लिए चार-लेन की पहुंच सड़क भी शामिल है। परियोजना की कुल लंबाई 8,275 किमी है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि परियोजना 48 महीनों में पूरी होने की उम्मीद है। बता दें कि इस साल की शुरुआत में कंपनी को हरियाणा में पृथला और धुलावत के बीच 21.14 किमी लंबी रेलवे लाइन के डिजाइन और निर्माण के लिए 1,092.46 करोड़ का ऑर्डर मिला था। दिलीप बिल्डकॉन के शेयर पिछले एक महीने में 15 प्रतिशत और छह महीने में 27 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। सालभर में इस शेयर में 73 प्रतिशत तक की तेजी आई है। कंपनी के शेयर का 52 वीक का हाई प्राइस 588.40 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 286.2 रुपये है। इसका मार्केट कैप 8,192.42 करोड़ रुपये है। कंपनी ने जून तिमाही में 119.49 करोड़ का प्रॉफिट दर्ज किया।

एफएमसीजी कंपनी में 3,900 करोड़ झोंकेगे मुकेश अंबानी

यह कंपनी में रिलायंस का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है

अधिकृत शेयर पूंजी भी 1 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एफएमसीजी सेक्टर में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। रिलायंस अपनी एफएमसीजी यूनिट में इक्विटी और डेट के जरिए 3,900 करोड़ रुपये तक की बड़ी पूंजी झोंकने की तैयारी कर रही है। इस सेक्टर में उसका मुख्य मुकाबला हिंदुस्तान यूनिलीवर, आइटीसी, कोका-कोला, अडानी विल्मर और दूसरी कंपनियों से है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के बोर्ड ने 24 जुलाई को आयोजित एक असाधारण आम बैठक में इसके लिए विशेष प्रस्ताव पारित किया। कंपनी ने रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज को अपनी लेटेस्ट रेगुलेटरी फाइलिंग में यह बात कही है। इस कंपनी की स्थापना नवंबर 2022 में की गई थी और उसके बाद से रिलायंस का इस कंपनी में यह सबसे बड़ा पूंजी निवेश होगा।

फाइलिंग के अनुसार आरसीपीएल ने कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी को 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 100 करोड़ रुपये कर दिया है और 3,000 करोड़ रुपये तक अतिरिक्त पूंजी जुटाने का प्रस्ताव पारित किया है। कंपनी ने 10 अंकित मूल्य के 775 मिलियन तक के अनसिक्योर्ड जीरो-कूपन ऑप्शनली फुली कनवर्टीबल डिबेंचर को नकद में ऑफर करने, जारी करने और आवंटित करने के लिए भी बोर्ड की मंजूरी भी ले ली है। यह एक या अधिक किस्तों में राइट्स के आधार पर 775 करोड़ के बराबर है। बिजनेस इंटेलिजेंस फर्म के संस्थापक मोहित यादव ने कहा कि पूंजी जुटाने का कदम कंपनी की महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं का संकेत देता है।

ईशा अंबानी ने क्या कहा

उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक कदम बताता है कि आरसीपीएल संभावित अधिग्रहण, बड़े विस्तार या अपने उत्पाद पोर्टफोलियो और बाजार में उपस्थिति में महत्वपूर्ण निवेश के लिए खुद को तैयार कर रही है। इस बारे में आरसीपीएल ने ईमेल का जवाब नहीं दिया। कंपनी ने 2023-24 में अपने परिचालन का पहला पूरा वर्ष पूरा कर लिया। एक सूत्र ने कहा कि मौजूदा प्रस्तावों को आरसीपीएल बोर्ड द्वारा एक निश्चित राशि तक पूंजी जुटाने के लिए पारित किया गया है, लेकिन कितना और कब जुटाया जाए, इस पर अंतिम निर्णय अभी लिया जाना बाकी है। आरसीपीएल को वित्त वर्ष 2024 में अपनी होल्डिंग कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स से राइट्स के आधार पर 792 करोड़ की ऋण पूंजी प्राप्त हुई थी। वित्त वर्ष 2023 में, आरसीपीएल ने उसी डिबेंचर रूट के माध्यम से 261 करोड़ जुटाए थे। रिलायंस रिटेल वेंचर्स की डायरेक्टर ईशा अंबानी ने पिछले हफ्ते रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम में शेयरधारकों से कहा था कि उपभोक्ता ब्रांड व्यवसाय में कंपनी का जोर पूरे भारत में अधिक से अधिक खपत को बढ़ावा देने के लिए सस्ती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने पर केंद्रित है।

सोने 450 रुपये सस्ता हुआ, चांदी 1,650 रुपये कमजोर पड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में गुरूवार को सोने का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 73,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। विदेशी बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में सोने में यह गिरावट दर्ज की गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 74,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत भी 1,650 रुपये लुढ़ककर 83,600 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 85,250 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

इसके अतिरिक्त, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 73,700 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। व्यापारियों ने कहा कि घरेलू स्तर पर आभूषण विक्रेताओं और खुदरा खरीदारों की कमजोर मांग के साथ-साथ वैश्विक प्रभाव के कारण सोने की कीमतों में गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर कॉमेक्स सोना 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,519.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को निराशाजनक अमेरिकी विनिर्माण आंकड़े जारी होने के बाद बुधवार को यूरोपीय कारोबारी घंटों में सोने में गिरावट आई, जिससे सभी वित्तीय परिसंपत्ति वर्गों में दुनियाभर में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे बाजार की धारणा निराशाजनक हो गई।'' कोटक सिक्योरिटीज के एवीपी-जिंस शोध कायनात चैनवाला के अनुसार, अमेरिकी आर्थिक आंकड़े जारी होने से पहले डॉलर में मजबूती, मुनाफावसूली और समायोजन के कारण कॉमेक्स सोने में गिरावट आई। चैनवाला ने कहा कि वर्तमान में सर्राफा सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है, क्योंकि व्यापारी शुक्रवार को आने वाले अमेरिकी रोजगार आंकड़ों का सतर्कतापूर्वक इंतजार कर रहे हैं, ताकि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती के लिए संभावित मार्ग के बारे में ताजा जानकारी मिल सके। हालांकि, वैश्विक स्तर पर चांदी मामूली बढ़त के साथ 28.40 डॉलर प्रति औंस पर बोली गई।

बताया क्या है रिटायमेंट के बाद का प्लान

इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स जल्द ही ले सकते हैं संन्यास?

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की अपनी योजनाओं के बारे में बताया। बेन स्टोक्स का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वो कोच बनने की राह पर आगे बढ़ सकते हैं। आपको बता दें कि इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यही किया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के करीब छह साल बाद ब्रेंडन मैकुलम को टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

बेन स्टोक्स ने बताया क्या है भविष्य की योजना- बेन स्टोक्स और ब्रैंडन मैकुलम दोनों के बीच काफी अच्छे संबंध हैं। दोनों को इंग्लैंड की टेस्ट टीम में बैज बॉल (तेजी से रन बनाने की रणनीति) को लाने का श्रेय दिया जाता है। अब ऐसा लग रहा है कि स्टोक्स रिटायरमेंट के बाद मैकुलम के नक्शेकदम पर चलते हुए कोच बन सकते हैं। द टेलीग्राफ से बात करते हुए बेन स्टोक्स ने कोच बनने की अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में खुलकर बात की। 33 साल के इस खिलाड़ी ने माना कि खेल के प्रति उनका प्यार उन्हें रिटायर होने के बावजूद क्रिकेट के मैदान को नहीं छोड़ने के लिए मजबूर करेगा।

रिटारमेंट के बाद कोच बनना चाहते हैं स्टोक्स- बेन स्टोक्स ने कहा कि मैं खुद को ऐसा व्यक्ति नहीं मानता कि जब मैं खेलना छोड़ दूं तो मैं क्रिकेट से जुड़ा ही न रहूं। मैं खुद को कोच बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए देखता हूं। मुझे लगता है कि यह खेल के प्रति मेरे प्यार के कारण है। जब मैं खेलना छोड़ दूंगा, तो मैं कुछ लोगों के करियर को प्रभावित करने की कोशिश करना चाहूंगा। इससे पहले बेन स्टोक्स ने वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था, लेकिन वनडे वर्ल्ड कप 2023 से ठीक पहले उन्होंने वनडे में फिर से वापसी करने का फैसला किया था। हालांकि वर्ल्ड कप में उनके खराब प्रदर्शन की वजह से उनकी वापसी के फैसले पर सवालिया निशान खड़े हो गए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलना चाहते हैं बेन स्टोक्स- चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलने की बात पर बेन स्टोक्स ने स्वीकार किया कि इस तरह से आयोजनों में हिस्सा लेने से इनकार करना मुश्किल है। हालांकि बेन ने अब तक सीमित प्रारूप के क्रिकेट में जो कुछ भी हासिल किया है उससे वो संतुष्ट नजर आए। उन्होंने कहा कि इस तरह से बड़े टूर्नामेंट में खेलने से इनकार करना काफी मुश्किल है। हालांकि मुझे नहीं पता है कि इस टूर्नामेंट के लिए मैं इंग्लैंड टीम का हिस्सा बन पाऊंगा या नहीं। मुझे यकीन है कि इसे लेकर बातचीत तो जरूर होगी और मैं किसी भी हाल में खुश रहूंगा।

संक्षिप्त समाचार

शरत कमल की निकट भविष्य में संन्यास की योजना नहीं, टूर पर एक और सत्र खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल के पांचवें ओलंपिक में हिस्सा लेने के बाद संन्यास की योजना बनाने की उम्मीद थी लेकिन 42 साल के इस खिलाड़ी ने बुधवार को पेशेवर टूर पर एक और सत्र में खेलने की प्रतिबद्धता जाहिर की। शरत को बुधवार को एशियाई चैम्पियनशिप की पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया जो अगले महीने अस्ताना में खेली जायेगी।
पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक शरत ने कहा कि वह सात अक्टूबर से शुरू होने वाले एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना

स्मैश में भी हिस्सा लेंगे। भारत की सर्वश्रेष्ठ 37 रैंकिंग हासिल करने वाले शरत दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने का लक्ष्य भी बनाये हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'अगले 9 महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। लेकिन साथ ही मैं आईओसी और आईटीटीएफ में विकल्प की तलाश करूंगा। अपने देश में टीटीएफआई के साथ एक ढांचा बनाने में मदद करने की कोशिश करूंगा ताकि साई और टीटीएफआई के बीच अंतर कम हो सके और खेल में ज्यादा से ज्यादा कोरपोरेट प्रायोजक आएं। शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में एथलीट संस्था का भी हिस्सा हैं और निकट भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का लक्ष्य बनाये हैं।

जय शाह के बाद रोजर बिन्नी भी जाएंगे आईसीसी! बेंगलुरु में 29 सितंबर को बीसीसीआई की एजीएम में लग सकती है मुहर

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन संस्करण की नीलामी के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और अध्यक्ष रोजर बिन्नी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) महासचिव जय शाह का इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अगला चेयरमैन बनना तय हो गया है। अब बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी के भी आईसीसी में जाने पर मुहर लग सकती है।

दरअसल, बेंगलुरु में 29 सितंबर को बीसीसीआई की सालाना आम बैठक होनी है। इस बैठक में इस बात पर मुहर लग सकती है कि रोजर बिन्नी आईसीसी में बीसीसीआई के प्रतिनिधि होंगे। खबर के मुताबिक, एजीएम में आईसीसी में बीसीसीआई के प्रतिनिधि के रूप में रोजर बिन्नी की नियुक्ति से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, उम्र उनकी राह में आड़े आ सकती है। आईसीसी प्रशासन में शामिल होने के लिए अधिकतम उम्र 70 वर्ष है। ऐसे में बीसीसीआई को जो नया महासचिव बनेगा वह भी आईसीसी में प्रतिनिधि हो सकता है। खास यह है कि एजीएम बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी के गृहनगर बेंगलुरु में ही होनी है। बीसीसीआई की एजीएम के लिए गुरुवार 5 सितंबर 2024 की सुबह राज्य संघों को नोटिस भेज दिए गए। बीसीसीआई की 93वीं एजीएम की शुरुआत बेंगलुरु के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के साथ होगी।

पेरिस पैरालंपिक

तीरंदाजी में हरविंदर ने जीता गोल्ड

पेरिस, एजेंसी। टोक्यो 2020 के कांस्य पदक विजेता हरविंदर सिंह ने पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में स्वर्ण पदक जीतकर एक और इतिहास रच दिया। वह पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बन गए। उन्होंने बुधवार को फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के साथ, हरविंदर पैरालंपिक और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय तीरंदाज बन गए। वह लगातार दो पैरालंपिक में पदक जीतने वाले पहले और एकमात्र तीरंदाज भी हैं। भारत ने अब तक पेरिस पैरालंपिक में चार स्वर्ण, आठ रजत और 10 कांस्य पदकों समेत कुल 22 पदक जीते हैं। हरविंदर के स्वर्ण के साथ भारत पदक तालिका में 15वें स्थान पर पहुंच गया है। इससे पहले बुधवार को ही सचिन खिलारी ने देश के लिए रजत पदक जीता था। हरविंदर ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। पहले सेट में 10 और दो 9 के साथ हरविंदर सिंह ने पहला सेट जीत लिया। सिसजेक ने 9, 7 और 8 का स्कोर किया। 2-0 से आगे चल रहे हरविंदर ने दूसरे सेट की शुरुआत लगातार दो नौ के साथ की और फिर 10 का स्कोर किया जबकि सिसजेक ने तीनों प्रयासों में 9 का स्कोर किया। हरियाणा के कैथल के एक किसान परिवार से आने वाले हरविंदर ने दो 10 और उसके बाद एक नौ (29) के साथ स्वर्ण पदक पक्का किया, जबकि सिसजेक ने सात से शुरुआत की और फिर दो 9 का स्कोर किया। इससे पहले, हरविंदर ने बुधवार को ही सेमीफाइनल में ईरान के अरब अमेरी मोहम्मद रजा को हराया था।

पीएम मोदी ने दी हरविंदर को बधाई

पोलियो ग्रस्त हरविंदर ने तीरंदाजी के ओपन रिकर्व के फाइनल में पोलैंड के ल्यूकास सिजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण जीता। वह पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने वाले देश के पहले पैरा तीरंदाज बन गए। इससे पहले उन्होंने पुरुषों की रिकर्व ओपन प्रतियोगिता में लगातार चार जीत हासिल करके फाइनल में प्रवेश किया था।

पेरिस पैरालंपिक में भारत का अभूतपूर्व प्रदर्शन जारी है। बुधवार को तीरंदाज हरविंदर सिंह ने पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह पैरालंपिक में तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं। पीएम मोदी ने उनके इस ऐतिहासिक प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी।

पीएम ने दी बधाई

पीएम ने हरविंदर की ऐतिहासिक जीत पर अपने एक्स हैंडल पर लिखा- पैरा तीरंदाजी में एक बहुत ही खास स्वर्ण पदक! पैरालंपिक 2024 में पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में स्वर्ण पदक जीतने के लिए हरविंदर सिंह को बधाई! उनकी सटीकता, ध्यान और अटूट भावना शानदार है। भारत उनकी उपलब्धि से बहुत खुश है।

ट्रेविस हेड ने टी-20 इंटरनेशनल में रचा इतिहास

एडिबर्ग, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना दिन होने पर किसी भी टीम को ध्वस्त कर सकती है। ऐसा ही कुछ नजारा स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में देखने को मिला। जब ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 155 रनों का टारगेट 9.4 ओवर में ही चेज कर लिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने विस्फोटक बैटिंग की। उनके आगे स्कॉटलैंड के गेंदबाज टिक नहीं पाए। उन्होंने 80 रनों की तूफानी पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई है।

ट्रेविस हेड ने सिर्फ 17 गेंदों में ही लगाया अर्धशतक- स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच में ट्रेविस हेड ने पारी की शुरुआत से ही विस्फोटक बैटिंग की। उन्होंने सिर्फ 17 गेंदों में ही अर्धशतक पूरा कर लिया। वह टी20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले बल्लेबाज बने हैं। मार्कस स्टोइनिस ने भी ऑस्ट्रेलिया के लिए ञ्20द्ध में 17 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी। हेड ने मैच में 25 गेंदों में 80 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और पांच छक्के शामिल थे। लेकिन वह तेजी से रन बनाने के चक्कर में आउट हो गए और शतक पूरा नहीं कर पाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज फिफ्टी

- ट्रेविस हेड-17 गेंद
- मार्कस स्टोइनिस- 17 गेंद
- डेविड वॉर्नर- 18 गेंद
- ग्लेन मैक्सवेल- 18 गेंद

ट्रेविस हेड ने स्कॉटलैंड के सभी बॉलर्स के खिलाफ खूब रन बनाए। उनकी वजह से ही ऑस्ट्रेलियाई टीम 9.4 ओवर में ही टारगेट चेज करने में सफल रही है। हेड ने बेहतरीन बैटिंग का नमूना पेश किया। वह एक टी20 इंटरनेशनल मैच के पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने पॉल स्टर्लिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पॉल स्टर्लिंग ने ञ्20द्ध के मैच के पावरप्ले में 67 रन तो ट्रेविस हेड ने 73 रन बनाए हैं। हेड पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सभी बल्लेबाजों को पीछे करते हुए पहले नंबर पर पहुंच गए हैं।

एक टी20 इंटरनेशनल मैच के पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

- 73 - ट्रेविस हेड, 2024
- 67 - पॉल स्टर्लिंग, 2020
- 66 - कॉलिन मुनरो , 2018
- 64 - क्विंटन डी कॉक, 2023
- 62 - एविन लुईस, 2018
- 62 - जॉनसन चार्ल्स 2024

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम से बाहर हुए जोस बटलर, इस खिलाड़ी की कप्तानी में मैदान पर उतरेगा इंग्लैंड

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम स्कॉटलैंड दौरे के ठीक बाद इंग्लैंड जाएगी जहां पर दोनों टीमों के बीच पहले 3 मैचों की टी20आई सीरीज खेली जाएगी और फिर 5 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। दोनों देशों के बीच खेले जाने वाले इन तीन मैचों की टी20आई सीरीज से इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर बाहर हो गए हैं और उनकी जगह टीम की कप्तानी फिल साल्ट करते हुए नजर आएंगे।

जोस बटलर नहीं खेलेंगे टी20आई सीरीज- इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की टी20आई सीरीज की शुरुआत 12 सितंबर से होगी और फिर इस सीरीज का दूसरा मैच 14 सितंबर को जबकि तीसरा मैच 16 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद 5 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 16 सितंबर से होगी। फिलहाल टीम के नियमित कप्तान जोस बटलर इन तीन मैचों की टी20आई सीरीज का हिस्सा नहीं होंगें। जोस बटलर पिंडली की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गए और उनका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलना भी संदिग्ध है। इसकी जानकारी इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने दी।

बटलर की जगह जेमी ओवरटन टीम में शामिल- बटलर की अनुपस्थिति में स्टार ओपनर फिल साल्ट को टीम की कमान सौंपी गई है और ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टी20 टीम में बटलर की जगह शामिल किया गया है। वनडे सीरीज से भी अगर जोस बटलर बाहर होते हैं तो हैरी ब्रुक कथित तौर पर टीम की कमान संभालेंगे और कप्तान के कवर के तौर पर जॉर्डन कॉक्स को वनडे टीम में शामिल किया गया है।

अमेरिकी ओपन में बड़ा उलटफेर, स्वियातेक को हराकर पेगुला सेमीफाइनल में, सिनर ने मेदवेदेव को हराया

न्यूयॉर्क , एजेंसी। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ियों नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कारेज के जल्द बाहर होने के बाद अब पुरुष एकल में सिनर एकमात्र ग्रैंडस्लैम विजेता बचे हैं। यूएस ओपन में बुधवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। अमेरिका की जेसिका पेगुला ने बुधवार को यहां दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक को सीधे सेट में हराकर उलटफेर करते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं, दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने बुधवार को पुरुष एकल में पूर्व चैंपियन दानिल मेदवेदेव को चार सेट में हराकर पहली बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इटली के शीर्ष वरीय सिनर ने 2021 के चैंपियन मेदवेदेव को 6-2, 1-6, 6-1, 6-4 से हराया।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ियों नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कारेज के जल्द बाहर होने के बाद अब पुरुष एकल में सिनर एकमात्र ग्रैंडस्लैम विजेता बचे हैं। सिनर ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मेदवेदेव को पांच सेट में हराकर खिताब जीता था। सिनर फाइनल में जगह बनाने के लिए शुक्रवार को ब्रिटेन के 25वें वरीय जैक ड्रेपर से भिड़ेंगे। इसी दिन एक अन्य सेमीफाइनल 12वें वरीय टेलर फ्रिट्ज और 20वें वरीय फ्रांसेस टियाफो के बीच खेला जाएगा। 22 साल के ड्रेपर ने पहली बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। वह 2012 में एंडी मरे के ट्रॉफी जीतने के बाद अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले ब्रिटेन के पहले पुरुष खिलाड़ी हैं।

29 सितंबर को बेंगलुरु में बीसीसीआई एजीएम: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 29 सितंबर को बेंगलुरु में होगी। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, शहर में हाई परफॉरमेंस सेंटर के

उद्घाटन के साथ होने वाली एजीएम के लिए गुरुवार को राज्य संघों को नोटिस भेजे गए। इसमें आगे दावा किया गया है कि पिछले महीने जय शाह की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध नियुक्ति के बाद 1 दिसंबर से खाली होने वाले सचिव के पद के लिए कोई चुनाव नहीं होगा। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि बीसीसीआई नए सचिव का चुनाव करने के लिए विशेष आम बैठक (एसजीएम) बुलाएगा।

सनी कौशल ने कहा- आने वाले समय में मैं बहुत कुछ अलग करूंगा

सनशाइन म्यूजिक टूर्स एंड ट्रैवल्स के साथ अपनी शुरुआत करने वाले सनी कौशल को अब इंडस्ट्री में आठ साल हो चुके हैं, अभिनेता अपने सफर को बड़े प्यार से याद कर रहे हैं। 34 वर्षीय अभिनेता को उम्मीद है कि वह आने वाले समय में बहुत कुछ बेहतर लेकर सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि वह उन चीजों पर काम करेंगे जिन पर उन्होंने कभी काम नहीं किया है। सनी ने को बताया, मैं अपने सफर को बहुत प्यार से देखता हूं।

मैं इस खूबसूरत इंडस्ट्री में पिछले आठ साल गुजारने के लिए वाकई आभारी हूं। दरअसल एक अभिनेता के तौर पर मैंने यहां आठ साल से ज्यादा समय बिताया। उसके पहले मैं एक सहायक निर्देशक था और इस तरह इस इंडस्ट्री में मुझे लगभग 10 से 11 साल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में काम करने को लेकर वह वास्तव में आभारी हैं, क्योंकि उन्हें यहां से बहुत कुछ सीखने को मिला है। यहां उनकी कुछ अद्भुत लोगों से मुलाकात हुई, जिनमें से कुछ खास दोस्त बने। इसके साथ ही मुझे कुछ अद्भुत कहानियों का हिस्सा बनने का भी मौका मिला। मैंने यहां कई तरह के खास किरदार निभाए हैं।

विक्की कौशल के छोटे भाई सनी ने कहा, मैं खुद को इतना खुशनसीब समझता हूं कि लोगों ने मुझे इतनी गर्मजोशी, इतने प्यार और खुले दिल से स्वीकार किया है और मुझे उम्मीद है कि मैं ऐसा करना जारी रखूंगा। इसके साथ ही मैं सभी का मनोरंजन करना जारी रखूंगा और लोगों के मनोरंजन के लिए और भी बेहतर किरदार और कहानियां लेकर आऊंगा। अब अभिनेता ने अद्भुत कहानियों का हिस्सा बनने, और अद्भुत किरदार निभाने को लेकर कमर कस ली है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इन आठ वर्षों में एक अच्छी बात यह हुई है कि मैं अपने आस-पास की हर चीज के प्रति बहुत शांत हो गया हूं.

लद्दाख में अपनी अपकमिंग फिल्म 120 बहादुर की शूटिंग कर रहे हैं फरहान अख्तर

बॉलीवुड के बहुमुखी अभिनेता फरहान अख्तर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 120 बहादुर को लेकर व्यस्त हैं। वह लद्दाख में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में वह परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह की भूमिका में नजर आएंगे।

यह फिल्म मेजर शैतान सिंह और 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी के सैनिकों की कहानी बताती है। इस फिल्म को 1962 के भारत-चीन युद्ध पर सेट किया गया है, जो रेजांग ला की लड़ाई से प्रेरित है, जहां हमारे सैनिकों ने अद्वितीय साहस, वीरता और बलिदान का प्रदर्शन किया था। निर्माताओं ने अभी फिल्म के दो मोशन पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें फरहान अख्तर को मेजर शैतान सिंह के रूप में दिखाया गया है।

फरहान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपकमिंग फिल्म 120 बहादुर का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, उन्होंने जो हासिल किया उसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। मेजर शैतान सिंह पीवीसी और चार्ली कंपनी 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी आपके सामने लाना एक परम सौभाग्य की बात है। 18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़ी गई रेजांग ला की लड़ाई हमारे सैनिकों के उल्लेखनीय साहस और वीरता की कहानी है। उन्होंने कहा, हम वीरता की इस अविश्वसनीय कहानी को पर्दे पर लाने में भारतीय सेना के सहयोग के लिए उनके आभारी हैं। हम आज इस फिल्म को पूरी विनम्रता और उन लोगों के प्रति अत्यंत सम्मान के साथ बनाने जा रहे हैं, जिनका हम प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस फिल्म का निर्देशन रजनीश 'राज़ी' घई कर रहे हैं। जो दर्शकों के सामने एक शानदार कहानी पेश करेंगे। इस फिल्म का उद्देश्य न केवल मनोरंजन करना है, बल्कि भारत के सशस्त्र बलों की वीरता का सम्मान भी करना है। इस फिल्म का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियो द्वारा किया गया है। इस बीच फरहान अपनी आगामी फिल्म डॉन 3 के साथ निर्देशन में वापसी करने के लिए भी तैयार हैं।

पाकिस्तानी शो 'हमसफर' को स्टेज पर प्रेजेंट करेंगे महेश भट्ट

फवाद खान और माहिरा खान स्टारर पाकिस्तानी सीरीज 'हमसफर' को जल्द ही भारत में स्टेज करने की तैयारी की जा रही है। यह फिल्ममेकर महेश भट्ट का इनिशिएटिव है। इसके लिए उन्होंने पाकिस्तान के हम टीवी की क्रिएटिव हेड और सीईओ मोमिना दुरैद से बातचीत की और उनकी सहमति ली। इस स्टेज अडेप्टेशन को भारत-पाक कोलैबोरेशन के अंतर्गत किया जाएगा जिसका मकसद आर्ट और कल्चर को प्रमोट करना है। पाकिस्तानी टीवी शो हमसफर साल 2011 में हम टीवी पर टेलीकास्ट हुआ था।

इसमें (बाएं से दाएं) माहिरा खान, फवाद खान और नवीन वकार जैसे कलाकार लीड रोल में नजर आए थे। पाकिस्तानी टीवी शो हमसफर साल 2011 में हम टीवी पर टेलीकास्ट हुआ था। इसमें (बाएं से दाएं) माहिरा खान, फवाद खान और नवीन वकार जैसे कलाकार लीड रोल में नजर आए थे। इस बारे में बात करते हुए थिएटर और फिल्म एक्टर इमरान जाहिद ने अधिक जानकारी दी। जाहिद इस प्ले के प्रेजेंटर और क्रिएटिव हैड भी हैं।

फैशन मेरे लिए खुद को व्यक्त करने का एक और तरीका : आलिया भट्ट

आलिया भट्ट अपनी ऑन-स्क्रीन परफॉर्मेंस और स्टाइल से दर्शकों को हमेशा आकर्षित करती रही हैं। उन्होंने हाल ही में कहा है कि फैशन उनके लिए एक कहानी बताने का तरीका है। बातचीत में आलिया ने कहा, फैशन मेरे लिए खुद को व्यक्त करने का एक और तरीका है, यह मेरे लिए खुद का प्रतिबिंब है। मैंने हमेशा अपने प्रति सच्चा रहने की कोशिश की है। फैशन हमेशा बदलता रहता है लेकिन मेरे लिए यह हमेशा आरामदायक और आसान रहा है। जब आलिया से उनके बालों और त्वचा की देखभाल के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अपने रूटीन के बारे में भी कई बातें शेयर की। उन्होंने कहा मैं एक नियमित स्किनकेयर रूटीन का पालन करती हूं, जिसमें त्वचा की सफाई, मॉइश्चराइजिंग और धूप से सुरक्षा शामिल है। हाइड्रेटेड रहना भी मेरे रूटीन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब मैं काम नहीं कर रही होती, तो मैं मेकअप भी नहीं करती हूं ताकि मेरी त्वचा भी आराम कर सके। इसके अलावा मैं अपने बालों को स्टाइलिंग टूल्स और प्रोडक्ट्स से ब्रेक देती हूं ताकि वे स्वस्थ रहें। आलिया ने अपने सिल्की बालों के बारे में बताते हुए कहा, मेरे लिए, बालों के साथ नए-नए प्रयोग करना नए लुक्स को अपनाने का अच्छा तरीका है। यह बहुत अच्छी बात है कि बालों का नया रंग आपके किसी इवेंट में मौजूदगी को कैसे बदल सकता है और यह आपकी परफॉर्मेंस में एक नई ऊर्जा का संचार कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि आलिया भट्ट ने 2012 में अपनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था। वह इसी साल अक्टूबर के महीने में हिंदी सिनेमा में अपने 12 साल पूरा करने वाली हैं। अपने इस बारह साल के करियर में उन्होंने हाईवे, 2 स्टेट्स, हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, कपूर एंड सन्स, उड़ता पंजाब, राजी, गली बॉय, गंगूबाई काठियावाड़ी, डार्लिंग्स, और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। आलिया ने हिंदी सिनेमा में अपने 12 साल के योगदान को याद करते हुए कहा, पिछले 12 वर्षों में, मैंने कुछ बेहतरीन निर्देशकों, प्रोडक्शन हाउसों और अभिनेताओं के साथ काम किया है। मैं उन सब के द्वारा मुझे मिले हर प्रोजेक्ट के लिए आभारी हूं, क्योंकि इन लोगों की वजह से ही मुझे इतने विविध और अनोखे किरदार निभाने का मौका मिला है। बता दें, आलिया की आगामी फिल्मों में जिगरा और अल्फा शामिल है जिसमें वह एक जासूस की भूमिका में नजर आएंगी।

प्रभु देवा और सनी लियोनी की फ़िल्म पेट्टा रैप को मिली रिलीज डेट!

प्रभु देवा और सनी लियोनी की फ़िल्म पेट्टा रैप इस दिन होगी रिलीज़, मेकर्स ने नया पोस्टर किया शेयर!

सनी लियोनी अपनी अगली तमिल फिल्म पेट्टा रैप में मशहूर कोरियोग्राफर, फिल्ममेकर और एक्टर प्रभु देवा के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करी, जिसमें सनी के साथ प्रभु देवा और एक्ट्रेस वेदिका भी हैं। यह फिल्म, जो एक परफेक्ट फैमिली एंटरटेनर का वादा करती है, 27 सितंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। पोस्टर में सनी अपने ग्लैमरस अवतार में वापस आ रही हैं। पहले खबर आई थी कि एक्ट्रेस एक गाने में प्रभु देवा के साथ डांस करेंगी और जब से यह खबर बाहर आई है, उनके फैंस इस ट्रैक का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले, सनी ने तमिल फिल्म कोटेशन गैंग में अपने लुक से अपने फैंस को सरप्राइज कर दिया था, जिसमें वह एक हत्यारे की भूमिका निभा रही हैं। पेट्टा रैप और कोटेशन गैंग के अलावा, सनी प्रभु देवा और हिमेश रेशमिया की बैडेस रविकुमार में नजर आएंगी। उनके नाम शेरो और एक अनटाइटल्ड मलयालम फिल्म भी है। फिल्मों से परे, अभिनेत्री अपने कॉस्मेटिक ब्रांड के साथ बिज़नेस की दुनिया में तहलका मचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

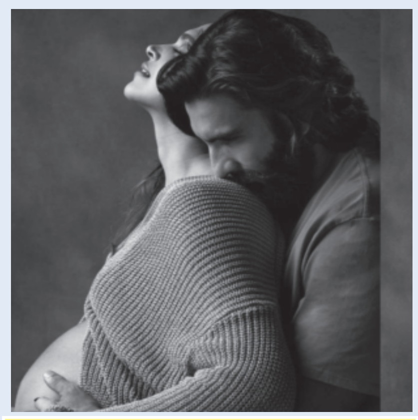

प्रेग्नेंसी फोटोशूट देख फैंस ने की भविष्यवाणी

दीपिका पादुकोण के होंगे जुड़वा बच्चे?

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों अपने प्रेग्नेंसी पीरियड को एन्जॉय कर रही हैं। दीपिका ने कुछ महीने पहले ही अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान सोशल मीडिया पर किया था, जिसके बाद से ही वह कई बार अपने बेबी बंप के साथ स्पॉट हुई हैं। दीपिका की प्रेग्नेंसी पर ट्रोलर्स ने सवाल भी उठाए हैं। बड़ी संख्या में लोगों ने एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी को फेक बताया है, लेकिन अब दीपिका ने सबकी बोलती बंद कर दी है। दीपिका पादुकोण ने अपना मैटरनिटी फोटोशूट करवाया, जिसमें दीपिका भी बाकी हसीनाओं की तरह बोल्डनेस का तड़का लगाती दिखीं।

इंडस्ट्री के स्टार कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने प्रेग्नेंसी फोटोशूट करवाया। इस मौके की ढेर सारी फोटोज दीपिका ने शेयर कीं, जिसमें वह अपने पति रणवीर सिंह के साथ क्यूट मोमेंट को एन्जॉय करती दिखीं। कुछ फोटोज में दीपिका और रणवीर साथ नजर आ रहे हैं और बाकी की फोटो में दीपिका अपने बेबी बंप के साथ पोज दे रही हैं। दीपिका पादुकोण के फोटोज पर कटरीना कैफ ने हार्ट इमोजी बनाया है। प्रियंका चोपड़ा ने हार्ट और फायर दोनों ही इमोजी बनाकर दीपिका के लिए अपना प्यार जाहिर किया है। अर्जुन कपूर ने दीपिका की फोटोज पर प्यार और इमोशनल दोनों ही इमोजी लगाए हैं। वहीं, एक फैन ने लिखा, भई अब ट्रोलर्स कहां गए। दूसरे ने लिखा, पक्का जुड़वां होने वाले हैं। इसके अलावा, दीपिका के बाकी फैंस ने भी फोटोज पर प्यार लुटाया है। दीपिका के ये फोटोज धड़ल्ले से वायरल हो रहे हैं। इनके अलावा भी ढेर सारे कमेंट्स इन फोटोज पर आ रहे हैं। बता दें कि इन फोटोज को कुछ ही घंटों में करोड़ों लोगों ने पसंद किया है।

पुरानी यादों को ताजा करने अपने स्कूल पहुंचीं तारा सुतारिया

5 सितंबर को छात्र अपने शिक्षकों से मिले ज्ञान और उनके प्रति सम्मान प्रकट करते हैं और इस दिवस को धूमधाम से मनाते हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया ने अपना शिक्षक दिवस बेहद खास ढंग से मनाया। दरअसल, वह अपने स्कूल पहुंची और अपने पुराने दिनों को याद किया। साथ ही एक भावुक नोट लिखते हुए उन्होंने अपने बेहद खास पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया।

अभिनेत्री तारा सुतारिया ने बुधवार को अपने स्कूल के दौरे की तस्वीरें साझा कीं। तारा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा कीं, जिसमें उन्हें स्कूल में छात्रों से मिलते और उन्हें ऑटोग्राफ देते देखा जा सकता है। एक तस्वीर में तारा को डेस्क पर बैठे और कैमरे के लिए पोज देते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने अपने स्कूल की एक झलक भी साझा की, जो काफी हरियाली से घिरा हुआ था।

यह पोस्ट साझा करते हुए तारा ने कैप्शन में एक दिल को छू लेने वाला नोट लिखा, उन्होंने लिखा, 'वापस स्कूल! मेरी राय में पाली हिल की सबसे खूबसूरत जगह हम कितने भाग्यशाली थे कि हमे पेड़ों, फूलों, कॉटेज, खुले आसमान और सबसे प्यारे बिल्लियों और कुत्तों के बीच बड़े हुए और सीखा।

अनुष्का बोलीं– मुझे नहीं लगता कि बेटी को कुछ सिखा सकती हूं, अपनी गलतियों को स्वीकारना चाहिए

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा मुंबई लौटने के बाद एक कार्यक्रम में शामिल हुईं, जिसमें उन्होंने अच्छे माता-पिता होने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि अच्छे माता-पिता बनने का बहुत दबाव रहता है। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा लंबे समय के बाद मुंबई लौट आई हैं। मुंबई आते ही उन्होंने एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए अच्छे माता-पिता होने के बारे में बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने दोनों बच्चों का भी जिक्र किया।

मालूम हो कि अनुष्का छह साल से अभिनय से दूर हैं। उन्हें पिछली बार साल 2018 में जीरो फिल्म में देखा गया था। हालांकि, 2022 में कला फिल्म में उनकी छोटी सी झलक देखने को मिली थी। वो आने वाले दिनों में चकदा एक्सप्रेस से वापसी करेंगी, जो क्रिकेटर झूलन गोवस्वामी की बायोपिक है। अनुष्का शर्मा ने कहा कि माता-पिता के तौर पर अपनी गलतियों को स्वीकार कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अच्छे माता-पिता नहीं हैं और ऐसा बनने का बहुत दबाव रहता है। यह बात अनुष्का ने स्लर्प फार्म द्वारा आयोजित यस मॉम्स एंड डैड्स नाम के कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि वे अपने बच्चों को कुछ अच्छा सिखाने के लिए उदाहरण पेश करने की कोशिश करते हैं। बता दें कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली दो बच्चों- वामिका और अकाय के माता-पिता हैं। अनुष्का ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वो अपनी बेटी को कुछ सिखा सकती हैं।

साभार-एजेंसी